3 | राजधानी
ऑनलाइन निवेश के नाम पर पांच करोड़ की ठगी

6 | अभिमत
आर्थिक वृद्धि में बढ़ोतरी के प्रयास

10 | स्पोर्ट्स
गांगुली के लिए काफी आदर की भावना: शास्त्री

12 | विदेश
हाफिज सईद के खिलाफ सुनवाई 16 तक स्थगित

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 43
नई दिल्ली, रविवार, 15 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

धरती के चैंपियन
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

बंगाल में हिंसा, असम में और एक मौत

ममता बनर्जी ने उपद्रवियों को दी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

- मुर्शिदाबाद, 24 परगना, हावड़ा सर्वाधिक प्रभावित
- दर्जनों ट्रेनें-बसें और दुकानें आग के हवाले, रेल पटरियों में तोड़फोड़, राष्ट्रीय राजमार्ग 34 समेत कई सड़कें जाम
- पूर्वोत्तर में स्थिति बेहतर, असम-मेघालय, मिजोरम में कर्फ्यू में ढील, नगालैंड में छह घंटे का बंद

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता/नई दिल्ली

नागरिकता कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर और दिल्ली समेत देश के तमाम हिस्सों में शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। पश्चिम बंगाल में उपद्रवियों ने रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, दुकानों और बसों में जमकर आगजनी और तोड़फोड़ की। साथ ही उत्तर व दक्षिण बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 34 समेत कई प्रमुख मार्गों को जाम कर दिया गया। असम में स्थिति में थोड़ा सुधार दर्ज हुआ है लेकिन प्रदर्शनकारियों ने एक टैंकर को आग के हवाले कर दिया जिसमें चालक की मौत हो गई। इसी के साथ असम में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। मेघालय की राजधानी शिलांग व मिजोरम में भी कर्फ्यू में ढील दी गई वहीं नगालैंड में छह घंटे का बंद रखा गया। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस नागरिकता कानून का पुरजोर विरोध कर रही है लेकिन हिंसक होते आंदोलन के मद्देनजर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंसा और तोड़फोड़ करने वालों को चेतावनी दी है कि कानून व्यवस्था बनाए रखें अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, आगजनी व तोड़फोड़ का सबसे ज्यादा दंश बांग्लादेश की सीमा से लगे मुर्शिदाबाद, उत्तरी 24 परगना और हावड़ा जिलों को झेलना पड़ा है। मुर्शिदाबाद जिले के कृष्णपुर स्टेशन पर कई खाली ट्रेनों को आग के हवाले कर दिया गया और लालगोला व सुजनीपारा स्टेशनों पर रेल पटरियां क्षतिग्रस्त की गईं। पड़ोसी मालदा जिले के हरिशचंद्रपुर में रेल पटरियों पर आगजनी की।

आक्रोश से भरे दर्शनकारियों ने करीब 15 बसों को आग के हवाले कर दिया जिनमें सार्वजनिक के साथ-साथ निजी वाहन भी शामिल हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-छह (मुंबई रोड) और राष्ट्रीय राजमार्ग-दो (दिल्ली रोड) को कोलकाता से जोड़ने वाले कोना एक्सप्रेसवे पर हावड़ा में यातायात अवरुद्ध कर दिया गया। मुर्शिदाबाद में राष्ट्रीय राजमार्ग 34 और जिले की कई अन्य सड़कों के अलावा हावड़ा जिले के दोम्जुर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग छह को भी बाधित कर प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए और कई वाहनों में तोड़ फोड़ की।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीती रात ग्रामीण हावड़ा के बगनान इलाके में (शेष पेज 9)

संशोधित नागरिकता कानून

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में आगजनी और पथराव कर रहे उपद्रवियों पर आंसू गैस के गोले छोड़ता पुलिसकर्मी

जामिया में परीक्षा रद्द, विवि की नाकेबंदी खत्म

नई दिल्ली। नागरिकता (संशोधन) कानून, 2019 के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन और विश्वविद्यालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए शनिवार को जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने पांच जनवरी तक छुट्टी की घोषणा कर दी और सभी परीक्षाओं को रद्द कर दिया। विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। आने वाले समय में नई तारीखों की घोषणा की जाएंगी। 16 दिसम्बर से पांच जनवरी तक छुट्टी घोषित की गई है। विश्वविद्यालय छह जनवरी 2020 से खुलेगा। इस बीच जामिया के छात्रों ने विश्वविद्यालय की नाकेबंदी खत्म कर दी है। विवि प्रशासन ने कहा कि शुक्रवार को पुलिस से भिड़ने वाले लोग, बाहरी थे, जामिया के छात्र नहीं थे। साथ ही विवि शिक्षकों, पूर्व छात्रों एवं विद्यार्थियों ने नए नागरिकता कानून के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन चलाने के लिए समन्वय समिति गठित की है। कानून के विरोध में छात्रों ने शुक्रवार को संसद की तरफ मार्च करने का प्रयास किया जिसके बाद पुलिस और छात्रों में संघर्ष हो गया। इससे विश्वविद्यालय एक तरह से युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया था।

मेरा नाम राहुल सावरकर नहीं, मर जाऊंगा-माफी नहीं मांगूंगा

भारत बचाओ रैली

नई दिल्ली में शनिवार को कांग्रेस की रैली के दौरान मंच पर उपस्थित पार्टी के वरिष्ठ नेतागण फोटो: रंजन डिमरी

- रामलीला मैदान में गरजे कांग्रेसी नेता, पीएम मोदी व अमित शाह पर लगाए तीखे आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रेप इन इंडिया टिप्पणी के लिए भाजपा का जोरदार हमला झेल रहे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को तीखे आरोपों के साथ पलटवार किया। रामलीला मैदान में कांग्रेस की भारत बचाओ रैली में भगवा दल पर करारा व्यंग्य कसते राहुल ने कहा कि मेरा नाम राहुल सावरकर नहीं, राहुल गांधी है। मर जाऊंगा लेकिन सच बोलने के लिए कभी माफी नहीं मांगूगा। उन्होंने मंच से पार्टी के शीर्ष नेताओं का अभिवादन किया और, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए बोले कि इस देश का सबसे ज्यादा नुकसान किसी और ने नहीं बल्कि देश के प्रधानमंत्री ने किया है। हमले की धार तेज करते (शेष पेज 9)

शिवसेना की चेतावनी, न करें सावरकर का अपमान

मुंबई। महाराष्ट्र में कांग्रेस की नई सहयोगी शिवसेना ने राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कि मेरा नाम राहुल सावरकर नहीं है, कड़ा ऐतराज दर्ज कराया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने मराठी भाषा में ट्वीट किया कि हम (शिवसेना) पंडित नेहरू और महात्मा गांधी का सम्मान करते हैं, आपको (कांग्रेस) वीर सावरकर का अपमान नहीं करना चाहिए। जो समझदार हैं उन्हें और कोई स्पष्टीकरण देने की जरूरत नहीं है। दूसरे ट्वीट में राउत ने लिखा कि वीर सावरकर न केवल महाराष्ट्र बल्कि राष्ट्र के लिए भगवान हैं। उनके नाम के साथ देश का गौरव और आत्म सम्मान दोनों जुड़े हुए हैं। नेहरू और गांधी की तरह उन्होंने भी अपना जीवन देश को आजादी दिलाने के लिए समर्पित कर दिया था। ऐसे सभी देवताओं का सम्मान होना चाहिए, इस बारे में कोई समझौता नहीं हो सकता।

मौसम

अधिकतम 19.2°C (-4)
न्यूनतम 9.7°C (+1)

बाजार

सेंसेक्स	41,009	
निफ्टी	12,086	
सोना	38,486	/10g
चांदी	45,189	/kg

क्विक न्यूज

घर में लगी आग से तीन महिलाओं की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में शनिवार देर शाम एक घर में आग लगने से तीन महिलाओ की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। अग्निशमन विभाग ने बताया कि शाम करीब छह बजे उसे आग लगने के बारे में सूचना मिली जिसके बाद आठ दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग में झुलसे लोगों को अस्पताल ले जाया गया जहां किरण (60), सोमवती (57) और कामतादेवी (75) की मौत हो गई। वहीं वाशिखा (14), अक्षित (15) और लाजवंती (68) का अस्पताल में इलाज चल रहा है। अग्निशमन विभाग के मुताबिक शाम 7.55 पर आग पर काबू पा लिया गया था।

तीन महीने बढ़ी फारुक अब्दुल्ला की हिरासत

श्रीनगर। पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य मे तीन बार मुख्यमंत्री रहे फारूक अब्दुल्ला की हिरासत अवधि शनिवार को तीन महीने के लिए और बढ़ा दी गई और वह उपकारागार मे परिवर्तित अपने घर मे रहेगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अब्दुल्ला पांच बार सांसद रहे है। केंद्र ने पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा हटाने और उसके विभाजन की घोषणा की थी और उसी दिन से वह हिरासत मे है। नेशनल कांफ्रेस (नेकां) के नेता पर सख्त जन सुरक्षा कानून (पीएसए) पहली बार 17 सितंबर को लगाया गया था, जिसके कुछ ही घंटे बाद एमडीएमके नेता वाइको की एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय सुनवाई करने वाला था। याचिका मे वाइको ने आरोप लगाया था कि नेकां नेता को गैर कानूनी तरीके से हिरासत मे रखा गया है। नेकां अध्यक्ष पर पीएसए के सरकारी आदेश के तहत मामला दर्ज किया गया है जो किसी व्यक्ति को बगैर सुनवाई के तीन से छह महीने तक जेल मे रखने की इजाजत देता है।

फतेहपुर में दोहराया गया उन्नाव कांड

बलात्कार के बाद पीड़िता को जिंदा जलाया

पायनियर समाचार सेवा। फतेहपुर

फतेहपुर जिले में हुसेनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को उन्नाव जैसा कांड दोहराया गया। यहां दोपहर में 18 साल की लड़की के साथ उसके रिश्ते के चाचा ने घर में घुसकर पहले बलात्कार किया, फिर केरोसिन तेल छिड़ककर उसको आग के हवाले कर दिया। नब्बे फीसदी जल चुकी लड़की को कानपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फतेहपुर के नगर पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) कपिल देव मिश्रा ने बताया कि हुसेनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार दोपहर 18 साल की लड़की अपने घर में अकेली थी। परिवार के अन्य सदस्य खेतों में काम कर रहे थे। उसी समय उसके रिश्ते के 22 वर्षीय चाचा ने घर में घुसकर लड़की से बलात्कार किया और लड़की के शिकायत करने की बात पर नाराज होकर उसके ऊपर केरोसिन का तेल छिड़क कर आग लगा दी। मिश्रा ने बताया कि आग की लपटों से घिरी लड़की की चीख सुनकर गांव वालों ने किसी तरह आग बुझाई और पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि लड़की नब्बे फीसदी जल चुकी है। पहले उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। (शेष पेज 9)

24 घंटे में परिवार खत्म: पति के बाद मासूम बेटी संग पत्नी ने भी दी जान

- परिवार में नहीं था कोई विवाद, आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे भरत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भरत जे | शिवरंजनी | जयश्री

नोएडा में रहने वाले और दिल्ली की एक कंपनी में जनरल मैनेजर भरत जे. ने मेट्रो के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। उसके बाद उनकी पत्नी ने बेटी को मारने के बाद खुद को फांसी लगा ली। मृत मैनेजर के भाई कार्तिक जे. ने बताया कि उनके भाई के परिवार में किसी प्रकार कोई विवाद नहीं था। लेकिन भरत आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे, जिसके चलते वह तनाव में थे। पुलिस आत्महत्या की वजह की जांच कर रही है। भरत जे पहले काठमांडू में काम करते थे और इसके बाद नोएडा आ गए थे। क्षेत्राधिकारी श्वेताभ पांडे ने बताया कि महिला आरएमएल अस्पताल में अपने पति के शव की पहचान करने गई थी। घर लौटने के बाद उसने अपनी बेटी को एक कमरे में बंद कर दिया। देर रात उसने अपनी बेटी के साथ पंखे से लटककर जान दे दी। एसएचओ ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह लग रहा है कि शिवरंजनी ने पहले अपनी बेटी को पंखे से लटका कर मार दिया और फिर दूसरे कमरे में जाकर पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली।

कोतवाली एक्सप्रेसवे थाना प्रभारी भुनवेश कुमार ने बताया कि मूल रूप से चेन्नई के रहने वाले 31 वर्षीय भरत जे. दिल्ली स्थित गोल्डन टिप्स चाय कंपनी में जनरल मैनेजर थे। वह पहले काठमांडू में एक कंपनी में काम करते थे। सितंबर 2019 में वह भारत आए थे। नोएडा के सेक्टर 128 की जेबी पवेलियन सोसाइटी में पत्नी शिवरंजनी, पांच साल की बेटी जयश्री और भाई कार्तिक के साथ रह रहे थे। शिवरंजनी (शेष पेज 9)

मदर डेयरी ने तीन, अमूल ने दो रुपये महंगा किया दूध

- आज से लागू हो जाएंगी नई दरें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मदर डेयरी और अमूल का दूध रविवार से महंगा हो जाएगा। मदर डेयरी ने अपने विभिन्न किस्म के दूध में तीन रुपए किलो तक और अमूल ने अपने दूध के दाम दो रुपए किलो बढ़ाने की शनिवार को घोषणा की। मदर डेयरी और अमूल ने अलग-अलग बयान में बताया कि रविवार (15 दिसंबर) से दूध की नई दरें लागू हो जाएंगी।

मदर डेयरी ने टोकन तथा थैली वाले दूध की कीमतें दो से तीन रुपए प्रति लीटर तक बढ़ाने की घोषणा की है। वहीं , अमूल ब्रांड नाम से डेयरी उत्पाद बेचने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने कहा, 'उसने गुजरात के अहमदाबाद तथा सौराष्ट्र, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिम बंगाल, मुंबई एवं महाराष्ट्र में दूध के दाम में दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि का फैसला किया है।' जीसीएमएमएफ देशभर में प्रतिदिन 1.4 करोड़ लीटर दूध की आपूर्ति (शेष पेज 9)

अनियमितताओं के मामले में लीला सैमसन के खिलाफ मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीबीआई ने चेन्नई स्थित कलाक्षेत्र फाउंडेशन के कुथम्बलम सभागार के पुनरुद्धार की 7.02 करोड़ रुपए की परियोजना में कथित अनियमितताओं के मामले में प्रख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना और संगीत नाटक अकादमी की पूर्व प्रमुख लीला सैमसन के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पद्मश्री से सम्मानित और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष सैमसन के अलावा फाउंडेशन के तत्कालीन मुख्य लेखा अधिकारी टीएस मूर्ति, लेखा अधिकारी एस. रामचंद्रन, इंजीनियरिंग अधिकारी वी. श्रीनिवासन और सीएआरडी के मालिक और चेन्नई के इंजीनियरों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई ने आरोपियों के आवासीय परिसरों पर भी छापेमारी की। उन्होंने बताया कि संस्कृति मंत्रालय के मुख्य सतर्कता अधिकारी ने अपनी शिकायत (शेष पेज 9)

गंगा के शीघ्र निर्मल-अविरल होने की जगी उम्मीद

प्रधानमंत्री ने कानपुर में नाव पर बैठकर गंगा की सफाई का लिया जायजा, नमामि गंगे परियोजना पर किया मंथन, दिए आवश्यक निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। कानपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक में नमामि गंगे परियोजना पर मंथन किया। उन्होंने राष्ट्रीय कायाकल्प, संरक्षण और प्रबंधन की बैठक की अध्यक्षता की। करीब दो घंटे तक चली बैठक में नमामि गंगे के अगले चरण और नए एक्शन प्लान को लेकर विमर्श के साथ ही कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इससे गंगा के शीघ्र स्वच्छ होने की आशा जगी है। बैठक के बाद मोदी ने अटल घाट पहुंचकर स्टीमर के जरिए गंगा की सफाई का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री अटल घाट पहुंचे और मां गंगा को नमन किया। इसके बाद बोट में सवार होकर गंगा में यात्रा शुरू करके अविरलता और निर्मलता का जायजा लिया। गंगा बैराज की सीढ़ियों पर चढ़ते समय प्रधानमंत्री मोदी अचानक फिसल गए। हालांकि उन्हें कोई चोट नहीं आई। गंगा परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भी हिस्सा लिया।

इस दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी भी मौजूद रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष विमान से शनिवार सुबह कानपुर के चकेरी हवाई अड्डे पर उतरे, जहां पर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों तथा केंद्रीय मंत्रियों ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक में मोदी ने कानपुर शहर में नमामि गंगे की परियोजनाओं का हाल और उसमें गिर रहे नालों का जायजा लिया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में गंगा स्वच्छता का सांस्कृतिक यज्ञ चल रहा है। आज राष्ट्रीय गंगा परिषद आगे की नीति-रणनीति पर विचार कर रही है। उन्होंने दूसरे ट्वीट में कहा कि वह दिन अब दूर नहीं कि जब गंगोत्री से बंगाल की खाड़ी तक, हर जगह माँ गंगा निर्मल, अविरल, निर्झर होंगी। काशी हो, प्रयाग हो या कानपुर हर कहीं गंगाजल आचमन योग्य होगा। नमामि गंगे परियोजना के माध्यम से हर भारतीय का यह स्वप्न पूरा होगा।

प्रधानमंत्री चकेरी हवाई अड्डे पर उतरने के बाद हेलीकॉप्टर से चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे। बैठक में पांच राज्यों उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में गंगा की स्थिति को लेकर मंथन किया गया। प्रधानमंत्री ने इन प्रदेशों में गंगा को निर्मल और अविरल बनाने के लिए अभी तक जो भी कार्य हुए हैं, उनकी समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने स्वच्छता, (शेष पेज 9)

कानपुर में गंगा सफाई का नाव पर बैठकर निरीक्षण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। साथ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

स्वच्छता सर्वेक्षण में नोएडा को अव्वल लाना लक्ष्य

कार्यशाला में जुटे 250 गांवों के प्रतिनिधि, बताया कूड़ा निस्तारण के तरीके

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 में नोएडा को नंबर-1 बनाना एकमात्र लक्ष्य है। स्वच्छ शहर से स्वच्छ समाज और इससे स्वच्छ देश की स्थापना होगी। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। शनिवार को नोएडा प्राधिकरण द्वारा ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता के संदेश को बढ़ावा देने के लिए नोएडा ग्राम स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र मे किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने की। इसमें अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी व विशेषाकार्यधिकारी के साथ जन स्वास्थ्य से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया।

स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यशाला के दौरान कम्पोस्ट किट बांटतीं सीईओ रितु माहेश्वरी।

कार्यशाला में 67 गांवों के 250 ग्रामीण प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। इसमें कचरे का पृथक्करण, एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग रोकना, घरेलू खतरनाक अपशिष्ट, घर पर खाद बनाना, आसपास की सफाई और स्वच्छता, स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित अन्य पहलू के बारे में बताया गया।

वहीं ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह और अविनाश त्रिपाठी ने ग्रामीणों को गीले और सूखे कचरे के बारे में जानकारी दी कि किस तरीके से कूड़े को अलग-अलग रखें ताकि कचरे का निस्तारण आसानी से किया जा सके। वहीं स्वीपिंग के बारे में बताया गया कि अधिग्रहित कंपनी के द्वारा गांव में भी लगातार साफ-सफाई अभियान चलाया जा रहा है, ऐसे में यदि किसी को शिकायत हो तो वह प्राधिकरण में शिकायत कर सकता है।

इस मौके पर घरेलू अपशिष्ट से खाद बनाने के तरीके भी बताए गए। वहीं, दूसरी तरफ सेक्टरों से जुड़े गांवों पर विशेष कार्य करने की बात कही गई। कई बार आरोप-प्रत्यारोप के चक्कर में गंदगी को बढ़ावा मिलता है। इसकी जगह अगर सभी शहरवासी और गांववासी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाहन सही से करें तो पूरे शहर की तस्वीर बदली जा सकती है।

बतातें चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी ने सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने पर जोर दिया है। प्राधिकरण सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें सफाईगिरी, सेक्टरों में गीला-सूखा कचरा अलग करने के कार्यक्रम और गांव में विशेष अभियान चला रहा है।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

नोएडा। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के ईटीटी टॉवर के पास शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, थाना फेस 3 क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक अन्य सड़क हादसे में निठारी गांव के पास शनिवार सुबह दो व्यक्ति घायल हो गए।

नगर पुलिस अधीक्षक अंकुर गर्ग ने बताया कि थाना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र के ईटीटी टॉवर के पास बीती रात एक वाहन ने एक अज्ञात व्यक्ति को कुचल दिया। गंभीर हालत में उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि पुलिस शव की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। गर्ग ने बताया कि एक अन्य सड़क हादसे में थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर 71 के पास शुक्रवार को सेक्टर 22 निवासी कमला नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

बीच सड़क पर शिक्षक को लोहे की रॉड से पीटा

घटना के 36 घंटे बीतने के बाद भी आरोपी पुलिस पकड़ से बाहर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राजेंद्र नगर में एक शिक्षक के साथ सरेआम दबंगों द्वारा मारपीट करने के मामले में पुलिस 36 घंटे बीत जाने के बाद भी किसी को गिरफ्तारी नहीं कर सकी है। इस घटना को लेकर लोगों में दहशत है। मुख्य आरोपी पुलिस का इंसपेक्टर बताया जाता है।

गौरतलब है कि दिल्ली के एक निजी संस्थान में सहायक प्रोफेसर त्रिलोक प्रताप सिंह राज नगर सेक्टर 2 में रहते हैं। वे अपनी कार से शुक्रवार सुबह कालेज जा रहे थे। उन्हें सामने सड़क घेरकर अपनी कार की सफाई करने वाले से रास्ता मांगना भारी पड़ गया। अपने आप को इस्पेक्टर बताने वाले राजेश कसाना नाम व्यक्ति ने अपने भाइयों और साथियों के साथ शिक्षक की लोहे की राड, पाइप और बेल्ट से पिटाई कर दी। इससे शिक्षक बुरी तरह लहूलुहान हो गए। इस दौरान आरोपियों ने उनकी कार को

घायल प्रोफेशर त्रिशांत प्रताप सिंह

भी क्षतिग्रस्त कर दिया था।

पुलिस इंस्पेक्टर पर यह भी आरोप है कि उसने अपनी पिस्टल हाथ में लेकर उनको मुठभेड़ में मारने की भी धमकी दी। इसके बाद घटना की सूचना शिक्षक द्वारा पुलिस नियंत्रण कक्ष को दी गई। वहां पुलिस के आने से पहले ही आरोपी भाग गए थे। घटनास्थल पर पुलिस को एक लोहे का पाइप मिली

● रास्ता घेरकर गाड़ी साफ कर रहा था आरोपी

है जिसपर शिक्षक के खून के धब्बे लगे हैं। थाना साहिबाबाद में इस मामले में राजेश कसाना सहित 4-5 अन्य साथियों के खिलाफ बलवा करने, गाली गलौज करने, मारपीट करने तथा कार को क्षति पहुंचाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। घटना को 36 घंटे के बाद थाना साहिबाबाद पुलिस एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

इस संबंध में कविनगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार शाही ने बताया कि उन्होंने शिक्षक की ओर से एक रिपोर्ट राजेश कसाना और उसके साथियों के खिलाफ दर्ज की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि राजेश कसाना शायद एक्साइज विभाग में इंस्पेक्टर है। उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

पेट्रोल पंपकर्मी को दबंग ने कार से रौंदा, फरार

हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों को काटना पड़ा पीड़ित का एक पैर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कविनगर थाना क्षेत्र की महागुणपुरम कॉलोनी स्थित एक पेट्रोल पंप पर सफारी कार सवार दबंग ने मुफ्त में पेट्रोल नहीं देने पर सेल्समैन को रौंद दिया है। सेल्समैन को रौंदने के बाद दबंग कार लेकर मौके से फरार हो गया। इस घटना में सेल्समैन बुरी तरह घायल हो गया। इसके बाद आनन-फानन में मौके पर मौजूद अन्य सहकर्मियों ने पीड़ित को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पीड़ित की हालत बिगड़ते देख उसे दिल्ली एम्स के लिए रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान सेल्समैन का घुटने से नीचे का पैर काटना पड़ा है। फिलहाल पेट्रोल पंप के मैनेजर ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

थाना कविनगर क्षेत्र में महरौली गांव के सामने महागुणपुरम स्थित रुकमणी सर्विस स्टेशन पर तैनात मैनेजर सलीम ने बताया कि वह पिछले काफी समय से इस पेट्रोल पंप मैनेजर है। गढ़मुक्तेश्वर के शेखपुर गांव का रहने वाला संजय शर्मा पेट्रोल पंप पर सेल्समैन की नौकरी करता है। उन्होंने बताया कि 11 दिसंबर की शाम करीब 7 बजे संजय मशीन के पास फाउंडेशन पर बैठा था। तभी अचानक तेज रफ्तार एक सफारी कार आई और संजय को रौंदती हुई निकल गई। इस दौरान संजय बुरी तरह घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने कार का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन कार चालक मौके से फरार हो गया। हालांकि कार चालक की पहचान कर ली गई। आनन-फानन में घायल को लहूलुहान हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत बिगड़ते देख दिल्ली एम्स के लिए रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान चिकित्सकों को संजय शर्मा का घुटने से नीचे का पैर काटना पड़ा है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बनी हुई है।

थाना प्रभारी मोहम्मद असलम ने बताया कि रुकमणी सर्विस स्टेशन के मैनेजर ने एक तहरीर दी है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लेखपालों की हड़ताल को किया गैर कानूनी घोषित

गाजियाबाद। वेतन विसंगतियों को लेकर लेखपालों की चल रही हड़ताल को जिला प्रशासन ने अवैध घोषित कर दिया। प्रशासन का कहना है कि यदि यह हड़ताल जारी रही तो किसी भी लेखपाल का वेतन जारी नहीं किया जाएगा तथा यदि कोई हिंसक कार्यवाही में भाग लिया तो उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के इस फरमान के बाद लेखपालों में हड़कंप है।

उधर, लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ ने कहा है कि उनकी हड़ताल जारी रहेगी और हम जिला प्रशासन के किसी भी प्रमाण को मानने को बाध्य नहीं है। संघ के इस बयान के बाद जिला प्रशासन एवं लेखपालों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है।

जीडीए वीसी के आश्वासन के बाद व्यापारियों का अनशन खत्म

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● दुकान की सीलिंग से आहत थे कारोबारी

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष के आश्वासन के बाद उद्योग व्यापार मंडल का शास्त्रीनगर में पिछले कई दिनों से चल रहा अनशन शनिवार को समाप्त हो गया। व्यापारी जीडीए द्वारा की गई दुकानों की सीलिंग के खिलाफ अनशन पर बैठे थे। जिला उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष रामकिशोर अग्रवाल ने व्यापारियों को जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया ।

युवा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष धनेश सिंघल ने बताया कि दुकानों की सीलिंग के खिलाफ पिछले कई दिनों से हड़ताल पर थे। शुक्रवार को व्यापारी जीडीए वीसी से मिले थे जहां उन्हें वीसी ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही दुकानों की सील खोल दी जाएगी। इसी सिलसिले में शनिवार को उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष व प्रदेश के पूर्व राज्यमंत्री रामकिशोर अग्रवाल ने वीसी द्वारा दिए गए आश्वासन के बारे में अनशनकारी व्यापारियों को जानकारी दी जिसके बाद व्यापारियों ने धरना समाप्त कर दिया।

इस मौके पर शास्त्री नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष कुंवर पाल सिंह चौधरी, महानगर उद्योग व्यापार मंडल के बृज मोहन सिंघल, अध्यक्ष गोपीचंद, महामंत्री अशोक चावला,

अनशन समाप्त करने के बाद मीटिंग करते व्यापारी

प्रदेश युवा व्यापार मंडल के महामंत्री राज देव त्यागी ने व्यापारियों को संबोधित किया। चौधरी कुंवर पाल सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।

संक्षिप्त समाचार

शिविर में बच्चों को आत्मरक्षा के गुर सिखाते संस्था के पदाधिकारी।

बेटियों को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

नोएडा। नव ऊर्जा युवा संस्था द्वारा शनिवार को सेक्टर 35 के मोरना गांव स्थित हर्ष मॉडर्न पब्लिक स्कूल में महिलाओं के लिए आत्मरक्षा पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें संस्था की टीम ने विभिन्न परिस्थितियों में हमलावरों से बचाव के तरीके बताए। कार्यक्रम में उपस्थित एसएचओ ग्रेटर नोएडा प्रभात कुमार ने कहा कि चुप्पी तोड़ो के भाव को बदलने की आवश्यकता है। यह बालिकाओं, युवतियों एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तक सीमित नहीं रह गया है। अब इस पर खुल कर चर्चा करने की आवश्यकता है। उन्होंने महिला अपराध से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में बताया। महिला सुरक्षा के लिए चलाई जा रही विभिन्न सेवाओं जैसे यूपी 112, वूमेन पॉवर लाइन-1090, एंटी रोमियो स्क्वॉयड आदि के बारे में उपस्थित महिलाओं-युवतियों को जानकारी दी।

यातायात पुलिसकर्मियों को मास्क बांटते क्लब के सदस्य।

यातायात पुलिसकर्मियों को बांटे मास्क

गाजियाबाद। इंदिरापुरम क्षेत्र में लायंस क्लब अर्पण गाजियाबाद संस्था द्वारा यातायात पुलिसकर्मियों को उच्च क्वालिटी के मास्क का वितरण किया गया। यह हाई क्वालिटी मास्क उन्हें प्रदूषण से बचाने के लिए दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार लायंस क्लब गाजियाबाद की लायंस क्लब की अरपन संस्था की ओर से संस्था के पदाधिकारी आलोक कुमार और उनकी टीम ने प्रदूषण से बचाने के लिए यातायात पुलिसकर्मियों को हाई क्वालिटी के मास्क वितरित किए। यह मास्क हनी वेल कंपनी के हैं जो क्वालिटी के हिसाब से अच्छे माने जाते हैं। आलोक कुमार ने बताया कि आमजन के भलाई के लिए पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य ठीक रहना बहुत जरूरी है और खासतौर से उन लोगों का जो यातायात को नियंत्रण करते हैं। इसी बात को ध्यान में रखकर उनकी संस्था की ओर से सभी यातायात पुलिसकर्मियों को प्रदूषण से बचाने के लिए मास्क वितरित किए हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर मिला शव

नोएडा। थाना इकोटेक- प्रथम क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस- वे पर शनिवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है। पुलिस को शक है कि व्यक्ति की हत्या कर शव को यहां पर फेंका गया है। सहायक पुलिस अधीक्षक (ग्रेटर नोएडा) श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बताया कि थाना इकोटेक- प्रथम पुलिस को सूचना मिली कि यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक अज्ञात व्यक्ति का हाथ बंधा हुआ शव पड़ा है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गाजियाबाद में बनेगा 'नशा नाश' शेल्टर होम

गाजियाबाद। जनपद में नशे की लत के शिकार युवाओं के इलाज के लिए जिला प्रशासन 'नशा नाश' शेल्टर होम की स्थापना करने जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने प्रदेश सरकार को एक प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया है।

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि कुछ परिवार नशे के आदी अपने बच्चों से परेशान हैं और उन्हें घर से बाहर निकाल देते हैं। ऐसी स्थिति में ऐसे बच्चों को प्रेम और छाती से लगाने की जरूरत होती है। डीएम ने बताया कि कुछ बच्चे लावारिस भी होते हैं। इस कारण नशे की पूर्ति के लिए अपराधिक गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं।

कार्रवाई के दौरान अवैध फैक्ट्री सील करते अधिकारी।

कार्रवाई में जींस रंगाई की सोलह अवैध फैक्ट्रियां सील

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

ट्रांस हिंडन क्षेत्र में उत्तर प्रदेश नियंत्रण बोर्ड के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत के कारण अवैध रूप चल रही जींस रंगाई की फैक्ट्रियों को सील किया गया। नगर निगम, विद्युत विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारियों के साथ यह संयुक्त कार्रवाई की गई।

सूत्रों का कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सक्रिय रहता तो अवैध रूप से इतने बड़े पैमाने पर फैक्ट्री नहीं चलती। अपर नगर मजिस्ट्रेट देवेंद्र पाल सिंह ने बताया कि इन सभी फैक्ट्रियों को सील कर दिया गया है। यही नहीं विद्युत विभाग ने इन सभी फैक्ट्रियों के कनेक्शन भी काट दिए हैं।

उन्होंने बताया इन फैक्ट्री मालिकों के पास फैक्ट्री चलाने का ना तो लाइसेंस था और ना ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी जारी की गई थी। जब इन लोगों से अधिकारियों ने एनओसी के कागजात मांगे तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। सिंह ने बताया कि इतने बड़े पैमाने पर यह फैक्ट्रियां अब तक कैसे चल रही थी इस संबंध में जांच-पड़ताल की जा रही है।

अपहरण कर युवती को बंधक बनाकर किया रेप

नोएडा। एक युवक ने एक युवती का दिल्ली से कथित रूप से अपहरण करने के बाद उसे 20 दिन तक बंधक बनाकर रखा और उसका कथित बलात्कार किया।

पुलिस उपाधीक्षक (नगर) विमल कुमार सिंह ने बताया कि उन्नाव की रहने वाली पीड़िता दिल्ली में रहती है। पीड़िता के अनुसार उसके ही गांव के रहने वाले बदन सिंह ठाकुर ने उसका अपहरण किया और 20 दिन तक उसे बंधक बनाकर रखा और उसका बलात्कार किया।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब उसने इस बात की जानकारी आरोपी के पिता और भाई को दी, तो उन्होंने उसे जान से मारने की धमकी दी।

बिल वसूलने गए अधिकारियों पर किया हमला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

घायल एसडीओ इंद्रभानू सिंह

● एसडीओ समेत दो इंजीनियर घायल, 20 ग्रामीणों पर केस दर्ज

लोनी के ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के गांव अगरौला में एकमुश्त जमा योजना (ओटीएस) के तहत बिजली बिलों की वसूली करने पहुंचे बिजली निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस हमले में एक एसडीओ व दो अवर अभियंता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के विरोध में तमाम बिजली अधिकारी व कर्मचारियों थाने पर एकत्र हो गए और प्रदर्शन किया। इस मामले में 20 ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है ।

ग्रामीणों के हमले में एसडीओ इंद्रभानू सिंह, अवर अभियंता दीपेश शर्मा व रणजीत शर्मा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एसडीओ ने बताया कि हिंसक भीड़ के पास अवैध तमंचा और लाठी-डंडे भी थे । उन्होंने बताया कि अगरौला गांव में शनिवार को एक मुश्त योजना के तहत निगम द्वारा कैम्प लगाया हुआ था इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और कहने लगे कि यहां क्यों आए हैं यहां कोई भुगतान नहीं होगा। एसडीओ ने बताया कि जब उन्होंने समझाने की कोशिश की गई तो वे लोग आपे से बाहर हो गए और उन पर हमला कर दिया। विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि यदि हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

मुसीबत में फंसी मां-बेटी को पीआरवी ने घर तक पहुंचाया

गाजियाबाद। पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने मुसीबत में फंसी महिला व उसकी बच्ची को सुरक्षित उनके घर तक एस्कॉर्ट कर पहुंचाया। पुलिस ने इस घटना को ट्वीट भी किया है।

बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे हापुड़ रोड पर एक महिला की कार पंचर हो गई थी। उनके साथ उनकी बेटी और छोटी बहन भी थी। महिला काफी घबराई हुई थी जिसमें उसने 112 नंबर पर कॉल कर मदद मांगी। उसने कहा कि उनकी कार खराब हो गई है।

पुरानी सब्जी मंडी स्थित एक मिठाई की दुकान पर जांच करते स्वास्थ्य अधिकारी।

स्ट्रेस फंड से पूरी होंगी बिल्डरों की अधूरी पड़ी परियोजनाएं

बैठक के दौरान मौजूद रहे तीनों प्राधिकरणों के मुख्यकार्यपालक अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेनो प्राधिकरण सभागार में आयोजित बैठक में मौजूद तीनों सीईओ व अधिकारी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक प्राधिकरण क्षेत्र में बिल्डरों के अधूरे प्रोजेक्ट को पूरा करने के मुद्दे पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सभागार में महत्वपूर्ण बैठक हुई।

प्रदेश के औद्योगिक विकास आयुक्त व तीनों प्राधिकरण के चेयरमैन आलोक टंडन की अध्यक्षता में हुई बैठक में सुप्रीम कोर्ट के आदेश व एनसीआर क्षेत्र के औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में ग्रुप हाउसिंग बिल्डर स्कीम में बिल्डरों द्वारा फ्लैट एवं भूखण्ड आवंटियों को कब्जा प्रदान न किये जाने के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर गहनता से विचार-विमर्श किया गया। बिल्डरों के अधूरे प्रोजेक्ट केंद्र सरकार के 25000 करोड़ रुपये के स्ट्रेस फंड से पूरे होंगे। प्रथम चरण में 10 से 12 प्रोजेक्ट को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किया जाएगा। अभी तक 10 बिल्डरों ने स्ट्रेस फंड के लिए आवेदन किया है।

आलोक टंडन ने बताया कि केंद्र द्वारा सेटल्ड रियल इस्टेट प्रोजेक्ट के वित्त पोषण के लिए 25000 करोड़ रुपये के फंड की स्थापना की गई है। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा भी अधूरे प्रोजेक्ट को पूर्ण कराये जाने एवं खरीदारों को राहत पहुंचाने के लिए भी नीति बनाई गई है, ताकि अधूरे प्रोजेक्ट्स को शीघ्र पूर्ण करते हुए फ्लैट खरीदारों को कब्जा दिलाया जा सके। डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स के निदेशक पवन कुमार ने केंद्र सरकार द्वारा जारी स्ट्रेस फंड तथा एसबीआई कैप्स के संबंध में विस्तार से बताया। एसबीआई कैप्स के एमडी संजीव चड्ढा ने बताया कि केंद्र ने स्ट्रेस फंड के लिए एसबीआई कैप्स को नोडल एजेंसी नियुक्त किया है। स्ट्रेस फंड का लाभ प्राप्त करने के लिए बिल्डर्स व डेवलपर्स को आवेदन करना होगा।

इस दौरान ग्रेनो प्राधिकरण सीईओ नरेंद्र भूषण, नोएडा प्राधिकरण सीईओ, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के संयुक्त सचिव मदनेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पॉलीथिन का प्रयोग करना पड़ा महंगा, वसूला एक लाख जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● शहर के पुरानी सब्जी मंडी में चलाया अभियान

पॉलीथीन प्रयोग पर गाजियाबाद नगर निगम का अभियान और तेजी के साथ शुरू हो गया है। शनिवार को शहर के सबसे व्यस्ततम इलाके पुराना बस स्टैंड सब्जी मंडी में निगम टीम ने एक दुकान से काफी मात्रा में पॉलिथीन की थैलियां जब्त कीं और जुर्माना भी लगाया।

निगम का दस्ता शनिवार को नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एमके सिंह के नेतृत्व में सब्जी मंडी पहुंचा और पॉलीथिन के खिलाफ अभियान चलाया। यहां रवि मिष्ठान भंडार पर छापा मारने पर काफी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलीथिन बरामद हुई जिसके बाद दुकान के संचालक पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा मंडी में सब्जी बेचने वालों से भी काफी मात्रा में पॉलिथीन बैग जब्त किए गए और उनसे 25 हजार का जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान निगम दस्ते ने अन्य विक्रेताओं से कुल एक लाख का जुर्माना वसूला।

स्वास्थ्य अधिकारी एम के सिंह ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे पॉलिथीन में सामान ना खरीदें और खरीदारी के समय कपड़े के थैले का प्रयोग करें।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इम्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

नागरिकता कानून के खिलाफ जंतर-मंतर पर जमावड़ा

नई दिल्ली में शनिवार को जंतर-मंतर पर सैकड़ों लोगों ने नागरिकता (संशोधन) कानून के खिलाफ प्रदर्शन किया। समाज के विभिन्न तबकों के लोग नए कानून का विरोध कर रहे लोगों के समर्थन में जंतर मंतर पर जमा हुए। नए कानून के तहत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के जो सदस्य धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर 2014 तक भारत आ गए हैं, उन्हें अवैध प्रवासी नहीं समझा जाएगा और भारत की नागरिकता दी जाएगी। इससे पहले शुक्रवार को दिल्ली के जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस कानून के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस से हुई झड़प में कई छात्र और पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इस प्रदर्शन को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने संस्थान में पांच जनवरी तक छुट्टी का ऐलान कर दिया है।

ऐहतियातन बंद किए गया जनपथ मेट्रो स्टेशन

नई दिल्ली। कानून के खिलाफ यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के मद्देनजर शनिवार को जनपथ मेट्रो स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वारों को करीब दो घंटे तक बंद रखने के बाद खोल दिया गया। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने पुलिस की सलाह पर इस स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वारों को बंद कर दिया था।

डीएमआरसी ने ट्वीट किया, सभी स्टेशनों पर प्रवेश और निकास द्वार खोल दिए गए हैं। सभी स्टेशनों पर सामान्य सेवाएं बहाल हो गई हैं। शुक्रवार को भी पटेल चौक और जनपथ मेट्रो स्टेशनों को नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन के मद्देनजर एक घंटे के लिए बंद कर दिया गया था।

एनसीबी ने इंटरनेशनल गैंग पर कसा शिकंजा, 1300 करोड़ रु की ड्रग जब्त

- राजधानी में पकड़ी गई अब तक की सबसे बड़ी खेप, 9 गिरफ्तार

दिल्ली, गाजियाबाद, पंजाब, उत्तराखंड समेत कई देशों से ड्रग सिंडीकेट के जुड़े थे तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एनसीबी ने नौ लोगों की गिरफ्तारी और लगभग 1,300 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थों की जब्ती के साथ मादक द्रव्यों के एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मादक पदार्थ रोधी एजेंसी ने कहा कि उसने शुक्रवार को दिल्ली, पंजाब, उत्तराखंड, महाराष्ट्र में फैले मादक पदार्थ गिरोह से 20 किलोग्राम कोकीन जब्त किया, जिसके तार ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, इंडोनेशिया, श्रीलंका, कोलंबिया, मलेशिया और नाइजीरिया से जुड़े हैं। प्रारंभिक सूचनाओं को साझा करते हुए, अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई में पांच भारतीय, एक अमेरिकी, एक इंडोनेशियाई और दो नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। भारत में जब्त नशीले पदार्थ का अंतरराष्ट्रीय मूल्य 100 करोड़ रुपए है। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत 55 किलोग्राम कोकीन और 200 किलोग्राम मेथामफेटामाइन ऑस्ट्रेलिया में जब्त किया गया।

एनसीबी की महा उपनिदेशक उत्तरी क्षेत्र एसके झा ने बताया कि शुक्रवार को बताया कि दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पंजाब, उत्तराखंड, महाराष्ट्र तथा इनके वैश्विक सपर्क आस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, श्रीलंका, कोलंबिया, मलेशिया और नाइजीरिया से जुड़े ड्रग सिंडीकेट से 20 किलोग्राम कोकीन बरामद किया गया।

झा ने बताया कि 55 किलो कोकीन तथा आस्ट्रेलिया से जब्त 200 किलो मेथामफेटामाइन भी इसी ऑपरेशन का हिस्सा था। भारत में जब्त ड्रग की कीमत 100 करोड़ तथा सिंडीकेट जब्त कुल नशीले पदार्थों की कीमत 1,300 करोड़ रुपये है।

आरोपियों की पहचान अक्षइंदर सिंह सोढ़ी तथा योगेश कुमार दुहन, दोनों पंजाब के जालंधर निवासी, ओजोबे किंग्सले तथा ओबीओरा टोनी ओकीके, दोनों नाइजीरिया निवासी, रिचार्ड बाल्टर फारनियर, अमेरिकी नागरिक, आर सिंह, गाजियाबाद निवासी, सैमी रुद्रपुर उत्तराखंड निवासी, वो छाबड़ा, हल्द्वानी, उत्तराखंड निवासी तथा एम रेनहार्ट, इंडोनेशियाई नागरिक के रूप में की गई।

झा ने बताया कि आरोपी अक्षइंदर सिंह ने अपने साथी योगेश के साथ कनाडा और भारत से आस्ट्रेलिया नशीले पदार्थों की सप्लाई करता था। झा ने बताया कि इसके बाद सूचना के आधार पर आस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने वहां पर भारत से भेजी गई 55 किलो कोकीन बरामद की। एनसीबी टीम ने गाजियाबाद में छापा मारकर आर सिंह के पास से 10 किलो कोकीन बरामद की। सैमी और वी छाबड़ा को उत्तराखंड तथा इंडोनेशियाई निवासी एम रेनहार्ट को वसंत कुंज से पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 ग्राम कोकीन बरामद की गई।

70 विस में बाइक रैली निकालेगी भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रामलीला मैदान में आगामी 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धन्यवाद रैली की तैयारी को लेकर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि 14-15 दिसंबर को दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ता हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे।

वहीं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद करने के लिए 11 लाख हस्ताक्षर के लक्ष्य के साथ ये अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के हस्ताक्षर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 17 दिसंबर को रामलीला मैदान में भूमि पूजन किया जाएगा और 17 दिसंबर को ही दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता 70 विधानसभाओं में 70 मोटरसाइकिल रैली का आयोजन करेंगे।

इन रैलियों मे भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले लोग भी भाग लेंगे। तिवारी ने कहा कि अनधिकृत कॉलोनियों में नरक के समान जीवन जी रहे लोगों पर तप्पा लगा हुआ था अब पीएम मोदी ने 40 लाख लोगों को मालिकाना हक देकर खुशियों की चाबी सौंपी हैं। इस लिए लोगों को जमीन का रजिस्ट्रेशन कराने में कोई असुविधा नहीं होगी।

अवैध कॉलोनियों में अधिग्रहण कार्यवाही वापस लेने का आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उप राज्यपाल अनिल बैजल

दिल्ली के उप राज्यपाल अनिल बैजल ने शनिवार को कहा कि उन्होंने 1,731 अनधिकृत कालोनियों की परिसीमित सीमाओं के भीतर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही वापस लेने के निर्देश जारी किए हैं।

बैजल ने ट्विटर पर कहा कि इन कॉलोनियों के निवासियों को मालिकाना हक देने के लिए यह एक बड़ा कदम है। इस कदम से पीएम-यूडीएवाई (दिल्ली अनधिकृत कॉलोनियों में दिल्ली आवास योजना) के सुचारू क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त होगा।

उप राज्यपाल ने ट्वीट किया, 1,731 अनधिकृत कालोनियों की परिसीमित सीमाओं के भीतर भूमि अधिग्रहण संबंध में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही को वापस लेने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

मालीवाल ने पीएम से की दिशा विधेयक लागू करने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग प्रमुख स्वाति मालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पूरे देश में दिशा विधेयक तत्काल लागू करने की मांग की जिसमें महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों को 21 दिन के भीतर निस्तारित करने और मौत की सजा का प्रावधान है।

दिल्ली महिला आयोग प्रमुख ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्र सरकार के अभी तक के उदासीन रवैया पर दुख जताया। मालीवाल बलात्कारियों को फांसी की सजा की मांग को लेकर पिछले 10 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा कि दिशा विधेयक के पूरे देश में लागू होने तक वह अपना अनशन समाप्त नहीं करेंगी। शुक्रवार को आंध्र प्रदेश विधानसभा ने विधेयक को पारित कर दिया।प्रस्तावित नए कानून को उस पशुचिकित्सक को श्रद्धांजलि के तौर पर आंध्र प्रदेश दिशा एक्ट क्रिमिनल लॉ एक्ट, 2019 नाम दिया गया है जिसकी हाल में तेलंगाना में बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी।

जेएनयू के वीसी का दावा, हुआ हमले का प्रयास

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति एम जगदीश कुमार ने दावा किया कि 15 से 20 छात्रों ने उन पर परिसर में हमला करने का प्रयास किया लेकिन विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मचारियों ने उन्हें बचा लिया। कुमार ने बताया, मैं यह देखने गए थे कि परीक्षाएं कैसे चल रही हैं। इस दौरान हमला हुआ।

वायु गुणवत्ता बेहतर होकर मध्यम श्रेणी में पहुंची

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को वायु गुणवत्ता काफी बेहतर होकर बेहद खराब से मध्यम श्रेणी में पहुंच गई।

वायु गुणवत्ता सूचकांक शनिवार सुबह नौ बजकर 45 मिनट पर 179 रहा जबकि शुक्रवार सुबह यह 316 रहा था। एक्यूआई गाजियाबाद में 264, ग्रेटर नोएडा में 241, नोएडा में 254 और गुड़गांव में 165 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता सूचकांक 0-50 श्रेणी में खराब , 51-100 में संतोषजनक , 101-300 में मध्यम , 201-300 में खराब , 301-400 में बेहद खराब और 401-500 में गंभीर माना जाता है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर पांच करोड़ की ठगी, दो लोग गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शेयर बाजार में ऑनलाइन पैसा लगाने और दोगुना मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले एक गैंग का दिल्ली पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पता चला है कि इन लोगों ने करीब सौ लोगों को ठगा है। वहीं पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने पिछले दो साल में पांच करोड़ रुपये तक ही ठगी की है।

नोएडा के सेक्टर 62 में आरोपियों ने एक दफ्तर बनाया हुआ था और दिल्ली के कई बैंकों में इनके खाते थे। आरोपियों की पहचान विजय और अब्बुलातिफ मंसूरी के रूप में हुई है। दक्षिणी जिले में साइबल सैल के डीसीपी अतुल कुमार ठाकुर के अनुसार एक शिकायतकर्ता साजिद हुसैन ने थाना नेब सराय पुलिस में बताया कि मई 2019 को एक राही ने उनसे मोबाइल फोन पर संपर्क किया और उन्हें ऑनलाइन शेयर बाजार ट्रेडिंग कंपनी में निवेश करने की बात कही, साथ ही आश्वान दिया कि 12 से 17 प्रतिशत कमीशन मिलता रहेगा।

उन्होंने बहुत कम समय में अपना पैसा निवेश दोगुना करने का भी वादा किया। आरोपी विजय ने खुद को कंपनी का बॉस बताया । शिकायतकर्ता के मुताबिक उनके विश्वास कर ऑनलाइन शेयर मार्केट ट्रेडिंग में 22 लाख का निवेश किया।

आम लोगों के लिए खुला ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली नगर निगम ने ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए एनर्जी एफिशियंसी सर्विसज लिमिटेड (ईईएसएल) के साथ मिलकर ग्रेटर कैलाश में एन ब्लॉक मार्किट की पार्किंग में प्रथम ई-वाहन पब्लिक चार्जिंग स्टेशन जनता को समर्पित किया। इस चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन महापौर सुनीता कांगडा, स्थायी समिति अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता और निगमायुक्त ज्ञानेश भारती द्वारा किया गया।

महापौर सुनीता ने कहा कि हम राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर इस चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित कर रहे हैं। ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन लगने से लोगों को सुविधा मिलेगी। वे ई-वाहन खरीदने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

भारतेंदु नाट्य उत्सव में नाटक प्रेम कबूतर के मंचन करते कलाकार।

भारत में रंगमंच की एक लंबी सांस्कृतिक परंपरा : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के साहित्य कला परिषद द्वारा आयोजित भारतेंदु नाट्य उत्सव अभिनेता मानव कौल के नाटक प्रेम कबूतर के मंचन के साथ समारोह शनिवार को संपन्न हो गया।

पिछले चार दशकों से आयोजित किए जाने वाले इस छह दिवसीय इस महोत्सव में कुछ प्रतिष्ठित समकालीन लेखकों और निर्देशकों के साथ प्रख्यात साहित्यकारों की प्रस्तुतियों का मंच पर प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर दिल्ली के उप मुख्यमंत्री ने अपने भेजे संदेश में कहा कि भारत में रंगमंच की एक लंबी सांस्कृतिक परंपरा है और देश भर के कलाकारों के प्रदर्शनों को देखने के लिए इस तरह के समारोहों का आयोजन करना महत्वपूर्ण है।

साथ ही कहा कि प्रतिष्ठित लेखकों के कार्यों को देखते हुए कह सकता है कि देश में प्रतिभाओं का एक पूल है। उत्सव के पहले दिन, दर्शकों ने दया प्रकाश सिन्हा द्वारा लिखित नाटक सीढ़ियां को देखा।

विस चुनाव : एके की चुनावी नैया पार लगाएंगे पीके

दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए नए वर्ष की शुरुआत में होने हैं चुनाव

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को घोषणा की कि प्रशांत किशोर की राजनीतिक परामर्शदाता कंपनी आई-पैक ने उनसे हाथ मिलाया है।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, मुझे यह खबर साझा करते हुए खुशी हो रही है कि इंडियन-पैक ने हमारे साथ हाथ मिलाया है। आपका स्वागत है। इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी ने उनके ट्वीट के जवाब में कहा कि पंजाब चुनाव में आप को एक कड़े प्रतिद्वंद्वी के तौर पर देखा गया था। किशोर की चुनावी प्रचार मशीन ने पंजाब में कांग्रेस के लिए पर्दे के पीछे से काम किया था। आई-पैक ने ट्वीट किया, पंजाब (चुनाव) के नतीजों के बाद, हमने आपको अभी तक के अपने सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्वीकार किया। केजरीवाल और आप के साथ आकर खुश हैं। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए अगले वर्ष की शुरुआत में चुनाव होगा।

इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) अभी 2021 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रही है। इससे पहले आई-पैक 2014 के आम चुनाव में भाजपा और विधानसभा चुनाव के लिए जदयू नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ काम कर चुकी है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

प्रशांत किशोर

अपना वर्चस्व बचाने को लड़ाई लड़ रहे हैं विपक्षी राजनीतिक दल : मनोहर लाल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के नेहरू स्टेडियम का दौरा करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को गुरुग्राम में थे। उन्होंने सुबह यहां सिविल लाइन स्थित नेहरू स्टेडियम का दौरा करके वहां की खामियों को देखा और समझा। इसी दौरान उन्होंने कांग्रेस की दिल्ली में रैली पर मीडिया के समक्ष कटाक्ष किये।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का असली चेहरा उजागर हो चुका है। जनता ने देख लिया है कि कौन कितना हितैषी है। देश में कांग्रेस का जो हाल हुआ है, वह सबके सामने है। अब तो कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दल अपना वर्चस्व बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेस की दिल्ली रैली भी इसी का हिस्सा है। कौन सही है और कौन गलत, यह निर्णय जनता के हाथ है और वह कर रही है।

स्टेडियम का निरीक्षण करके जानी खामियां

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम के सबसे पुराने नेहरू स्टेडियम का निरीक्षण किया। स्टेडियम में हर ग्राउंड को उन्होंने बारीकी से देखा। यहां दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। जहां-जहां कमियां उन्हें मिली, या बताई गई, उन कमियों को उन्होंने दूर करने की बात कही। चाहे यहां हॉकी का एस्ट्रोटर्फ मैदान हो या फिर खिलाड़ियों के लिये अन्य सुविधायें, सभी का निरीक्षण उन्होंने किया। साथ ही मौके पर निर्देश जारी किये कि यहां मिली कमियों को बिना देरी के दूर किया जाये, ताकि खिलाड़ी यहां अच्छे से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

खिलाड़ियों का अभ्यास देख खुश हुए सीएम

गुरुग्राम के नेहरू स्टेडियम का शनिवार की सुबह दौरा करने के दौरान जिम्नास्टिक खिलाड़ी का प्रदर्शन देख ताली बजाते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने यहां खिलाड़ियों का खेल अभ्यास देखा तथा उनकी खेल प्रतिभा की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को नकद इनाम देकर पुरस्कृत किया। सबसे पहले खिलाड़ी कनिका का जिम्नास्टिक का अभ्यास देखा तथा छोटी उम्र में उसकी खेल प्रतिभा की सराहना करते उसे 5100 रुपए इनाम स्वरूप देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने इसके बाद बाक्सिंग रिंग के पास जाकर गर्ल्स खिलाड़ी मीनू व ब्वॉयज खिलाड़ी अमान का अभ्यास देखा, जिन्हें कोचिंग देने का काम खेल विभाग की बाक्सिंग कोच आलिया खान कर रही थी। इसके बाद उन्होंने रिदमिक जिमनास्ट खिलाड़ी लाइफ अधलखा की विभिन्न खेल गतिविधियां देखी तथा उसके प्रदर्शन की सराहना की। इसी तरह ताइक्वांडो बच्चों ने भी मुख्यमंत्री के सामने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने अवसर पर जिला खेल अधिकारी राज यादव से स्टेडियम में स्थित सभी खेल ग्राउंड्स की स्थिति की रिपोर्ट भी ली। मुख्यमंत्री ने यहां कई खिलाड़ियों को 2100-2100 रुपये की राशि इनाम स्वरूप भेंट की। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को 1100-1100 रुपये की राशि भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। कुछ अन्य खिलाड़ियों को 500-500 रुपये की राशि से सम्मानित किया।

नेत्र जांच शिविर में गुरुग्राम ब्लॉक दे रहा नि:शुल्क चश्मे

गुरुग्राम। डेरा सच्चा सौदा सरसा में 28वें याद-ए-मुर्शिद परमपिता शाह सतनाम जी महाराज फ्री नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर में गुरुग्राम की साध संगत भी अपना अहम योगदान दे रही है। संगत की ओर से वहां पर नि:शुल्क चश्मे वितरित किये जा रहे हैं। मानवता की सेवा को अपने गुरु द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलते हुये संगत के इस काम की सराहना भी हो रही है।

गुरुग्राम से सेवादारों का जत्था डेरा सच्चा सौदा सरसा पहुंचा हुआ है। हर कोई अपने-अपने प्रोफेशन के हिसाब से वहां पर सेवा कर रहा है। इन्हीं में से कुछ सेवादारों ने चश्मों की सेवा भी शुरू कर रखी है। वहां पर ऑपरेशन या फिर डाक्टर की सलाह

पर लोगों को निशुल्क चश्में वितरित किये जा रहे हैं। सेवादारों का कहना है कि यह सेवा गुरुग्राम ब्लॉक की ओर से की जा रही है। कैंप के दूसरे दिन तक 2500 से अधिक चश्में लोगों को वितरित किये गये थे। गुरुग्राम ब्लॉक द्वारा पहली बार यह सेवा इस शिविर में की जा रही है। इस सेवा से वहां पहुंचने वाले नेत्र रोगी और चिकित्सक व अन्य प्रबंधन सदस्य काफी खुश हैं।

निष्ठा के तहत शिक्षा के सरलीकरण पर कार्यशाला

पहली से आठवीं कक्षा तक के लिए अध्यापकों की पाठशाला

गर्ल्स स्कूल हेलीमंडी में 459 अध्यापक हुए शामिल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कक्षा पहली से आंठवीं तक के छात्रों को दी जा रही शिक्षा के सरलीकरण के साथ ही इसमें तकनीक के साथ ही कौशल विकास के लिए राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हेलीमंडी में निष्ठा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हेलीमंडी स्थित गर्ल्स स्कूल में आयोजित कार्यशाला में भाग लेने पहुंचे शिक्षक।

यह आयोजन केंद्र सरकार द्वारा छात्रों को बेहतर शिक्षा सहित माहोल के दृष्टिगत डाइट गुरुग्राम के तत्वावधान में किया। अध्यापकों की संख्या अथवा भागीदारी के हिसाब से हेलीमंडी में निष्ठा कार्यशाला सबसे बड़ा आयोजन रहा है। डाइट गुरुग्राम की प्रिंसिपल संतोष तंवर और डा. धर्मपाल के द्वारा चार चरणों में आयोजित इस निष्ठा कार्यशाला के दौरान बताया कि इसका उद्देश्य छात्रों को दी जा रही शिक्षा के सरलीकरण के लिए अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। इतना ही नहीं अध्यापकों में भी लीडरशिप या नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। निष्ठा योजना केंद्र सरकार के द्वारा आरंभ की गई राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों के साथ ही अध्यापकों के हित में पहल है। सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले अध्यापकों-मुख्याध्यपकों को एक विशेष प्रकार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे कि छात्रों को भी बदलती शिक्षा प्रणाली को समझने में परेशानी नहीं हो। मेजबान स्कूल के प्रिंसिपल बुधराम ने बताया कि निष्ठा कार्यशाला के अंतर्गत यह अभी तक का सबसे बड़ी कार्यशाला रही है, यहां पर किन्हीं कारणों ने शामिल नहीं हो सकने वाले 12 अध्यापक अब गुरुग्राम में होने वाली कार्यशाला में शामिल होंगे।

इस कार्यशाला में कौशल के साथ ही नवाचार ज्ञान से अब छात्रों को अवगत कराया जाएगा। कार्यशाला में भाग लेने वाले विभिन्न अध्यापकों और अध्यापिकाओं ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजन के द्वारा निश्चित ही शिक्षा प्रणाली को बेहतर तथा छात्र हित में सरल बनाया जा सकता है।

सामाजिक संगठन रोडवेज कर्मचारियों की आंखों की कर रहा जांच

सोहना। सामाजिक संगठन आरपीजी हरियाणा रोडवेज कर्मचारियों की आंखों की जांच करने के बाद फ्री में चश्में उपलब्ध करा रहा है। आरपीजी की गठित कर्मचारियों की टीम प्रदेश के प्रत्येक डिपो पर जाकर कैंप लगाकर कर्मचारियों की आंखें चेक रही है। शनिवार को सामाजिक संगठन की टीम के मुखिया रामकुमार ने बताया कि उनकी टीम ने गुरुग्राम, बल्लभगढ़, पलवल, रेवाड़ी, पानीपत, सोनीपत के प्रत्येक डिपो का दौरा किया है। एक दिन में 70 से 80 कर्मचारियों की आखें चेक की जाती हैं। उनका कैंप एक डिपो पर तीन से चार दिन चलता है। जिसमें डिपो के वर्कशॉप पर बस चालक-परिचालक की आंखों के चश्मे नजर कम होने पर फ्री में दिए जा रहे हैं। रामकुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार ने उनकी संस्था को यह मंजूरी प्रदान की थी।

सोहना टूरिज्म कॉम्पलेक्स पर बंदरों को भगा रहा है लालू

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना में स्थित हरियाणा टूरिज्म निगम के बारबैट कॉक्पलैक्स पर एक कुत्ते ने बंदरों में भयभीत कर दिया है। कुत्ते को देखकर बंदर डर रहे हैं। कॉक्पलैक्स परिसर में आने वाले पर्यटकों को बंदरों के उत्पात से निजात मिल रही है।

सोहना के बारबैट टूरिज्म कॉम्पलेक्स पर बंदरों के आतंक ने यहा आने वाले पर्यटकों की नाक में दम किया हुआ था। जिससे टूरिज्म विभाग के कर्मचारी और अधिकारी काफी परेशान थे। बंदर पर्यटकों को खाली परिसर में, पार्क में, मोटल से रेस्टोरेंट की एक सौ मीटर की दूरी में आने-जाने में परेशान कर रखा था। पर्यटकों को भी इससे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं बंदर यहां के किचन में घुस सामान को

सोहना के टूरिज्म कॉम्पलेक्स में बंदर पर भौंकता लालू (कुत्ते का नाम) ।

नुकसान पहुंचाते थे। जिसके लिए यहां के कर्मचारियों को काफी सावधानी बरतनी पड़ रही थी। कॉम्पलैक्स अधिकारियों ने आखिर बंदरों के आतंक का समाधान निकाल ही लिया। अधिकारियों ने पांच हजार रुपये में शिकारी कुत्ता खरीदा है। जो पर्यटन स्थल के परिसर में बंदरों को दौड़-दौड़ कर भगा रहा है। इतना ही नहीं लालू नाम का कुत्ता एक इशारे में बंदरों पर झपट पड़ता है। अधिकारी अनिल बंसल ने बताया कि करीब दो माह से बंदर कॉम्पलैक्स परिसर में लालू को देख अपना रास्ता ही बदल लेते हैं। उन्होंने बताया कि मोटल परिसर में ठहरे पर्यटकों को रेस्टोरेंट में जाना तक मुश्किल कर रहे थे, लेकिन लालू ने बंदरों का आतंक खत्म कर दिया है।

आवारा पशुओं से परेशान किसानों ने की पंचायत

फर्रुखनगर। फर्रुखनगर शहर व ग्रामीण क्षेत्र में आवारा पशुओं के कारण परेशान क्षेत्र के किसानों ने वार्ड-12 फर्रुखनगर में मुन्नीलाल यादव की अध्यक्षता में पंचायत की गई। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आवारा पशुओं, नील गायों को पकड़वाया जाये, ताकि उनकी फसलों को नुकसान ना हो। इस मांग को लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपेंगे।

रामबीर यादव, महेंद्र यादव, दयाराम यादव, रामनारायण, कांसी राम, चंदू लाल, दौलत, श्रीभगवान, मुन्नी लाल, चांदराम आदि किसानों ने बताया कि आवारा पशु क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में खेतों में रात्रि के समय घुस जाते हैं। रात भर वे खेतों में खूब नुकसान करते हैं। अभी फसल छोटी है। इसलिए पशुओं के पैरों से फसल

नष्ट भी हो रही है। स्थानीय व जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से कई बार मांग कर चुके हैं, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं निकल रहा है। किसानों को मजबूरी में ठिठुरन भरी सर्दी में अपने खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। फिर भी ये पशु किसी न किसी के खेत में नुकसान पहुंचा ही देते हैं। फर्रुखनगर व आस पास कई गोशालायें चलाई जा रही है। फिर भी आवारा पशुओं को पकड़ने में कोई रुचि नहीं दिखाई जा रही है। हर साल किसानों की फसल इसी प्रकार आवारा पशुओं की भेंट चढ़ जाती है।

संक्षिप्त समाचार

परिषद दुकानों से अवैध कब्जा खाली कराएगी

सोहना। सोहना नगरपरिषद बस स्टैंड मार्ग पर अपनी पांच दुकानों पर हो रहा अवैध कब्जा को मुक्त कराएगी। जिसके लिए परिषद प्रशासन अधिकारी जल्द ही संज्ञान लेने जा रही है। सोहना बस स्टैंड मार्ग पर 2016 में खोखों को हटाकर बनाई गई 60 दुकानों में से 5 दुकानों पर अवैध कब्जा हुआ। नगरपरिषद अभी तक उन दुकानों के ताले नहीं तोड़ सकी है। एक आरटीआई कार्यकर्ता ने परिषद से अवैध कब्जा की हुई दुकानों का जवाब मांगा तो परिषद अधिकारी हरकत में आ गए। सूत्रों ने बताया कि दुकानों पर अवैध कब्जा करने वालों में पूर्व पार्षद व क्षेत्रीय नेता भी शामिल हैं। जो कब्जा छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। बताया कि अवैध कब्जाधारियों ने एसडीएम को पत्र लिखकर मालकाना हक की गुहार लगाई है। एसडीएम कार्यालय में अभी तक मामला अधर में लटका हुआ है। नगरपरिषद के कार्यकारी अधिकारी अतरसिंह ने बताया कि उनकी संज्ञान में मामला नहीं था, लेकिन जल्द ही दुकानों को मुक्त कराया जाएगा।

बीएलओ को प्रशिक्षण दिया

सोहना। विधान सभा क्षेत्र 78 के बीएलओ/ सुपरवाइजर को मतदाता की वैरिफिकेशन डाटा हाइब्रिड एप के माध्यम से दर्ज करने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में सभी बीएलओ/ सुपरवाइजर को निरधारित समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिये हैं। शनिवार को नगरपरिषद कार्यालय में विधानसभा 78 के सभी बीएलओ/सुपरवाइजर को एक दिन का प्रशिक्षण शिविर लगाया। शिविर उममण्डल नागरिक अधिकारी डॉक्टर चिनार चहल के आदेश पर लगाया। जिसमें मास्टर ट्रेनर रोहताश कुमार और कृष्ण कुमार ने प्रशिक्षण दिया। ट्रेनिंग के बाद रोहताश कुमार ने बताया कि सभी बीएलओ/ सुपरवाइजर को मतदाता की वैरिफिकेशन सही जानकारी प्राप्त करके ही हाइब्रिड एफ पर ऑन लाइन दर्ज करनी है। ताकि किसी भी मतदाता का डाटा गलत तरीके से दर्ज न हो सके। मास्टर ट्रेनर कृष्ण कुमार ने बताया कि सभी बीएलओ/सुपरवाइजर को शिविर में मोबाइल के माध्यम से ट्रेनिंग दी गई। उन्होंने बताया कि सही समय पर सही जानकारी दी गई है।

राष्ट्रीय पक्षी उद्यान में बच्चों को दी गई रोचक जानकारियां

गुरुग्राम। राष्ट्रीय पक्षी उद्यान सुल्तानपुर में नेचर एजुकेशन कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें विद्या रोशन चैरिटेबल ट्रस्ट के बच्चों को पर्यावरण विशेषज्ञ पंकज चतुर्वेदी नोएडा ने पर्यावरण व पक्षियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कैंप में लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। पंकज चतुर्वेदी ने बच्चों को बताया कि इन दिनों साइबेरिया पक्षी यहां भोजन की तलाश में आते हैं। इन तीन चार महीनों में वहां पर बर्फ जम जाती है। और खाने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। पक्षी खाने की तलाश में भारत का रुख कर लेते हैं। उन्होंने बताया कि पक्षियों का जंगल को हरा-भरा करने में अहम योगदान है। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से पर्यावरण व पक्षियों के बारे में अनेक सवाल भी पूछे। इस अवसर पर जिला वाइल्ड ऑफिसर राजेंद्र प्रसाद डांगी, इंस्पेक्टर ओमप्रकाश, सुरेश कुमार शर्मा, विद्या रोशन चैरिटेबल ट्रस्ट की प्रोजेक्ट डायरेक्टर तनुजा सिंह आदि सहित ट्रस्ट का स्टाफ मौजूद रहा।

गुरुग्राम में होगा राज्य स्तरीय बाल महोत्सव : कृष्ण ढुल

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय बाल महोत्सव-2019 का आयोजन 19 से 23 दिसंबर तक गुरुग्राम के सेक्टर -29 स्थित किंगडम ऑफ ड्रीम्स में किया जाएगा। बाल महोत्सव 2019 का थीम ड्रीम कम ट्रू रखा गया है। महोत्सव में बच्चों की चार ग्रुपों में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के महासचिव कृष्ण ढुल ने गुरुग्राम के लोक निर्माण विश्राम गृह में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इस बाल महोत्सव में प्रदेश के राज्यपाल सत्यनारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहरलाल सहित केंद्रीय मंत्री व अलग-अलग दिनों में प्रदेश मंत्रीमंडल के सदस्य भी भाग लेंगे। इसके अलावा हरियाणा की पृष्ठभूमि से जुड़े बालीवुड कलाकार व खेल जगत की नामी हस्तियां भी शिरकत करेंगी। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में बच्चों के मनोरंजन के लिए खासे इंतजाम होंगे, जिसमें भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, कई प्रकार के झूले, घोड़े व ऊंट की सवारी, कठपुतली का खेल व विभिन्न प्रकार के बच्चों के मनपंसद खानपान की वस्तुएं भी उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही बच्चों के लिए इस महोत्सव में उपहार भी रखे गए हैं, जो उन्हें निशुल्क दिए जाएंगे।

एनसीआर में रक्त की पूर्ति कर रही रेडक्रॉस सोसायटी

गुरुग्राम। जिला रेडक्रास सोसायटी, गुरुग्राम द्वारा सेक्टर-4 स्थित सीसीए स्कूल के प्रांगण में गुरुग्राम के जिला उपायुक्त अमित खत्री के मार्गदर्शन में रक्तदान शिविर आयोजित किया। शिविर का शुभारंभ समाजसेविका एवं उपायुक्त अमित खत्री की माताजी कृष्णा देवी ने किया। कृष्णा देवी ने अपने संबोधन में रक्तदान करने को समाज और देश के लिए सराहनीय कार्य बताया और उन्होंने रक्तदाताओं को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया तथा रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। जिला रेडक्रास सोसायटी, गुरुग्राम के सचिव महेश गुप्ता ने बताया कि शिविर में 54 यूनिट रक्तदान एकत्रित किया। सोसायटी, गुरुग्राम पूरे एनसीआर में ब्लड बैंकों इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, दिल्ली, सिविल अस्पताल गुरुग्राम, पलवल, फरीदाबाद आदि से सम्पर्क कर सभी को रक्त उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि कोई और स्कूल, कॉलेज आदि रक्तदान शिविर का आयोजन की रुचि रखते हो तो जिला रेडक्रॉस सोसायटी गुरुग्राम से सम्पर्क कर सकते है। सोसायटी अपना पूरा सहयोग करेगी। सीसीए स्कूल के चेयरमैन कर्नल कुंवर प्रताप सिंह एवं निदेशिका निर्मल यादव ने रक्तदान शिविर के आयोजन को काफी प्रंशसनीय कार्य बताया। शिविर में दिल्ली से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी ब्लड बैंक की टीम ने शिरकत की। रेडक्रॉस सोसायटी के सह-सचिव सुभाष शर्मा, कोमल भटनागर, सुरेश गुप्ता, कल्याणी सचान, अतुल पराशर, कविता सरकार, आकांशा, राजेश, विक्रम, शम्मी अहलावत, सरोज आदि ने सहयोग किया।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के स्टॉक मार्केट अध्ययन संग्रह का विमोचन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जेएम फाइनेंशियल ग्रुप की समर्पित वित्तीय सेवा शाखा, जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने 'इंवेस्टोरीज एनकडॉट्स फ्रॉम द फाइनेंशियल वर्ल्ड' शीर्षक से आज अपनी नवीनतम पेशकश का अनावरण किया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के चीफ बिजनेस डेवलपमेंट ऑफीसर रवि वाराणसी द्वारा विमोचित 'इंवेस्टोरीज' स्टॉक मार्केट को समझने के आसान अध्ययन का एक संग्रह है, विशेष रूप से जब निवेशकों को निवेश के लिए विभिन्न मध्यवर्ती, प्लेटफार्म और विनियम के साथ-साथ विविध मार्गों का तेजी से अनुसरण करना पड़ता रहता है। निवेशक की शिक्षा के लिए अपने निरंतर प्रयास में सेवारत, जे.एम. फाइनेंशियल सर्विसेज ने इन्वेस्टोरिज के लेखक अमित त्रिवेदी के विचारों और शब्दों को प्रकाशित किया गया है। जे.एम. फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ और प्रबंध निदेशक सुबोध शिंकर ने कहा, ''हम एक ऐसी पुस्तक का विचार कर रहे थे, जो अमूल्य सिद्धांतो का एक संकलन हो। जो पाठकों को चार्ट, आंकड़े या ग्राफ तक ही सीमित न रखती हो, बल्कि विषय के बारे में भी एक आकर्षक और सरल तरीके से चर्चा करती हो। हमें अमित त्रिवेदी से बेहतर कोई और सहयोगी नहीं मिल सकता था। उनके विचार और दृष्टिकोण हमारे फर्म के निवेशक की शिक्षा की जागरूकता और पारदर्शिता की धारणा से मिलती जुलती थी।''

लेखक अमित त्रिवेदी ने कहा, ''मै पिछले कुछ समय से देशभर के निवेशकों और निवेश सलाहकारों के साथ बातचीत कर रहा हूं। मैंने महसूस किया है कि निवेशकों के पास निवेश करने के लिए कई सवाल और संदेह होत हैं। इन चीजों को परिप्रेक्ष्य में रखने की जरूरत महसूस की गई और ऐसे कई विषय सामने लाए गए जो स्मार्ट निवेश निर्णय लेने में मदद करें।

मिलेनियम सिटी की सड़कों से लावारिस गाड़ियां हटाएगी पुलिस

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

सड़क किनारों पर पड़ी लावारिस गाड़ियों को उठाने के निर्देश

मिलेनियम सिटी की सड़कों पर पड़ी दुर्घटनाग्रस्त, जली हुई व लावारिस गाड़ियों के कारण शहर की सूरत तो बिगड़ ही रही है, साथ में वे हादसों का कारण भी बन रही हैं। इसलिए ऐसी गाड़ियों को सड़कों से हटाने के निर्देश पुलिस को दिये गये हैं। साथ ही उन गाड़ियों के मालिकों को भी चेताना गया है कि वे या तो स्वयं उन गाड़ियों को हटा लें, नहीं तो पुलिस यह काम करेगी और खर्चा मालिकों को ही देना पड़ेगा।

गुरुग्राम की विभिन्न सड़कों के किनारे लावारिस पड़ी जली-टूटी गाड़ियों को उठाने के बारे में नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त एवं जिला उपायुक्त अमित खत्री ने पुलिस विभाग को पत्र लिखा हैं। निगमायुक्त ने कहा है कि तीन दिसम्बर को आयोजित समीक्षा बैठक में गुरुग्राम मंडल के आयुक्त अशोक सांगवान ने उद्योग विहार और सेक्टर-18 क्षेत्र को लावारिस गाड़ियों से मुक्त करने बारे निर्देश दिए गए थे। मंडलायुक्त द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना में उद्योग विहार एवं सेक्टर-18 को लावारिस गाड़ियों से मुक्त करने बारे चार दिसम्बर को पुलिस विभाग को पत्र भेजा गया। इसके बाद शहर में अन्य स्थानों एवं खाली भूमि पर पड़ी गाड़ियों की भी सर्वे करवाई गई और इन्हें भी उठाने बारे अब पुलिस विभाग को पत्र लिखकर कहा है कि सड़कों के किनारे और खाली भूमि पर पड़ी लावारिस गाड़ियों को उठाने बारे कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा है कि लावारिस गाड़ियों के मालिक स्वयं अपनी गाड़ियों को उठा लें।

विधायक ने धन्यवादी दौरा कर ग्रामीणों का जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। फर्रुखनगर

धन्यवादी दौरे में विधायक सत्यप्रकाश जरावता का स्वागत करते ग्रामीण।

पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने शनिवार को फर्रुखनगर खंड के गांव जोनियावास, खुर्रमपुर, खेडा खुर्रपुर, गढ़ीनत्थे खां, मुसैदपुर, डूमा हरिनगर, अलिमुद्दीनपुर, पालड़ी वार्ड-12 फर्रुखनगर आदि का दौरा किया और ग्रामीणों का अभार जताया। उन्होंने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि उनके गांवों की सभी समस्याओं का निदान शीघ्रता से किया जाएगा।

राव महेंद्र सिंह ढ़ाढी, राव दयाराम डाबोदा, राव रामबीर सिंह पंवालिया, मुन्नी लाल यादव, जगदीश, चांदराम, रामफल, प्रकाश, रामपत, दौलतराम आदि ग्रामीणों ने विधायक का फूलमालाओं और पगड़ी बांधकर स्वागत किया। जरावता ने कहा कि लम्बे समय से पटौदी क्षेत्रवासी विकास के मामले में उपेक्षित होते रहे है। लेकिन इन पांच सालों में सभी गांव, ढ़ाणियों, शहर के सभी वार्डों में समान रूप से पक्के रास्ते, सड़क, पेयजल, 24 घंटे बिजली सप्लाई, खेतों को नहरी पानी दिलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह क्षेत्र के ही रहने वाले और उन्हें भली प्रकार से ज्ञात है कि किस गांव में क्या समस्या है। पटौदी क्षेत्र को उसका 90 हिस्सा तो मिलेगा ही साथ में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आशीर्वाद से भी पटौदी क्षेत्र में उघोग स्थापित करने, युवाओं को रोजगार दिलाने का कार्य किया जाएगा।

मौके पर सरपंच विनोद वाल्मीकि, राव महेंद्र सिंह ढ़ाढी, राव दयाराम डाबोदा, राव रामबीर सिंह पंवालिया, जिला पार्षद विजयपाल संटी, भूपेंद्र पलासोली, राज कुमार चौहान, दीप यादव पटौदी, चंदु लाल पूर्व बैंक अधिकारी, मुन्नी लाल यादव, जगदीश, चांदराम, रामफ्ल, प्रकाश, रामपत, दौलतराम, श्रीभगवान, प्रकाश, रामपत, दौलत, रामनारायण, राम यादव, सुरेश, धर्मपाल, कांशीराम, हुकमचंद, रतन लाल आदि मौजूद थे।

ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान युवती ने नहर में लगाई छलांग

पुलिस ने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद की भारत कॉलोनी में रहने वाली एक नवविवाहिता ने अपने ससुराल वालों की प्रताड़ना से परेशान होकर खेड़ीपुल के पास नहर में छलांग लगा दी। समाचार लिखे जाने तक महिला का शव बरामद नहीं हो पाया है। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

थाना ओल्ड फरीदाबाद में दर्ज मामले के मुताबिक मूलरूप से मथुरा जिले के छाता इलाके में रहने वाले नेत्रपाल ने अपनी शिकायत में कहा है कि फिलहाल वे परिवार के साथ होडल की डबचिक कालोनी में परिवार के साथ रहता है और खेतीबाड़ी करने का काम करता है। उसने अपनी बेटी मोनू का विवाह गत नौ मार्च 2019 को भारत कालोनी में रहने वाले विकास उर्फ विक्की के साथ किया था। विवाह के दौरान उन्होंने अपनी हैसियत से बढ़कर दान-दहेज भी दिया था। इसके बावजूद ससुराल वाले शुरू से ही खुश नहीं थे। विवाह के कुछ दिनों बाद ही ससुराल वालों ने दहेज की मांग को लेकर परेशान करना शुरू कर दिया था। मोनू के बताने पर उन्होंने ससुराल वालों को कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने अपना व्यवहार नहीं बदला।

बृहस्पतिवार सुबह साढ़े सात बजे मोनू ने उन्हें फोन कर बताया कि उसका पति विकास, सास निर्मला, ननद अंजू व सोनू उसे परेशान कर रहे हैं। वह ननद सोनू के महरौली स्थित घर में थी। जहां इन लोगों ने उसके साथ न जाने क्या किया है कि उसे घबराहट हो रही है और चक्कर आ रहे हैं। वह भागकर बदरपुर सीमा पर आकर फोन कर रही है। उन्होंने किसी तरह मोनू को समझाया और जल्द आने आश्वासन दिया। शाम करीब साढ़े सात बजे लोगों ने मोनू को खेड़ीपुल के पास नहर में छलांग लगाते हुए देखा है। पीड़ित व्यक्ति का आरोप है कि उसकी बेटी ने ससुराल वालों की प्रताड़ना से परेशान होकर नहर में कूदकर आत्महत्या की है। पुलिस ने आरोपी ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के बाद से मोनू के शव की तलाश में जुटी हुई है। शनिवार को शव की तलाश के लिए गोताखोरों की टीम बुलाई है। समाचार लिखे जाने तक शव की तलाश की जा रही है।

यूपी ले जाई जा रही अवैध शराब की 285 पेटी बरामद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अपराध शाखा सेंट्रल ने अटाली गांव के निकट देशी शराब से भरे एक कैंटर को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने कैंटरचालक और परिचालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अवैध तरीके से यह शराब लेकर उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे।

थाना छांयसा में दर्ज मामले के मुताबिक अपराध शाखा सेंट्रल के सब इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि शुक्रवार की रात को वह अपनी टीम के साथ अटाली गांव स्थित नरहावली जाने वाले रास्ते पर अपराध पड़ताल गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि इस रोड से शराब से भरा कैंटर गुजरेगा, जो यूपी जाएगा। पुलिस टीम ने सड़क पर नाका लगा दिया। तभी नरहावली की ओर से कैन्टर आता दिखाई पड़ा। पुलिस टीम ने उसे रोक लिया। कैंटर का तिरपाल हटाकर देखा गया, तो उसमें देसी शराब की 285 पेटी भरी हुई थीं। कैंटर चालक शराब का परमिट नहीं दिखा पाया। आरोपी चालक की पहचान छांयसा गांव निवासी मोहित व परिचालक की राहुल भाटी रूप में

थर्मोकोल कंपनी में भयानक आग से लाखों का माल खाक

कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 59 स्थित एक थर्मोकोल की कंपनी में शनिवार सुबह अचानक एक आग लग गई। कंपनी में मौजूद कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी के साथ फैलती चली गई। थोड़ी ही देर में आग ने पूरी कंपनी को अपनी चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने प्रयास शुरू कर दिए। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया। तब तक लाखों रुपये का माल जल कर नष्ट हो चुका था। आग लगने का कारण शॉट सर्किट बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक सेक्टर-59 के प्लॉट नंबर-111 में रमेश एंटरप्राइजेज नामक कंपनी को आनंद मालवीय नामक व्यक्ति ने कुछ महीने पहले ही किराए पर लिया था। आनंद मालवीय इस कंपनी में एएम इंसुपैक के नाम से थर्मोकॉल की पैकिंग बनाने का काम करते हैं।

कंपनी में 35-40 कर्मचारी काम करते हैं। सुबह आठ बजे एक कर्मचारी ने जैसे ही कंपनी की बिजली शुरू की। तभी केबल में जोरदार धमाका हुआ और शॉट सर्किट हो गया। इससे कंपनी के शैड में रखे थर्मोकॉल ने आग पकड़नी शुरू कर दी। आग की लपटें कई-कई फुट ऊंची उठने लगीं।

कंपनी में मौजूद कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। साथ ही उन्होंने घटना की सूचना फॉयर बिग्रेड को दे दी। थोड़ी ही देर में फायर ब्रिगेड गाड़ियां मौके पर पहुंचनी शुरू हो गई। करीब एक घंटे में छह गाड़ियों ने आग पर काबू पाने के प्रयास किए। कंपनी कर्मचारियों ने अपनी जान पर खेल पर आग को बुझाई। किंतु कंपनी का लंबा-चौड़ा शैड पूरी तरह खत्म हो गया। इसके अलावा आग से लाखों रुपये का माल जलकर राख हो गया।

घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले को दस साल कैद

52 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

घर में घुस कर अकेली युवती को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केपी सिंह की अदालत ने दस साल की कैद और 52 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अदालत में पेश मामले के मुताबिक थाना एसजीएम नगर इलाके में रहने वाली 24 वर्षीय एक युवती ने यह मामला 11 दिसंबर 2018 को महिला थाना एनआईटी में दर्ज करवाया था कि उसके पिता का देहांत हो चुका है। वह यहां अपनी मां और भाई के साथ रहती है। उसका पड़ोसी अजय 10 दिसंबर को ही चोरी के मामले में सजा काट कर जेल से आया था। घटना वाले दिन उसकी मां व भाई काम से बाहर गए हुए थे। दोपहर को उसे घर में अकेला देख कर अजय अंदर घुस आया और उसे दबोच कर बिस्तर पर पटक दिया। आरोपी उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। उसने विरोध करने का प्रयास किया, तो आरोपी ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने उसे यह बात किसी को न बताने की हिदायत दी और मौके से फरार हो गया। बाद में मां के लौटने पर उसने आरोपी की हरकत के बारे में सब कुछ बता दिया और पुलिस को शिकायत दे दी। उस समय पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर दिया था। शनिवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई है।

दो मोबाइल झपटमारों को कैद

फरीदाबाद। सड़क पर पैदल जा रहे एक व्यक्ति से मोबाइल फोन झपट कर फरार हो जाने वाले दो बदमाशों को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विरेंद्र मलिक की अदालत ने पांच-पांच साल की कैद और 25-25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत में पेश मामले के मुताबिक सराय ख्वाजा में रहने वाले 40 वर्षीय नवीन कोहली ने यह मामला दो जुलाई 2017 को थाना सराय ख्वाजा में दर्ज करवाया था कि वह सराय ख्वाजा की राजाराम मार्केट से पैदल फोन पर बात करता हुआ गुजर रहा था। अचानक एक बाइक पर दो बदमाश उसके पास पहुंचे और पीछे बैठे बदमाश ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और दोनों फरार हो गए। छह अक्टूबर को पुलिस ने किसी तरह दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रोशन नगर निवासी मनीष और अक्षय माथुर के रूप में हुई थी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मौके पर निपटाए गए 4041 मामले

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

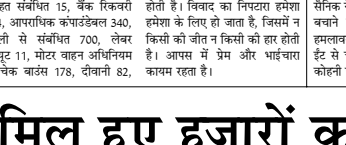

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के चेयरमैन के निर्देशानुसार और मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं प्राधिकरण की सचिव मोना सिंह देख-रेख में सेक्टर 12 स्थित जिला न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोना सिंह ने बताया कि लोक अदालत में 29 बैंच गठित किए गए, जिनमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जगभूषण गुप्ता, वीरेंद्र प्रसाद, वीरेंद्र मलिक, राजेश गर्ग, कुमुद गुगनानी, जैसमीन शर्मा, पुनीत सहगल, जगजीत सिंह डिस्ट्रिक्ट जज फैमिली कोर्ट अनुभव शर्मा, डिस्ट्रिक्ट जज फैमिली कोर्ट व सुनील कुमार एसीजेएम व अन्य न्यायधीशों और परमानेंट लोक अदालत के चेयरमैन एसके गोयल शामिल हैं। इस में कुल 5831 मामले रखे गए, जिनमें से 4041 मामलों का फैसला आपसी सहमति से किया गया, जिनमें विवाहत संबंधित 15, बैंक रिकवरी 2234, आपराधिक कंपाउंडेबल 340, बिजली से संबंधित 700, लेबर डिस्प्यूट 11, मोटर वाहन अधिनियम 28, चेक बाउंस 178, दीवानी 82, और समरी चालान के 453 मामले शामिल है।

मोना सिंह ने आमजन से अपील की है कि वे अपने अपने मामलों को लोक अदालत में रख आपसी सहमति से आसानी से निपटारा करवा सकते हैं, जिससे पैसे व समय की बचत होती है। विवाद का निपटारा हमेशा हमेशा के लिए हो जाता है, जिसमें न किसी की जीत न किसी की हार होती है। आपस में प्रेम और भाईचारा कायम रहता है।

रिटायर्ड फौजी और भाई को चार लोगों ने बेरहमी से पीटा

बल्लभगढ़। सब्जी मंडी के निकट एक सेवानिवृत्त सैनिक और उसके भाई को चार युवकों ने घेर लिया और दोनों भाईयों को पीट-पीट कर घायल कर दिया। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

थाना आदर्श नगर में दर्ज मामले के मुताबिक सुभाष कॉलोनी निवासी धीरेंद्र ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह थलसेना से सेवानिवृत्त है। गत नौ दिसंबर को वह सब्जी लेने मंडी की तरफ जा रहा था। जब वह विष्णु कॉलोनी स्थित खेड़ा देवता मंदिर के सामने पहुंचा, तो वहां पर भीड़ लगी हुई थी। चार युवक उसके भाई हिम्मत सिंह को पकड़कर मारपीट कर रहे थे। सेवानिवृत्त सैनिक ने हमलावरों से अपने भाई को बचाने का प्रयास किया, तो एक हमलावर ने पीछे से धीरेंद्र के सिर पर ईंट से चोट मार दी। दूसरे युवक ने कोहनी पर हमला किया। दोनों भाइयों को घायल करने के बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। हमलावर युवक प्रवेश और प्रदीप हैं। जांच अधिकारी एएसआई ओमप्रकाश ने बताया कि एमएलआर रिपोर्ट में फ्रेक्चर पाया गया है। दोनों आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-।।, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
बिक्री सूचना की उद्घोषणा

निम्नलिखित सम्पत्ति आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध संदीप ठाकुर ओ.ए. नंबर 1222/2017 तथा आई.ए. नंबर 2512/19 के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

1. सम्पत्ति का वर्णन :
मेक : ह्युंडई वेरना 1.6 एसएक्स
रजि. नंबर : DL1CR7899
विनिर्माण वर्ष : 2015
सुरक्षित मूल्य - रू. 2,97,000/-
ईएमडी - रू. 29,700/-
2. नीलामी की तिथि एवं समय :
24-12-2019
3. नीलामी स्थान : रिधी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर-17, सुखराली गांव एयर फोर्स स्टेशन के पीछे, गुड़गांव
4. प्रबंधक : श्री शंकर कपूर
मोबाइल नंबर : 9650193259

बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओं को संबंधित वाहन हेतु उपरिवर्णित अनुसार धरोहर राशि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, दिल्ली के पक्ष में तथा दिल्ली में देय पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी। सफल उच्चतम बोलीदाता को शेष राशि उसको अनुमोदन की सूचना दी जाने से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
ऊपर वर्णित अनुसार राशि जमा करने में असफल रहने पर, पहले जमा की जा चुकी धरोहर राशि की रकम जब्त कर ली जाएगी। इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 24 दिसम्बर, 2019 को भौतिक नीलामी में भाग लेने अथवा प्रबंधक श्री शंकर कपूर को कॉल करने का अनुरोध किया जाता है।

सिंचाई विवाद में बाप-बेटों ने व्यक्ति को पीटा

फरीदाबाद। गांव हरफला में खेतों की सिंचाई के विवाद में एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर अपने भाई को पीट-पीट कर घायल कर दिया।

थाना सदर में दर्ज मामले के मुताबिक हरफला गांव निवासी खजान सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसका बेटा दिनेश कुमार आठ दिसंबर को मोहला रोड नाले के पास गेहूं के खेत में पानी लगा रहा था। दोपहर को खजान सिंह खेत पर चाय लेकर गया, तो देखा कि उसका सगा भाई रमेश अपने दो बेटों तरुण व पंकज के साथ मिलकर उसके बेटे को लात-घूंसों से मारपीट कर रहा था। खजान के पास आने पर तीनों उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए। दिनेश कुमार को घायल अवस्था में सिविल अस्पताल में दाखिल कराया गया। पुलिस ने आरोपी पिता पुत्रों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

'भारत बचाओ रैली' में शामिल हुए हजारों कांग्रेसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कांग्रेस की दिल्ली में आयोजित 'भारत बचाओ रैली' में शहर से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न नेताओं के नेतृत्व में शामिल हुए। राजमार्ग पर सुबह सैकड़ों बसों और कारों में कांग्रेस नारे लगाते हुए दिल्ली जा रहे थे। कांग्रेसियों का उत्साह देखते ही बनता था।

कांग्रेसी नेता एवं बड़खल के पूर्व प्रत्याशी चौ. विजय प्रताप अपने हजारों समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचे। सभी कार्यकर्ता सूरजकुंड रोड स्थित कार्यालय पर एकत्रित हुए और वहां से सैकड़ों वाहनों के काफिले में सवार होकर दिल्ली के लिए रवाना हुए।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विजय प्रताप सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सिद्धांतवादी पार्टी है, जो आदर्शों पर चलती है। जबकि भाजपा ने धर्म और जाति के नाम पर द्वेष फैलाया है। मंदिर-मस्जिद के नाम पर लोगों को लड़ाने का काम करती है। विकास के नाम पर भाजपा के पास कुछ नहीं है और केवल राष्ट्रीय मुद्दों को तूल देकर देश की जनता को बेवकूफ बनाने का काम कर रही है। आज देश का आम नागरिक दो जून की रोटी के चक्कर में परेशान है। भाजपा ने लोगों से रोजगार और काम-धंधे छीन लिए हैं। विजय प्रताप ने कहा कि देश को बचाने के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर करना बहुत जरूरी है। इस मौके पर कांग्रेसी नेता इशांत कथूरिया, राजेश कुमार, विजयपाल चंदीला, जितेन्द्र भड़ाना, पप्पन भड़ाना, फौजी आदि मौजूद रहे।

भाजपा राज में महंगाई व भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त : आनंद कौशिक

फरीदाबाद क्षेत्र के पूर्व विधायक आनंद कौशिक एवं हरियाणा कांग्रेस के महासचिव बलजीत कौशिक के नेतृत्व में शनिवार को सेक्टर नौ स्थित कार्यालय से हजारों कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना हुए। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आनंद कौशिक ने कहा कि भारत बचाओ रैली भाजपा सरकार को नींद से जगाने का काम करेगी, आज भाजपा की जनविरोधी नीतियों से हर वर्ग प्रभावित है और त्राहि-त्राहि करने को मजबूर हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव से पूर्व जनता से विकास के बड़े-बड़े वायदे किए थे, परंतु सत्ता में आने के बाद जनता के वायदे पूरे करने के बजाए उन पर अपने फैसले थोप रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भ्रष्टाचार और बढ़ती महंगाई ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया। हालात यह है कि आम आदमी की पहुंच से प्याज जैसी चीज भी दूर होती जा रही है और सरकार विकास की बात करती है। बलजीत कौशिक ने कहा कि भाजपा की नीतियों से जनता अब ऊब चुकी है और कांग्रेस के शासनकाल याद करने लगी है। इस अवसर पर पूर्व डिप्टी मेयर राजेंद्र भामला, अनिल कुमार तेवतिया, जयकिशन भारद्वाज, अश्विनी कौशिक, विनोद कौशिक एडवोकेट, धर्मपाल चहल, सुरेंद्र सांगवान, जीतू गोयल, जयभगवान भारद्वाज, राजेंद्र चौहान, पम्मी मान, गजना लाम्बा, बेबी, जमना, लक्ष्मी देवी आदि मौजूद रहे।

भाजपा सरकार गठन में फरीदाबाद का बड़ा योगदान है : गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजेश पुंजानी

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार के गठन में फरीदाबाद का बहुत बड़ा योगदान है। इसलिए केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारें भी फरीदाबाद के विकास में कोई प्रयास शेष नहीं छोड़ेंगी। इसके लिए शहरवासियों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा शनिवार को होटल रेडिसन ब्लू में कृष्णपाल गुर्जर, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, क्षेत्र के नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों नरेंद्र गुप्ता, राजेश नागर, सीमा त्रिखा, नयनपाल रावत का अभिनंदन समारोह आयोजित किया। गुर्जर ने कहा कि फरीदाबाद से अन्य क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बढ़ाने एवं विकास के लिए नया हाईवे, गुड़गांव तक मेट्रो, फरीदाबाद से केजीबी का सीधा संपर्क जैसी योजनाएं विचाराधीन हैं। वे शीघ्र ही चंडीगढ़ में एजी से बात करके फरीदाबाद औद्योगिक क्षेत्र के विकास हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाने के मुद्दे के निवारण का प्रयास करेंगे, जो हाईकोर्ट में विचाराधीन है।

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने जिले के सभी अधूरे विकास कार्य पूरे करने का आश्वासन दिया। तिगांव के विधायक राजेश नागर ने उद्योग प्रबंधकों से अलग-अलग संगठन बनाकर काम करने की अपेक्षा एक ही बैनर तले काम करने की अपील की। फरीदाबाद क्षेत्र के विधायक नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि साफ-सफाई के लिए एक मशीन मंगवाई जा रही है, जो एक दिन में 50 किमी सड़क साफ करेगी। पृथला के विधायक नयनपाल रावत ने उद्योग प्रबंधकों से औद्योगिक संस्थानों में स्थानीय नौजवानों को नौकरी देने की अपील की। बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा ने प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए 50 हजार कॉटन थैले वितरित करने के लिए एफआईए का आभार जताया।

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार अजय गौड़ ने फरीदाबाद उद्योग क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर हेतु स्वीकृत 200 करोड़ रिलीज करवाने के प्रबंध करने के साथ आवश्यकता पड़ने पर और अधिक धन उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। एफआईए के पूर्व प्रधान किसी लखानी ने परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा से अनुरोध किया कि बदरपुर से बल्लभगढ़ तक 70 प्रतिशत उद्योग मूलचंद शर्मा के विधानसभा क्षेत्र में आते हैं। यहां का इन्फ्रास्ट्रक्चर बहुत दयनीय हालत में है। पिछले पांच वर्ष से हम हरियाणा सरकार द्वारा स्वीकृत 200 करोड़ रुपए का इंतजार कर रहे हैं। अब मुद्दा हाईकोर्ट में विचाराधीन है। हमारा हरियाणा सरकार व केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर से अनुरोध है कि इस मुद्दे का निवारण करवाकर न केवल 200 करोड़ रुपए रिलीज किए जाएं। एफआईए के निवर्तमान प्रधान संजीव खेमका ने कहा कि भाजपा सरकार के दूसरी बार आने से लोगों की उम्मीदें बढ़ी हैं। परंतु शहर में कार्यरत कई सरकारी एजेंसियां फाइल एक-दूसरे को भेजकर कर्तव्य पूरा कर लेती हैं और मुद्दा फाइलों में दबा रह जाता है। इसलिए तालमेल कमेटी गठित की जाए।

एसोसिएशन के अध्यक्ष बीआर भाटिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों ने उद्योग व व्यापार को जीएसटी जैसी प्रभावी व्यवस्था कर एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर में सिक्स लेन हाईवे, फ्लाईओवर, मेट्रो विस्तार, गुरुग्राम तक मेट्रो योजना दी है, परंतु मंझावली पुल का कार्य धीरे चल रहा है, उसमें तेजी लाई जाए, ताकि नोएडा का आवागमन सुगम हो सके। भाटिया ने कहा कि स्मार्ट सिटी तो बन गई, लेकिन दिखाई नहीं देता है। इसलिए विकास का अमलीजामा पहनाया जाए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, प्रमुख उद्योगपति नवदीप चावला, एचआर गुप्ता, प्रदीप मोहंती, अरुण बजाज, नरेंद्र अग्रवाल, एचएल भूटानी, जेपी मल्होत्रा, रोहित रूंगटा, एसके गोयल, रवि वासुदेव, सीएल गोयल, एसके जैन आदि मौजूद रहे।

TMB Tamilnad Mercantile Bank Ltd
Be a step ahead in life

फरीदाबाद ब्रांच : अपर ग्राउंड फ्लोर, प्लॉट नं. ३७, डब्ल्यू जी टॉवर, निलम बाटा रोड, एनआयटी, फरीदाबाद, हरयाणा - 121 001. फोन नं. 0129-2431050
इमेल : faridabad@tmbank.in
CIN:U65110TN1921PLC001908

अचल संपत्ति का कब्जा नोटीस (नियम 8(1))

तामिलनाड मर्केन्टाइल बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय आस्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित के प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम व 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए ऋणी में **1. मे. एक्सएलएनटी प्न्युमॅटिक,** के माध्यम से प्रोप. श्री. सुधीर कुमार, सन/ऑफ. उमा शंकर, एच. न. 02, शिव मंदिर के पास, अशोक एन्क्लेव मेन, सेक्टर - 34, अमरनगर, फरिदाबाद, हरयाणा- 121003. 2.**श्री. सुधीर कुमार, सन/ ऑफ. उमा शंकर,** एच. न. 02, शिव मंदिर के पास, अशोक एन्क्लेव मेन, सेक्टर - 34, अमरनगर, फरिदाबाद, हरयाणा- 121003. **3. श्री. उमा शंकर सन/ ऑफ चंदर बाली सिंह,** एच. न. 02, शिव मंदिर के पास, अशोक एन्क्लेव मेन, सेक्टर - 34, अमरनगर, फरिदाबाद, हरयाणा- 121003. को दिनांक **20.09.2019** को डिमांड नोटीस जारी किया था कि वे उक्त नोटीस की प्राप्ती से 60 दिनों के भीतर उक्त राशी **रु. 9,92,382/- (रुपये नौ लाख बयान्वे हजार तिन सौ बयासी) 31.08. 2019** तक ब्याज एवं अन्य खर्चे चुकता कर दें। चूंकि उधारकर्ता उक्त अवधि में आगामी ब्याज के साथ उक्त राशि अदा करने में असफल रहे है, इसलिए उधारकर्ता और आम जनता को एतद् द्वारा यह नोटीस दिया जाता है कि प्राधिकृत अधिकारी उक्त नियमों के नियम 8 के साथ उधारकर्ता के सामने उल्लिखित पठीत उक्त अधिनियम की धारा 13(4) की उपधारा ४ के तहत अधिकारों का प्रयोग कतरे हुए नीचे बतायी गई संपत्ती का कब्जा दि. **10.12.2019** को ले लिया है। एतद् द्वारा उधारकर्ता को विशेष रुप से तथा सामान्य रुप से जनता को सूचित किया जाता है कि वे इस संपत्ति के साथ कोई व्यवहार न करें और उक्त संपत्ति से संबंधित किया गया कोई भी संव्यवहार राशी **रु. 9,87,311/- (रुपये नौ लाख सत्तासी हजार तिन सौ ग्यारह) 30.11.2019** तक एवं उस पर देय ब्याज, खर्चे एवं आकस्मिक व्यय के लिए तामिलनाड मर्केन्टाइल बैंक लि. के प्रभार के अधिन होगा। ऋणी/ जमानतदार का ध्यान धारा 13 की उपधारा 8 के तहत उपलब्ध समय में सुरक्षित संपत्तियों की और आकृष्ट किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

खसरा नंबर 15/13/1-2, हाऊस नं. 2, अशोक एन्क्लेव मेन, ग्राम पल्ला, जिला- फरिदाबाद और रिहायसी इमारत ने काफी हद तक निर्माण किया श्री सुधीर कुमार के नाम पर 1215 वर्ग फीट (जीएफ 405 वर्ग फीट + एफएफ 405 वर्ग फीट + एसएफ 405 वर्ग फीट) में 45 वर्ग के दायरे में भूमि के लिए. **सीमाएँ : उत्तर : सडक, पूर्व : प्लॉट नंबर 1, दक्षिण : प्लॉट नंबर 27/28 और 26, पश्चिम : प्लॉट नंबर 3.**

दिनांक : 10.12.2019
स्थान : फरीदाबाद

हस्ता / -
प्राधिकृत अधिकारी
तामिलनाड मर्केन्टाइल बैंक लि.
फरीदाबाद ब्रांच

आर्थिक वृद्धि में बढ़ोतरी के प्रयास

केंद्र सरकार आर्थिक संवृद्धि के पुनरुत्थान हेतु प्रयासरत है। दुर्भाग्य से उसे भारतीय रिजर्व बैंक से कम मदद मिल रही है जबकि राज्यों के निर्णय आर्थिक वृद्धि का मार्ग अवरुद्ध कर रहे हैं।

करण भसीन
(लेखक नीति शोधकर्ता हैं)

पिछले सप्ताह बड़ी आर्थिक प्रघटनाएं हुईं, जिनमें से कुछ सकारात्मक थीं जबकि अन्य निराशाजनक थीं। सकारात्मक घटना कार्यपालिका के मोर्चे पर हुई क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकरों को पुन: आश्वस्त किया और सच्चे बिजनेस मालिकों को ऋण देने के लिए प्रोत्साहित किया जबकि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बयान दिया कि समय की मांग है सरल कराधान व्यवस्था लाना और इसमें कोई किंतु परंतु नहीं होने चाहिए। यह सरकार के भीतर विद्यमान एहसास का परिलक्षण है कि कर सुधार एवं बैंकिंग क्षेत्र की सेहत सुधारना हमारी आर्थिक संभावनाओं के पुनरुत्थान के उद्देश्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ईमानदारी से कहें, तो सरकार ने उनमें से कुछ लागू किए हैं। इसने सितम्बर में बैंक पुन: पूंजीकरण को मोर्चे पर रखा और 20 सितम्बर को शताब्दी की सबसे बड़ी कारपोरेट कर कटौतियों में से एक की घोषणा की। विशेषज्ञों द्वारा जो कुछ भी संभव तथा नीति के मोर्चे पर सरकार को सुझाया गया वो सब होता प्रतीत हो रहा है। हमने श्रम सुधारों की संभावना के बारे में सुना है और सरकार निजीकरण की प्रक्रिया बहाल कर रही है। दोनों ही दीर्घकालीन परियोजनाएं हैं जो राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में रुकी हुई थीं। नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल ने, हालांकि यह संकल्प दर्शाया है और विशुद्ध रूप से इसी वजह से बाजार हमारी अर्थव्यवस्था की निकट भावी संभावनाओं का लेकर आशावान नजर आता है। मध्यावधि में भी संभावनाएं प्रबल हैं क्योंकि हम अंतरराष्ट्रीय प्रघटनाओं को देखते हैं तथा निवेशक वर्तमान सरकार द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक एकल नीतिगत बदलाव पर ध्यान देना जारी रखे हुए हैं।

हालांकि, दूसरे पहलू पर भी ध्यान देना महत्वपूर्ण है, और उनमें से लगभग सभी का उन वाहकों से सरोकार है केंद्र सरकार के अलावा। मगर पहले, पिछले सप्ताह की निराशाजनक घटना, मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने ऐसे समय पर दरों को अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया जब हर कोई दरों में कटौती की उम्मीद लगाए था। एमपीसी के निर्णय के बाद जो आलोचना प्रारम्भ हुई वह ताजा हवा में सांस लेने जैसा है क्योंकि उनमें से बहुत से एमपीसी के अंतर्गत भारत की मौद्रिक नीति के आचरण से संबंधित मेरे विचारों के नजदीक हैं। शायद, हमें उसकी प्रभावोत्पादकता के बारे में कुछ सख्त सवाल पूछने की आवश्यकता है और यह कि क्या उन्होंने उपयुक्त ढंग से अपने निर्णयों के प्रभावों का अनुमान लगाया है। यह तथ्य बताता है कि अंतरराष्ट्रीय प्रेस भी उनके निर्णय की मूर्खता से परेशान थी, क्योंकि इसको देखते हुए एमपीसी को फरवरी की बैठक से पहले अपने निर्णय पर विचार करने, मूल्यांकन करने व पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। आर्थिक सेहत सुधार मूलभूत रूप से इस पर निर्भर करता है कि एमपीसी क्या करती है और अभी तक, उसने पर्याप्त काम नहीं किया है। परिणामत:, जो सुधार वी आकार में होता अब यू आकार में होगा जिसका अर्थ है कि संभव है हम कुछ समय के लिए निम्नतम पादान पर रहें। निम्नतम पादान का अर्थ है कि वृद्धि का 5.5 प्रतिशत से कम होना जो भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चिंता का मुख्य विषय होना चाहिए।

दरों को अपरिवर्तित रखने का कारण यह बताना कि खाद्य वस्तुओं की बढ़ती लागत के चलते मुद्रास्फीति बढ़ी है, बकवास है, क्योंकि कोई भी प्याज खरीदने के लिए ऋण लेने नहीं जाएगा। स्पष्ट रूप से, हमारा मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण कार्यतंत्र आपूर्ति पक्ष एवं मांग पक्ष के बीच मुद्रास्फीतिकारी संवेगों की पहचान करने के मामले में असमर्थ है। लेकिन, पुन:, एमपीसी को उसके बीच भेद करने में सक्षम होना चाहिए। समाधान ब्याज दरों में कटौती करना नहीं है बल्कि हस्तांतरण के लिए आधार धन में बढ़ोतरी करना है। हमारी 6.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि तथा 10 वर्ष के लिए 6.5 प्रतिशत की सरकार सुरक्षा उपज के साथ, स्पष्ट रूप से, हमारे यहां राजकोषीय समस्या है जो परम्परागत मौद्रिक नीति के दायरे से काफी आगे विस्तारित हो चुकी है।

इसलिए, आरबीआई को खुली बाजार कार्रवाई के माध्यम से सरकारी सिक्योरिटीज खरीदना प्रारम्भ करना चाहिए, तथा दरों में कटौती करनी चाहिए, ताकि निगत में कमी समाप्त की जा सके। इसके साथ ही, कर सुधार व निजीकरण को गति देकर मझोली अवधि में वृद्धि दर बढ़ाई जा सकती है। तथ्य यह है कि आरबीआई ने 2017 से 2018 के मध्य तक लगातार मुद्रास्फीति का अति मूल्यांकन किया। लेकिन, इससे कोई लाभ नहीं मिला। हालांकि, मुद्रास्फीति के

गंभीर वित्तीय समस्याओं के कारण राज्यों को जिम्मेदारी से काम करना होगा और सार्वजनिक व्यय को प्राथमिकता देनी होगी। लेकिन, इसमें एक दशक का समय और लगेगा। यही कारण है कि राज्य सरकारें व राजनीतिक दल मतदान प्रवृत्तियों को देखते हुए आर्थिक सुधार के पक्ष में नहीं हैं, तथा वे राज्य प्रशासन व आर्थिक वृद्धि उनके प्रभाव को अनदेखा करती हैं।

उसके पूर्वानुमान ठीक रहे हैं पर आर्थिक वृद्धि के पूर्वानुमान बहुत कम रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि किसी निर्णय के पहले यह भी स्पष्ट है कि एमपीसी को मिलने वाली सूचनाओं के साथ समस्या है। हम जितनी जल्दी यह समस्या दूर करेंगे उतना ही मौद्रिक निर्णयों की गुणवत्ता तथा उसके परिणामस्वरूप आर्थिक संभावनाओं के लिए अच्छा होगा। केंद्रीय बैंक के साथ ही एक और समस्या है जो राज्य सरकारों की ओर से आती है। वे यह तथ्य स्वीकार करने में असफल रही हैं कि वृद्धि की चुनौतियों और इसके कारण लिए जाने वाले निर्णयों से आर्थिक सुधार की प्रक्रिया मंद पड़ जाती है। ऐसा एक निर्णय पुराने अनुबंधों को लागू करना है जो आंध्र प्रदेश में अमरावती के संदर्भ में लिए गए थे। हाल ही में, महाराष्ट्र ने बुलेट ट्रेन परियोजना के संबंध में भी ऐसा ही निर्णय लिया है। संप्रभु निधियों के साथ ही विदेशी निवेशक ऐसे में राज्य सरकारों से अनुबंध करने में हिचकेंगे, खासकर यदि ये दीर्घकालीन अनुबंध हों। इसका अर्थ होगा कि राज्य को संबंधित जोखिम से निबटने के लिए अधिक धनराशि का भुगतान करना पड़ेगा।

इस पूरे प्रकरण में राज्यों पर राज्य स्तरीय सरकारों की विश्वसनीयता का असर पड़ेगा और दशकों से इस पर सवाल उठते रहे हैं। इससे केंद्र सरकार भी प्रभावित होगी और इससे परिणामस्वरूप लिए गए निर्णयों से भारत के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचेगा। एक और समस्या वस्तु एवं सेवाकर संग्रह से है जो वर्तमान वित्त वर्ष में कम रहे हैं। वृद्धि दर आरबीआई के अनुमान के अनुसार वर्तमान वित्त वर्ष में 5 प्रतिशत रहेगी। ऐसे में, यह स्थिति आश्चर्यजनक नहीं है। इसका अर्थ है कि मामूली वृद्धि लगभग 7 प्रतिशत के आसपास तक पहुंच सकती है और बजट अनुमानों के अनुसार खर्च में वृद्धि कम होने से राजस्व में कमी भी कम मात्रा में होगी।

केंद्र सरकार विनिवेश व निजीकरण पर गैर कर राजस्व के रूप में विचार कर रही है, ताकि घाटे पर नियंत्रण रखा जा सके। लेकिन, राज्य सरकारों को जीएसटी दरों में वृद्धि प्रस्तावों के साथ सामने आना चाहिए ताकि राजस्व में कमी से निबटा जा सके। मंदी के समय कर दरों में वृद्धि जैसे मूर्खतापूर्ण आर्थिक सुझावों पर यह समझ में नहीं आता कि हंसना चाहिए या रोना। इनसे आर्थिक सुधार को और नुकसान होगा। किसी भी परिस्थिति में केंद्र सरकार को जीएसटी परिषद को दरें बढ़ाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए, क्योंकि इससे लोगों के पास खर्च करने योग्य आय में और कमी आएगी तथा नकारात्मक भावना से उपभोक्ता प्रभावित होंगे। मीडिया में वर्तमान समय में ऐसे अनेक प्रस्ताव हैं जिनको खारिज कर देना उचित होगा। वास्तव में, राज्यों को वर्तमान वित्तवर्ष में पूर्ण मुआवजे की उम्मीद नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे केंद्र सरकार के वित्त पर भारी बोझ पड़ेगा। इसके बजाए, राज्यों को सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के विनिवेश के माध्यम से अपने गैर कर राजस्व घटाने पर विचार करना चाहिए। राज्यों को वर्तमान स्थिति में अपनी जिम्मेदारी समझते हुए अवसर का लाभ उठाकर साहसी, भूमि व श्रम सुधार लागू करने के साथ कृषि विपणन को पुनर्जीवित करना चाहिए।

भारत में अभी राज्य स्तर पर साहसी सुधारवादी नेताओं की कमी है और वे आर्थिक सुधार व आर्थिक वृद्धि में केंद्र सरकार का साथ नहीं दे रहे हैं। तथ्य यह है कि जीएसटी प्रणाली में राज्य अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं। यदि ऐसा होता तो राज्य जीएसटी में अनेक प्रकार की चोरी रोकने में सफल होते। सौभाग्य से, 15वें वित्त आयोग ने अपनी रिपोर्ट सौंपी है जिसमें केंद्र सरकार व विभिन्न राज्य सरकारों के बीच धन आवंटन को बदल दिया है।

इससे अनेक राज्य सरकारें अपनी वित्तीय स्थिति बहाल करने में तत्काल कदम उठाने को मजबूर होंगी। राज्य सरकारों की जोखिम भरी वित्तीय स्थिति हमेशा बुरी बात नहीं है क्योंकि इससे उनके खर्च की गुणवत्ता सुधरती है जो फिलहाल बहुत खराब है। वर्तमान समय में यह सब्सिडी तथा कर्जमाफी पर केंद्रित है, जबकि यह शिक्षा, स्वास्थ्य व सार्वजनिक अवसंरचना पर केंद्रित होना चाहिए।

गंभीर वित्तीय समस्याओं के कारण राज्यों को जिम्मेदारी से काम करना होगा और सार्वजनिक व्यय को प्राथमिकता देनी होगी। लेकिन, इसमें एक दशक का समय और लगेगा। यही कारण है कि राज्य सरकारें व राजनीतिक दल मतदान प्रवृत्तियों को देखते हुए आर्थिक सुधार के पक्ष में नहीं हैं, तथा वे राज्य प्रशासन व आर्थिक वृद्धि उनके प्रभाव को अनदेखा करती हैं। लेकिन, मुख्यमंत्री के रूप में मोदी का रिकार्ड बताता है कि सुधारवादी नेता को अच्छा लाभ मिलता है और अन्य मुख्यमंत्रियों को इससे सबक सीखना चाहिए।

सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने की आवश्यकता

उत्तरोत्तर सरकारों ने सब्सिडियों का तर्कसंगतीकरण करने एवं देश के बजट पर उनका अतिशय बोझ घटाने के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई है फिर भी वे ऐसा करने में विफल रही हैं।

उत्तम गुप्ता
लेखक नीति विश्लेषक हैं।

बहुत से अयोग्य व्यक्तियों समेत लाखों लोग केंद्र तथा राज्य सरकारों से विविध प्रकार की सब्सिडी प्राप्त कर रहे हैं। करोड़ों रुपए लागत की ये सब्सिडियां राजकोषीय दायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के अंतर्गत निर्देशित सीमा के भीतर राजकोषीय घाटे पर अंकुश लगाने की केंद्र तथा राज्यों की सामर्थ्य को क्षीण कर रही हैं। ये सब्सिडियां कामचलाऊ तथा मनमाने तरीके से दी जाती हैं और इसके परिणामस्वरूप संसाधनों का अनुचित आवंटन होता है, उत्पादन, वितरण एवं इस्तेमाल में अकुशलता को बढ़ावा मिलता है, धन के दुरुपयोग, विचलन को बढ़ावा मिलता है तथा नियंत्रणों का मार्ग प्रशस्त होता है।

उत्तरोत्तर सरकारों ने केवल योग्य लोगों को देने एवं उनमें कमी करने के उद्देश्य से सब्सिडियों का तर्कसंगतीकरण करने एवं देश के बजट पर उनका अतिशय बोझ घटाने के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई है। तत्कालीन केंद्रीय वित्तमंत्री प्रणब मुखर्जी ने संप्रग सरकार के अधीन 2012-13 के बजट में सब्सिडियों को सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के तौर पर घटाने के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य तय किया था जिस पर राजकोषीय घाटा कम करने का लक्ष्य तय किया जाता है।

फिर भी, अनुदानों की संख्या बढ़ती जा रही है और खाद्य, उर्वरकों एवं ईंधन पर केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी प्रतिवर्ष 3 लाख करोड़ तक पहुंच गई है। इससे बजट पर अवहनीय बोझ पड़ रहा है जिसका आंकलन सरकार द्वारा भारतीय खाद्य निगम की प्राधिकृत पूंजी बढ़ाने के निर्णय से किया जा सकता है क्योंकि खाद्य सब्सिडी इसके माध्यम से होकर जाती है जो वर्तमान 35,00 करोड़ से बढ़कर 10,000 करोड़ हो गई है, जिससे एफसीआई बाजार से और अधिक धन सृजित करने में सफल हो सके और इसके साथ वह 1लाख करोड़ उधार लेने में सक्षम हो जाएगा भले ही सरकार उसे चुकाने में असमर्थ हो।

उर्वरकों के माध्यम से, जहां सब्सिडी विनिर्माताओं के रास्ते जाती है, सत्ताधारी सरकार ने विविध प्रकार की व्यवस्थाएं की हैं जैसे कि लंबित सब्सिडी भुगतानों के लिए उर्वरक बांड जारी करना अथवा विशेष बैंकिंग व्यवस्था करना जिसके अंतर्गत केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों को संप्रभु गारंटी (2014-15 से 2016-17) के सहयोग से विनिर्माताओं को कर्ज देने का निर्देश देती है जिससे बजट पर बुरा प्रभाव कम किया जा सके और राजकोषीय विचलन रोका जा सके।

2007-08 से 2009-10 के दौरान, सरकार ने पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और केरोसीन पर भारी भरकम सब्सिडी के विरुद्ध सार्वजनिक क्षेत्र तेल वितपण कम्पनियों यथा इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) एवं हिन्दुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) को तेल बांड जारी किए थे। बाद में, 2004-05 से 2013-14 के दौरान, उसने ओएनजीसी तथा आयल इंडिया लिमिटेड को आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल को घरेलू कच्चा तेल रियायती दामों पर बेचने के लिए निर्देशित किया था। अकेले ओएनजीसी ने इस अवधि के दौरान केंद्र पर सब्सिडी का बोझ कम करने के लिए 3 लाख करोड़ की रियायत दी।

फिर, सब्सिडी के भुगतान निर्बाध रूप से जारी रखने का क्या औचित्य है? एक मूलभूत तरीके से, इसका लेना-देना उत्तरोत्तर सरकारों द्वारा अपनाई गई दो तरह की रणनीति से है। पहली, सरकार कम कीमत पर उर्वरक, खाद्य एवं ईंधन की आपूर्ति करती है, उत्पादन/खरीद, रखरखाव एवं वितरण की लागत से असंबंधित होकर जो ऊंची होती है। दूसरे, चूंकि कोई भी विनिर्माता अथवा एजेंसी कम कीमत पर बेचकर परिचालन जारी नहीं रख सकती, सरकार कीमत से अधिक लागत की क्षतिपूर्ति सब्सिडी के तौर पर करती है। रणनीति के दोनों घटक गंभीर दोषों से ग्रसित हैं।

कम कीमत पर उत्पाद की आपूर्ति उपभोक्ता को उसका असली मूल्य पहचानने से रोकती है और प्राय: उसके अंधाधुंध इस्तेमाल अथवा दुरुपयोग का कारण बनती है। उदाहरण के लिए, यूरिया का निम्न न्यूनतम खुदरा मूल्य, जो वर्तमान में दो दशक पूर्व की तुलना में मात्र 10 गुना अधिक है, उसके अंधाधुंध उपयोग का कारण है, जिससे उर्वरक के इस्तेमाल में असंतुलन, फसलोत्पादकता में जड़ता, मृदा क्षरण एवं पर्यावरणीय दुष्प्रभाव जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। इस कारण रासायनिक उद्योगों की ओर बड़े पैमाने पर विचलन देखने को मिला रहा है।

खाद्यान्नों में भी, सब्सिडी प्राप्त अनाज का सार्वजनिक वितरण प्रणाली से विचलन काफी बड़ी मात्रा में होता है और कुछ राज्यों में तो 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जब, देश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत, चना, गेहूं और चावल जैसे खाद्यान्न 1,2,3 रुपए प्रति किलो के दामों पर उपलब्ध कराए जाते हैं, कहीं ऊंचे बाजार मूल्यों के विपरीत, निगरानी के द्वारा दुरुपयोग व विचलन रोका नहीं जा सकता।

तेल में भी, सब्सिडाइज्ड केरोसीन के डीजल में मिलावट के लिए अन्यत्र भेजे जाने के उदाहरण प्रचुर मात्रा में मिलते हैं, अथवा सब्सिडाइज्ड एलपीजी का भी भीषण दुरुपयोग तब तक होता रहा जब तक सरकार ने उसे जनवरी 2015 से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के अंतर्गत नहीं ला दिया। अन्य समस्या सब्सिडी का लाभ उन लोगों को मिलने के कारण है जो इसके योग्य नहीं होते। जब यूरिया सभी किसानों को निम्न अधिकतम खुदरा मूल्य पर उपलब्ध है, तो ऐसे में एक समृद्ध किसान भी सब्सिडी का लाभ उठाता है। अयोग्य किसानों भी इसी तरह बिजली, सिंचाई और क्रेडिट पर सब्सिडी का लाभ उठा रहे हैं।

दूसरे घटक पर आकर देखें तो, जब एक उर्वरक निर्माता जानता है कि सरकार खुदा मूल्य पर उत्पादन एवं वितरण की लागत से उसकी अधिकता की क्षतिपूर्ति करेगी, अत: वो कुशलता व दक्षता सुधारने एवं कीमत कम करने की चिंता नहीं करता। बाद में, उर्वरक उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले एलएनजी, फास्फोरिक अम्ल, अमोनिया एवं पोटाश जैसे कच्चे मालों की आपूर्तिकर्ता भारी कीमत लेकर बच जाते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि आगत लागत से सब्सिडी व्यवस्था के अधीन बचा जा सकता है। खाद्यान्नों में, एफसीआई को खरीद, रखरखाव एवं वितरण पर खर्चों का भुगतान वास्तविक आधार पर किया जाता है। इसके कारण अदक्षताएं, कीमतों में गड़बड़ी तथा भंडारग्रहों से गायब होने जैसी घटनाएं छिप जाती हैं। इसी प्रकार, तेल कम्पनियों को सब्सिडाइज्ड एलपीजी एवं केरोसीन की बिक्री पर बढ़े मूल्यों के आधार पर क्षतिपूर्ति की जाती है जो आयात तालमेल एवं निर्यात तालमेल का मिश्रण 80:20 के अनुपात में होता है।

समय-समय पर कुछ समितियों ने इन दोषों को दूर करने के लिए उपाय करने की सिफारिश की है। लेकिन, किसी भी राजनीतिक अवस्थापना ने उस सिफारिशों को लागू करने का सहस नहीं दिखाया। इसके पीछे कारण था वोट बैंक की राजनीति। 1990 से 2000 के दशक तक की कुछ घटनाओं से यह पता चलता है। 90 के दशक के पूर्वार्द्ध में, जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक की ओर से पड़ने वाले दबाव में तथा संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों पर आधारित, तत्कालीन पीवी नरसिम्हाराव सरकार ने ने सभी फास्फेट तथा पोटाश उर्वरकों का विनियंत्रीकरण किया था और 25 अगस्त 1992 से सब्सिडी हटा ली थी, मगर उसने न केवल यूरिया पर सब्सिडी पर नियंत्रण बनाए रखा गल्फ उसका खुदरा मूल्य 10 प्रतिशत कम कर दिया। बाद में, फास्फेट और पोटाश उर्वरकों पर, वापस लेने के पांच सप्ताह के भीतर उसने अंशकालिक रियायतों के नाम पर पुन: सब्सिडी जारी कर दी थी।

तब से, उत्तरोत्तर सरकारों ने यूरिया तथा गैर यूरिया उर्वरकों पर सब्सिडी जारी रखी है और यूरिया पर कहीं ज्यादा सब्सिडी दी जा रही है। 1998 में, तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयीनीत राजग सरकार के अधीन, तत्कालीन वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा ने बजट प्रस्तुत करते समय यूरिया के खुदरा मूल्य पर सब्सिडी कम करने के विचार से 1000 प्रति टन की बढ़ोतरी की घोषणा की थी। उसकी अधिकता को समामेलित करने के प्रयास में, अपने भाषण के अंतर्गत, सिन्हा ने इसे 1 प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी के तौर पर पेश किया। लेकिन सभी सांसदों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर विरोध जताया, जिससे उन्हें अगले ही दिन 50 प्रतिशत बढ़ोतरी वापस लेने पर विवश होना पड़ा और शेष एक पखवाड़े के भीतर वापस ले ली गई।

इससे असलियत में बोट बैंक की ताकत का मुजाहिरा होता है, जो सस्ते में उर्वरक, खाद्यान्न, ईंधन, बिजली आदि आपूर्त करने का पर्याय बनी हुई है। इसके विपरीत, सार्थक सब्सिडी सुधारों के लिए लोकरंजक दृष्टिकोण को त्यागने की आवश्यकता है। लेकिन ऐसे मामलों में राजनीति सदा हावी हो जाती है और सुधार भी पीछे हो जाते हैं। हमारे राजनीतिक वर्ग द्वारा निरंतर इस पर जोर देने के चलते, कि सभी कृषि आगत एवं उपभोग की अनिवार्य वस्तुएं सस्ते दामों अथवा मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएं, ऐसा नहीं लगता कि सब्सिडी सुधार मूर्त रूप ले पाएंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 15 दिसंबर, 2019

मणिपुर के मुख्यमंत्री के भाई को किया गया अगवा

- कोलकाता पुलिस ने उन्हें मुक्त कराया, पांच आरोपी को गिरफ्तार
- आरोपियों ने 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी

भाषा। कोलकाता

खुद को सीबीआई का अधिकारी बताकर पांच लोग यहां मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह के भाई तोंगब्राम लुखोई सिंह के अपार्टमेंट में घुस गए और उनका अपहरण कर लिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने हालांकि कुछ ही घंटे में उन्हें मुक्त करा लिया और पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जिनमें दो मणिपुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने शनिवार को बताया शुक्रवार को पांच लोग खिलौने वाली बंदूक लेकर यहां न्यू टाउन इलाके में सिंह के किराए के मकान में घुस गए और उन्हें व उनके एक सहयोगी को वहां से अगवा कर लिया। बाद में आरोपियों ने सिंह की पत्नी को फोन किया और 15 लाख रूपए की फिरौती मांगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार सिंह की पत्नी की शिकायत पर पुलिस हरकत में आई। उसने शुक्रवार शाम को ही दोनों को मुक्त कराया और मध्य कोलकाता के बनियापुकुर से पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पांच आरोपियों में दो मणिपुर के, दो कोलकाता के और एक पंजाब के हैं। पुलिस को बेनियापुकुर में आरोपियों के ठिकाने पर छापे के दौरान उनके पास से दो वाहन और तीन खिलौने वाली बंदूक और दो लाख रूपए नकद मिले। पुलिस अधिकारी ने कहा , यह पैसे के लिए अपहरण कांड जान पड़ता है। आरोपी मणिपुर के किसी व्यक्ति के लिए काम कर रहे थे। इसी व्यक्ति ने पूरी साजिश रची थी।पुलिस पांचों से पूछताछ कर रही है। अधिकारी ने कहा कि कोलकाता के दो आरोपियों का पूर्व में आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। अधिकारी के अनुसार मणिपुर पुलिस को इस घटना के बारे में बता दिया गया है और जांच में उसकी सहायता मांगी गई है।

छत्तीसगढ़ में एक साल में एक भी किसान ने आत्महत्या नहीं की: बघेल

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद से राज्य में एक भी किसान ने आत्महत्या नहीं की है। कांग्रेस की भारत बचाओ रैली में बघेल ने कहा, हमारी सरकार किसानों को 2500 रुपए समर्थन मूल्य देना चाहती है लेकिन (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी रोक रहे हैं। फिर भी छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ न्याय होगा। उनकी जेब में 2500 रुपए आएंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अकेला राज्य है जहां किसानों को धान के 2500 रुपए दिए गए जिससे पिछले एक साल में किसी किसान ने आत्महत्या नहीं की। बघेल ने आरोप लगाया, केवल जलाना जानते हैं केवल काटना और बांटना जानते हैं। उन्होंने कहा कि ए पूरे देश को संदेश देना होगा कि कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है और इसके नेता राहुल गांधी हैं।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, किसान की लागत बढ़ रही है और फसल की कीमत नहीं बढ़ रही है। (मोदी सरकार कह रही थी कि) किसान की आमादनी दोगुनी कर देंगे जबकि किसान की आमदनी घट रही है। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में बेरोजगारी दर बढ़कर 28 फीसदी हो गई है।

गिरडीह में झारखण्ड विधानसभा चुनाव के चौथे चरण से पहले पार्टी प्रत्याशी निर्भय साहबड़ी के समर्थन में चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत करते कार्यकर्ता

अवैध रूप से भारत में रहने की दोषी दो बांग्लादेशी महिलाओं को 10 महीने की कठोर कारावास की सजा

ठाणे। महाराष्ट्र स्थित ठाणे की अदालत ने अवैध रूप से भारत में रहने की दोषी दो महिलाओं को 10 महीने की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। पिछले सप्ताह जिला न्यायाधीश राजेश गुप्ता की अदालत ने अपने आदेश में दोनों महिलाओं पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने आसमा खातून इलियास शेख (45) और लतीफा जमाल शेख (50) को पासपोर्ट कानून और विदेशी कानून के तहत दोषी ठहराया।

अतिरिक्त लोक अभियोजक वर्षा चांदेन ने अदालत को बताया कि ठाणे पुलिस की मानव तस्करी प्रकोष्ठ ने इस साल फरवरी में मीरा रोड स्थित झुग्गी बस्ती में छापेमारी की थी। उन्होंने कहा, छापेमारी के दौरान दो महिलाएं भागने लगीं जिसे पुलिस टीम ने पकड़ लिया, जब महिलाओं से उनकी राष्ट्रीयता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया न ही कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध करा सके जिसके बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और गिरफ्तारी की गई। अदालत ने पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि वह सजा पूरी होने के बाद दोनों को बांग्लादेश निर्वासित करने की व्यवस्था करने को कहा।

मानव तस्करी में फरार कारोबारी के करीबी रिश्तेदारों का कारखाना ढहाया गया

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

मानव तस्करी समेत कई आपराधिक मामलों में पखवाड़े भर से फरार चल रहे एक स्थानीय कारोबारी के करीबी रिश्तेदारों का अवैध कारखाना यहां शनिवार को ढहा दिया गया। इस कारोबारी की गिरफ्तारी पर इनाम की रकम बढ़ाकर एक लाख रुपए कर दी गई है।

इंदौर नगर निगम (आईएमसी) के अधिकारियों ने बताया कि पोलोग्राउंड औद्योगिक क्षेत्र में 2,500 वर्ग फुट से ज्यादा क्षेत्रफल में अवैध रूप से बना कारखाना जमींदोज कर दिया गया। इस कारखाने में इलेक्ट्रोप्लेटिंग (धातुओं से बनी वस्तुओं पर अन्य धातुओं की पतली परत चढ़ाना) का काम होता था।

उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि इस कारखाने को फरार कारोबारी जितेंद्र सोनी के भाई महेंद्र सोनी और उनके भतीजे जिग्नेश सोनी द्वारा चलाया जा रहा था। लेकिन इसके निर्माण के लिए आईएमसी से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। इस इकाई के निर्माण में राज्य के उद्योग विभाग के तय पैमानों का भी उल्लंघन किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि गड़बडि़यों की अलग-अलग शिकायतें सही पाए जाने पर यहां जितेंद्र सोनी के एक सांध्य दैनिक का दफ्तर, दो बंगले, नाइट क्लब, होटल और रेस्तरां के अन्य अवैध निर्माण पहले ही हटाए जा चुके हैं। इस बीच, पुलिस अधीक्षक (पूर्वी क्षेत्र) मोहम्मद यूसुफ कुरैशी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने जितेंद्र सोनी की गिरफ्तारी पर इनाम की रकम 30,000 रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए कर दी है जिसे मानव तस्करी समेत 30 से ज्यादा आपराधिक मामलों में कथित भूमिका के लिए ढूंढ़ा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जितेंद्र सोनी के दो भाइयों-महेंद्र सोनी और हुकुम सोनी पर भी मानव तस्करी और अन्य मामलों में पांच-पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। जितेंद्र सोनी की करीबी महिला मित्र सोनिया पर धोखाधड़ी के मामले में पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है।

सोनी, "संझा लोकस्वामी" के मालिक और प्रधान संपादक भी हैं। शाम का यह अखबार प्रदेश के कुख्यात हनी ट्रैप मामले में फंसे राजनेताओं और नौकरशाही से जुड़े रसूखदार लोगों से कथित रूप से संबंधित ऑडियो-वीडियो पर आधारित खबरें पिछले कई दिनों से प्रकाशित और प्रसारित कर रहा था। हनी ट्रैप गिरोह की पांच महिलाओं और उनके चालक को भोपाल और इंदौर से सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। गिरोह खुफिया कैमरों से अंतरंग पलों के वीडियो बनाकर अपने "शिकारों" को इस आपत्तिजनक सामग्री के बूते ब्लैकमेल करता था।

तेलंगाना में शराब के नशे में व्यक्ति ने सास से किया बलात्कार

हैदराबाद। हैदराबाद के पंजागुट्टा इलाके में एक व्यक्ति ने नशे की हालत में 48 साल की अपनी सास से कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। महिला की ओर से शुक्रवार को दर्ज शिकायत के आधार पर उन्होंने बताया कि 13 नवंबर की रात महिला जब अपने कमरे में सो रही थी तभी 34 साल का दामाद उसके कमरे में घुसा और कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न किया। महिला पिछले कुछ वर्ष से अपनी बेटी और दामाद के साथ रह रही थी और घटना वाले दिन उसकी बेटी काम के लिए बाहर गई थी। पुलिस ने बताया कि शिकायत के बाद आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसने बाद में अपनी पत्नी से घटना के लिए माफी भी मांगी। उन्होंने बताया कि मामले में जांच जारी है।

बांग्लादेश ने त्रिपुरा के दो स्थलीय बंदरगाहों के जरिए नौ सामानों के आयात पर लगी रोक हटाई

भाषा। अगरतला

बांग्लादेश की सरकार ने त्रिपुरा के दो स्थलीय बंदरगाहों के जरिए भारत से नौ सामानों के आयात पर लगी रोक हटा ली है। इससे क्षेत्र के व्यापारियों को लाभ मिलेगा। यह जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को दी। त्रिपुरा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की अतिरिक्त निदेशक स्वप्ना देवनाथ ने कहा कि बांग्लादेश ने त्रिपुरा के नौ स्थलीय बदरगाहों के जरिए 2018-19 में भारत को 522.42 करोड़ रुपए के सामानों का निर्यात किया, जबकि आयात महज 14.66 करोड़ रुपए रहा। उन्होंने कहा, इस व्यापार असंतुलन का कारण बांग्लादेश द्वारा विभिन्न सामानों के आयात पर लगाई गई रोक है। बांग्लादेश ने अब अखौड़ा और श्रीमंतपुर स्थलीय बंदरगाह से नौ सामानों के आयात पर लगी रोक अब हटा ली है। देवनाथ ने कहा कि एक दिसंबर से जिन सामानों के आयात पर से रोक हटाई गई है, वे काजू, कागज, चीनी, जेनरेटर, टूटे शीशे, चॉकलेट, बेबी वाइप्स, मिठाइयां और बिटुमीन हैं।

नाबालिग से बलात्कार करने के अपराध में चार व्यक्तियों को 30 साल की कैद

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक अदालत ने 14 साल की एक लड़की से बलात्कार करने के अपराध में चार व्यक्तियों को 30 साल की कैद की सजा सुनाई है। पीड़िता की वकील प्रियंका शुक्ला ने बताया कि तृतीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार तमांक ने शुक्रवार को चरण सिंह (30), ईश्वर ध्रुव (31), नागेश्वर रजक (26) और मनोज वाडेकर (35) को दोषी ठहराया। उन्होंने बताया कि अदालत ने चारों को 30 साल की कैद की सजा सुनाई तथा सिंह पर 21000 रूपए तथा अन्य तीनों पर 50-50 हजार रूपए का जुर्माना लगाया है। शुक्ला के अनुसार तोरवा की रहने वाली इस लड़की ने 20 फरवरी, 2017 को इन चारों के खिलाफ 2015 से ही उसके साथ बार बार बलात्कार करने की शिकायत दर्ज कराई थी।

आनंद में इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट के 40वें स्थापना समारोह के दौरान राष्ट्रीय डेयरी विकास का उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने किया दौरा

महिला विरोधी हिंसा से निपटने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार की नायडू ने प्रशंसा की

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने आंध्र प्रदेश में महिलाओं के विरुद्ध यौन अपराधों के मामले की सुनवाई महज 21 दिन में पूरी कर दोषियों को सजा देने का कानून बनाने के लिए राज्य सरकार की सराहना करते हुए इसे समय की जरूरत बताया है। नायडू ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, यह जानकर खुशी हुई कि आंध्र प्रदेश विधानसभा ने सर्वसम्मति से आंध्र प्रदेश दिशा अधिनियम पारित कर दिया। इससे महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों की जांच और अदालती कार्यवाही को पूरा करने में तेजी आएगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य की विधानसभा ने महिलाओं के विरुद्ध यौन हिंसा के मामलों की पुलिस और अदालती जांच 21 दिन में पूरी कर दोषियों को सजा देने के प्रावधान वाला एपी दिशा अधिनियम शुक्रवार को पारित कर दिया। हाल ही में हैदराबाद में एक महिला डाक्टर की सामूहिक बलात्कार कर निर्मम हत्या करने के मामले के बाद आंध्र प्रदेश की जगन मोहन रेड्डी सरकार ने विधानसभा सभा में यह विधेयक पेश किया था। नायडू ने आंध्र प्रदेश सरकार की इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा, अगर यह कानून ठीक ढंग से पारित किया गया तो इससे बलात्कार पीड़िताओं को समय से न्याय मिल सकेगा, यही समय की मांग है। मैं काम के लिए आंध्र प्रदेश सरकार की सराहना करता हूं।

भाजपा को नागरिकता संशोधन कानून से फायदा मिलने की उम्मीद

भाषा। नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में असम तथा देश के कुछ हिस्सो में विरोध प्रदर्शन से भारतीय जनता पार्टी में कई नेताओं को आश्चर्य हो रहा है लेकिन उन्हें पूरा भरोसा है कि इस विवादास्पद कानून के लागू होने से उसे फयदा होगा।

भाजपा असम में सत्ता में है जबकि पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में या तो अपने बल पर अथवा क्षेत्रीय दलों के साथ सत्ता में है। भाजपा नेताओं का मानना है कि स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी हालांकि उन्हें असम में इसके प्रभावों को लेकर कुछ चिंताएं भी है। असम में बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर हिन्दू एकजुटता के कारण पार्टी 2016 में पहली बार सत्ता में आई थी। हालांकि स्थानीय असमिया पहचान के मुद्दे पर अगर यह विरोध प्रदर्शन ज्यादा समय तक रहा तब इसमें राजनीतिक गणित को बदलने की क्षमता भी है। भाजपा नेता हालांकि इसके कारण पश्चिम बंगाल में अपनी संभावनाओं को लेकर काफी उत्साहित हैं जहां इसके कारण काफी संख्या में लोगों को लाभ होगा। भाजपा के पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने दावा किया कि इनकी संख्या दो करोड़ हो सकती है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर राज्य में अशांति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि असम और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में अप्रैल..मई 2021 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं जब तमिलनाडु, केरल और पुदुचेरी में भी चुनाव होंगे।संसद ने बुधवार को नागरिकता संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी थी और अब राष्ट्रपति की मंजूरी एवं अधिसूचना जारी होने के बाद यह कानून बन गया है। इसमें 31 दिसंबर 2014 तक अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक प्रताड़ना के कारण भारत आए हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने का पात्र बनाने का प्रावधान है। बहरहाल, पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री फिरहाद हाकिम ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून,2019 को लेकर पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शन से केवल भाजपा को ही लाभ होगा। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन से राज्य को मदद नहीं मिलेगी जबकि इससे भाजपा के हाथ मजबूत होंगे।

नागरिकता कानून के खिलाफ राजद ने किया 21 को बिहार बंद का आह्वान

पटना। राष्ट्रीय जनता दल ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के विरोध में 21 दिसंबर को बिहार बंद का आह्वान करते हुए आरोप लगाया कि इसने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने शुक्रवार देर रात इसकी घोषणा की। उन्होंने संविधान और न्याय के सिद्धांत में विश्वास रखने वाले सभी राजनीतिक और गैर-राजनीतिक संगठनों से बंद में भाग लेने की अपील की। बंद की तारीख पहले 22 दिसंबर निर्धारित की गई थी, लेकिन बाद में इसे एक दिन पहले कर दिया गया ताकि अगले रविवार को होने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा प्रभावित न हो। 30 वर्षीय तेजस्वी ने पहले ट्वीट किया, संविधान की धज्जियां उड़ाने वाले नागरिकता संशोधन विधेयक जैसे काले कानून के खिलाफ राष्ट्रीय जनता दल 22 दिसंबर,रविवार को बिहार बंद करेगा। हम सभी संविधान प्रेमी, न्यायप्रिय, धर्मनिरपेक्ष दलों, गैर-राजनीतिक संगठनों और आम जनमानस से अपील करते है कि वे बढ़-चढ़कर इसे सफल बनाने में सहयोग दें। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसके बाद एक और ट्वीट कर बंद की तारीख में सुधार किया।उन्होंने ट्वीट किया, सुधार- बिहार बंद 21 दिसंबर, शनिवार को रहेगा क्योंकि 22 दिसंबर को बिहार पुलिस बहाली की परीक्षा है। नौजवानों और परीक्षार्थियों को बिहार बंद के चलते परीक्षा स्थल पर पहुँचने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो इसलिए बिहार बंद अब शनिवार, 21 दिसंबर को रहेगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने राकांपा कोटे से मंत्री पाटिल और भुजबल के विभागों में फेरबदल किया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को राकांपा के कोटे से मंत्री बने जयंत पाटिल और छगन भुगजल को गुरुवार को आवंटित विभागों में फेरबदल की। पाटिल को 12 दिसंबर को वित्त और योजना, आवास, जन स्वास्थ्य, निगम, खाद्य और जन आपूर्ति, श्रम और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई थी। वहीं भुजबल को सिंचाई, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, आबकारी, कौशल विकास, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग आवंटित किए गए थे। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक अब सिंचाई विभाग का कार्यभार पाटिल को दिया गया है जबकि भुजबल को खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता सरंक्षण और अल्पसंख्यक कल्याण की जिम्मेदारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र विकास अघाडी का नेतृत्व कर रहे शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 28 नवंबर को छह मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। महाराष्ट्र विकास अघाडी में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस शामिल हैं। माना जा रहा है कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र 21 दिसंबर को समाप्त होने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार किया जाएगा।

शिवसेना ने जीएसटी मुआवजा पर केंद्र और राज्यों के बीच संघर्ष की चेतावनी दी

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर मोदी सरकार माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मुआवजा का भुगतान करने में नाकाम रहती है तो इससे केंद्र और राज्यों के बीच संघर्ष छिड़ सकता है। शिवसेना ने यह भी कहा कि केंद्र की नीतियां देश में आर्थिक अराजकता के लिए जिम्मेदार है। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय में कहा, जीएसटी लागू होने की वजह से राज्यों को होने वाले राजस्व के नुकसान के मद में 50,000 करोड़ रुपए का भुगतान करने का केंद्र ने वादा किया था। लेकिन पिछले चार महीने से राज्यों को जीएसटी मुआवजा नहीं मिला।

संपादकीय में कहा गया है, यह पैसा राज्यों का है और इसके भुगतान में देरी से राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब हो सकती है। यदि संसाधनों में उनके (राज्यों के) उचित हिस्से नहीं दिए जाते हैं, जिसपर उनका अधिकार है, तो राज्यों को केंद्र के खिलाफ आवाज उठाना पड़ेगा। शिवसेना ने यह आलोचना वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा राज्यसभा में दिए बयान के दो दिन बाद की है। दरअसल, सीतारमण ने कहा था कि केंद्र जीएसटी मुआवजा राज्यों को देने की प्रतिबद्धता का सम्मान करेगा। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया था कि यह राशि कब जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि। जुलाई 2017 से लागू जीएसटी में राज्यों ने माल और सेवा पर कर वसूलने के अपने अधिकार केंद्र को इस शर्त पर सौंप दिए थे कि अगले पांच साल तक इसकी वजह से राजस्व को होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के मुताबिक विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने वाले राज्यों को नगर निकायों द्वारा एकत्र किए जाने वाली चुंगी का उन्मूलन करने के बाद नुकसान का सामना करना पड़ा है। जबकि केंद्र सरकार ने वादा किया था कि मुआवजा दिया जाएगा लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया। शिवसेना ने कहा कि भारत पेट्रोलियम जैसे मुनाफा में चल रही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को बेचा जा रहा है और केंद्र के पास प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर खर्च 500 करोड़ रुपए एअर इंडिया को चुकाने के लिए पैसे नहीं हैं। पार्टी ने कहा, इसलिए, यह संदेह है कि राज्यों को जीएसटी मुआवजा मिलेगा। पार्टी के मुखपत्र में कहा गया है, सभी राज्यों का मानना है कि जीएसटी मुआवजा देने की प्रतिबद्धता का केंद्र ने सम्मान नहीं किया। अगर यही स्थिति रही तो राज्य और केंद्र में विवाद होगा। इसी तरह का एक विवाद पूर्वोत्तर में नागरिकता (संशोधन) कानून-2019 को लेकर पैदा हुआ है।

पश्चिम बंगाल में हिंसा जारी रही तो राष्ट्रपति शासन की मांग करेंगे: भाजपा

भाषा। कोलकाता

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव राहुल सिन्हा ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में झड़पों और आगजनी की घटनाओं के लिए बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों को जिम्मेदार ठहराते हुए शनिवार को कहा कि अगर यही हालात रहे तो पार्टी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग करेगी। सिन्हा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को "तुष्टिकरण की नीतियों" का दोषी ठहराते हुए दावा किया कि इन नीतियों से पश्चिम बंगाल में ऐसे हालात पैदा हुए। भाजपा नेता ने कहा, "उन्होंने नागरिकता संशोधन विधेयक को लेकर राज्य में पिछले दो दिन से जारी हिंसा को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा, हम कभी भी राष्ट्रपति शासन का समर्थन नहीं करते। लेकिन अगर पश्चिम बंगाल में यह अराजकता जारी रही, तो हम हमारे पास राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। एक ओर पूरा राज्य जल रहा है, दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस सरकार सिर्फ मूकदर्शक बनी बैठी है। उल्लेखनीय है कि नागरिकता कानून के खिलाफ लगातार दूसरे दिन भी पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन हुए। इस दौरान करीब पांच ट्रेनों एवं तीन रेलवे स्टेशनों को आग के हवाले कर दिया गया और कम से कम 25 बसें भी फूंक दी गई तथा संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के संमत्रगाछी में संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ आगजनी करते आंदोलनकारी

किसे करें खुश

अभी कुछ ही दिनों पहले ट्रेनिंग करके लौटे योगी सरकार के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इन दिनों बहुत घबराये हुये हैं। घबराहट का कारण उनकी धर्मपत्नी का वह फरमान है जिसमें दोपहर दो बजे के बाद घर में खाना न देने की बात कही गई है। आपदा पीड़ितों को राहत का मरहम लगाने में रात-दिन जुटे यह अधिकारी समय की पाबंदी हटाने के लिये अब पत्नी को मक्खन लगाने में जुटे हैं। अभी तक उन्हें इसमें कामयाबी नहीं मिली है। सो मारे डर के दिन के एक बजे से ही अपनी घड़ी देखना शुरू कर देते हैं और दो बजते-बजते घर पहुंच जाते हैं। मजाल है कि जरा भी देरी हो हालांकि ट्रेनिंग से वापस लौटने के बाद पत्नी को खुश करने के लिये इस अधिकारी ने क्लीन सेव रहना शुरू कर दिया है और आधुनिक परिधान भी पहनने लगे हैं लेकिन अभी तक पत्नी के सामने उनके सारे जतन फेल साबित हुये हैं। सो अभी तक ठीक दो बजे घर पहुंचने का सिलसिला जारी है। इससे पहले आपदा से जुड़े कार्यों और योजनाओं को लेकर यह अधिकारी रात-दिन जुटे रहते थे ताकि सीएम योगी की कसौटी पर खरा उतर कर उन्हें खुश किया जा सके। काम के प्रति उनकी इस दिलचस्पी का असर बाद के दौरान दिखा भी लेकिन पत्नी के फरमान के बाद उनके सामने धर्मसंकट की स्थित बन गई है और वह समझ नहीं पा रहे हैं कि सरकार को खुश रखे या धर्म पत्नी को।

एडहाक प्रवक्ता

जिस पार्टी की मुखिया ही उम्रदराज हैं उसकी सुबाई यूनिट के बुजुर्ग नेता हाशिए पर डाल दिए गए हैं। इनमें से कुछ ने पिछले दिनों आवाज उठाने की हिमाकत की तो उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। मगर उम्मीद पर दुनिया कायम है।

मोहे भाये न...

अमुमन लोगों को सांसद बनने के बाद केंद्रीय मंत्री बनने की उम्मीद रहती है लेकिन एक पूर्व कैबिनेट मंत्री को सांसदी में मजा नहीं आ रहा है। जब महोदया कैबिनेट मंत्री थीं तो रोज किसी न किसी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेतीं या किसी समारोह में फीता काटती रहती थीं। इन कार्यक्रमों से जब फुर्सत मिलती तो अपने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करती थीं मगर अब सिर्फ वह सिर्फ एक सांसद हैं। पहले वाला जलवा सब समाप्त हो गया है लेकिन अभी उम्मीद है कि देर सवेर अगर कहीं केंद्रीय मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ तो हो सकता है कि वह जलवा फिर कायम हो जाए। इसी उम्मीद में उनका ज्यादातर प्रवास राष्ट्रीय राजधानी में ही रहता है ताकि केंद्रीय नेतृत्व के बीच चर्चा में बनने का मौका मिलता रहे। महोदया का पहले महिला और अन्य विषयों पर बयान अखबारों में और खबरिया चैनलों में दिखाई पड़ता था लेकिन अब सन्नाटा है।

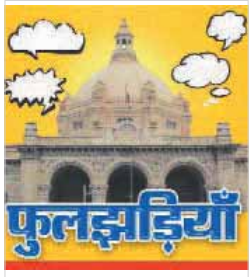

पुराने मुखिया का भूत

अपने शिक्षा संस्थान का नाम आजकल सुर्खियों में है। हो भी क्यों न, जब मुखिया से लेकर शिक्षक तक एक ही धंधे में संलिप्त हैं। ऑडियो वायरल होने के बाद तो एक-एक कर ऑडियो की परतें खुलती जा रही हैं और सफेद स्याह रंग में सभी के सामने आता जा रहा है। कुछ भी हो व्यक्तिगत से सार्वजनिक प्लेटफार्म पर पहुंचे इस घटना में सबसे ज्यादा नुकसान छात्रों का हुआ है। घटना के विरोध में छात्रों में आक्रोश भरा हुआ है जिसको लेकर छात्र धरना-प्रदर्शन तक कर रहे हैं। पूरी घटना में अपने को हरिश्चन्द्र घोषित करने में लगे संस्थान के मुखिया अब बेचारे की भूमिका में आ गये हैं। उन्हें पुराने मुखिया का भूत सता रहा है। पहले तो उन्होंने छात्रों की आड़ लेते हुए घटना को साजिश करार देते हुए अप्रत्यक्ष रूप से पुराने मुखिया पर दोषारोपण कर दिया। उनके बारे में यहां तक कह डाला कि प्रदर्शनकारी उनको दोबारा लाने की मांग कर रहे हैं। इसके बाद भी जब उनका मन नहीं भरा तो उन्होंने इसे अपने खिलाफ साजिश करार देते हुए पुराने मामलों का सहारा लिया। मगर जबसे मुखिया जी का ऑडियो वायरल हुआ है, तब से उन्हें पुराने मुखिया का ज्यादा खौफ सताने लगा है। अब तो वह न किसी से मिल रहे हैं और न ही अपने कार्यालय में बैठ रहे हैं। आवास को ही कैंप आफिस बना लिया है।

हम हैं उपयोगी

किसी ने सच ही कहा है कि हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या। यह कहावत एलडीए के बड़े साहब पर सटीक बैठती है। दमदार बड़े साहब की सत्यनिष्ठा और कड़े फैसले के कसीदे पढ़े जाने लगे हैं। फिर क्या एक दो फैसले प्रासंगिक न भी हो तो भी चलेगा। बड़े साहब ने आवासों की बाढ़ लगाने में जुटे हुए हैं। साहब के उत्साह का आलम यह है कि पहले से रिक्त पड़े फ्लैटों को खरीदने वाले नहीं मिल रहे हैं लेकिन वह दूसरी आवासीय योजना शुरू करने के मूड में हैं। यह देखकर साहब के साथ उनके समकक्ष भी जयकार करने लगे। आलम यह है कि 3 हजार से अधिक आवास बेचे बिक नहीं रहे हैं पर मीके को भुनाने में साहब जुटे हुए हैं। हालांकि अंदरखाने साहब को पहले से पीएम आवास पर रुके फ्लैट गले की हड्डी बने हुए हैं। इन्हें बनाने के लिए पर्याप्त जमीन ढूंढे नहीं मिल रही है। लेकिन बड़े साहब के कुशल प्रबंधन और मजबूत सेटिंग के कारण प्रबंध योजना में मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाकर हजार दो हजार, नहीं बल्कि 50 हजार फ्लैट बनाने के सपने देखे जाने लगे हैं। कुछ भी हो एक दो मामले में भले ही प्रबंधन की पोल खुली हो पर अधिकतर मुद्दों को हल करने में एलडीए के बड़े साहब चैम्पियन बनकर जरूर उभरे हैं। यही कारण है कि कर्मचारी नेता हो या बड़े बिल्डर किसी की दाल साहब के आगे नहीं गली है। अब तो कुछ लोग यहां तक कहने लगे हैं, जब तक हैं योगी, बने रहेंगे बड़े साहब एलडीए के लिए उपयोगी।

खेवनहार पिता

देश की सबसे पुरानी पार्टी का साथ छोड़कर भगवा धारण करने वाली बहुत से गुणों वाली पूर्व मंत्री जब से देश की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंची हैं तब से उनका जोश खो सा गया है। कुल मिलाकर वह विलुप्त सी हो गई हैं। काफी लम्बा समय बीत जाने के बाद जब उन्हें अपनी विलुप्ता का एहसास हुआ तो उन्हें अपने पिता की याद आई। पिता की याद आए भी क्यों न। उन्हीं से तो उनकी राजनीति है। कुल मिलाकर स्व. पिता ही तो उनकी बैसाखी रहे हैं। अब सबसे बड़ी पंचायत में जाने के बाद विलुप्ता की स्थिति में आ जाने वाली बहु गुणों वाली इन पूर्व मंत्री ने चर्चा में आने के लिए एक बार फिर अपने स्व. पिता के नाम का सहारा लिया है कि कहीं तो कोई इनकी सुध ले ले। पिता के नाम से देश-प्रदेश में होने वाले कार्यक्रम को लेकर वह एक बार फिर चर्चा में आने के प्रयास में जुट गईं हैं। उन्हें पूरी उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के बहाने ही शायद सत्ता के उच्च पदों पर बैठे उनके आका उनकी सुध ले लें और उनके दिन एक बार फिर से बहुर जाएं और वह लाव-लश्कर से मजबूत हो जाएं।

अमूल व तेलंगाना की संस्थाओं से लें प्रेरणाः सूर्य प्रताप शाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि सहकारिता आन्दोलन की शुरूआत 1904 में हुई थी। आज का युग सहकारिता का युग है। किसानों को हर संभव सुविधा प्रदान करने का काम किया जा रहा है। गुजरात की संस्था अमूल व तेलंगाना राज्य में स्थित संस्थाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं से प्रेरणा लेकर उत्तर प्रदेश में स्थित सहकारी संस्थाओं को कार्य करते हुए लाभ कमाने व लोगों की मदद करने का काम किया जाना चाहिए। यह बात कृषि मंत्री श्री शाही ने शनिवार को डालीबाग स्थित लाल बहादुर शास्त्री गन्ना किसान संस्थान में उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ की वर्ष 2018-19 की वार्षिक सामान्य निकाय की आयोजित बैठक में कही। उन्होंने कहा कि यह संस्था पर किसी बैंक का ऋण नहीं है और यह संस्था लाभ में है यह एक शुभ संकेत है। इस संस्था द्वारा निर्माण कार्य कराया जाता है। निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराते हुए लोगों में विश्वास की

सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण किसानों का विकास किया जा रहा है: मुकुट बिहारी वर्मा

भावना पैदा करने का भी काम किया जाना चाहिए। संस्था द्वारा जो भी निर्माण कार्य कराये गये है उससे संबंधित आज यहां पर एक प्रदर्शनी लगायी जानी चाहिए थी, जिससे लोगो को जानकारी मिलती कि इस संस्था द्वारा मानक व गुणवत्तापूर्ण ढंग से भवनों का निर्माण कराया जाता है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग हमेशा सहकारिता का सहयोग किया है और आगे भी करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि किसानों को खाद, बीज समय से उपलब्ध कराया जाना चाहिए इसका पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा कि सहकारिता आन्दोलन ईश्वरीय कार्य है। कोआपरेटिव हमेशा जोड़ने का काम करता है। सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण किसानों का विकास किया जा रहा है। श्री वर्मा ने कहा कि सभी संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक अवश्य कराये इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी राज्य निर्माण सरकारी संघ लि. द्वारा निर्माण कार्य मानक व गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराये जा रहे है, परन्तु भविष्य में भी नई तकनीक व गुणवत्तापूर्ण ढंग से भवनों का निर्माण कार्य निर्धारित समय में कराये जाये, इसका विशेष ध्यान रखा जाये। जब संस्था का निर्माण कार्य बेहतर होगा तो अन्य सभी विभागों के निर्माण कार्य संस्था को मिलेंगे और संस्था निरन्तर प्रगति की ओर बढ़ेगी।

ग्राम्य विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह 'मोती सिंह' ने कहा कि सहकारिता आन्दोलन नई ऊंचाईयों को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि संचालक मण्डल व प्रबन्ध निदेशक द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

राहुल का माफी न मांगना बालहठः सुधांशु त्रिवेदी

सभी के समर्थन से नागरिकता संशोधन विधेयक पारित हुआ:अनिल जैन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 को लेकर कई राज्यों में हो रहे विरोध के बीच बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री अनिल जैन और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने लखनऊ में संयुक्त रूप से मीडिया से बातचीत में कहा कि सिटिजन अमेंडमेंट बिल पास हुआ है कुछ लोग इसमें राजनीतिक कारणों से भ्रांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पार्टी जिलों में जाकर कार्यशाला आयोजित करेगी और बुद्धिजीवियों के समक्ष इस विषय पर पार्टी का पक्ष रखते हुए लोगों को समझाने का प्रयास करेगी इसको लेकर रणनीति बनाई जा रही है। सुधांशु ने रेप के मसले पर राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला और कहा कि राहुल गांधी में बाल सुलभ उच्छृंखलता है। इसी लिए उन्होंने माफी न मांगने का बालहठ कर रखा है। राहुल गांधी को यह गलती अक्षम्य है। देश उन्हें माफनहीं करेगा। नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 को लेकर राज्यों में कार्यशाला का आयोजन कर रही है। इसी क्रम में शनिवार को लखनऊ बीजेपी मुख्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अनिल जैन ने कहा कि सिटिजन अमेंडमेंट बिल पास हुआ है कुछ लोग इसमें राजनीतिक कारणों से भ्रांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी ने बहुमत से इस बिल को पास किया है। सभी के समर्थन से ही यह बिल दोनों सदन से पास हुआ है। इसके बाद ही राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ यह कानून बना है। राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि बीजेपी ने पूरे देश में 6 कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आज लखनऊ में पहली कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान बिल से संबंधित जानकारियों से लोगों को जागरूक किया गया। जो लोग झूठ फैला रहे हैं वह भी जानते हैं कि देश के मुसलमानों का इससे कोई लेना देना नहीं है। डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहाकि भारत में अपनी स्थापित परंपरा के अनुसार जब-जब ऐसा महसूस हुआ है कि पड़ोस में कहीं लोग प्रताड़ित हो रहे हैं तब हमने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि भारत में अपनी स्थापित परंपरा के अनुसार जब-जब ऐसा महसूस हुआ है कि पड़ोस में कहीं लोग प्रताड़ित हो रहे हैं तब हमने संशोधन किया जब पड़ोस में नेपाल में दलाई लामा प्रताड़ित हो रहे थे तो उन्हें हमने शरण दी। श्रीलंका में तमिलों पर अत्याचार हुआ तो उन्हें शरण दी गई। इसी क्रम में अगर इस बार भी विधेयक लाकर हमने कुछ ऐसे अपने सहयोगी जोकि पीड़ित हैं उन्हें राहत देने का काम किया है। भारत आज विश्व स्तर पर सबसे शक्तिशाली देश के रूप में चल रहा है तो हमें अपने आसपास के देशों में लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य करना होगा।

बोर्ड परीक्षा में टॉपरों के घरों तक बनेंगी पक्की सड़कें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा कि जो बच्चे बोर्ड परीक्षा में टॉपर होंगे उनके घरों तक हम पक्की सड़क बनाने का काम करेंगे। उस सड़क का नाम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम गौरव पथ रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस विद्यालय से हाई स्कूल व इंटर में बच्चे टॉप करेंगे उस स्कूल तक भी पक्की सड़क सरकार बनाएगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि दुनिया के अंदर सबसे अधिक युवाओं वाला देश भारत है। युवाओं के हाथ देश का भविष्य है। प्रदेश सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिसकी वर्तमान पीढ़ी को आवश्यकता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज के युवा प्रतिभाशाली हैं। युवाओं के सुझाव को सरकार अमल में लाएगी। इस राष्ट्र के उत्थान के लिए युवाओं को मिलकर काम करना होगा। युवाओं के लिए देश ही नहीं दुनिया के लिए बड़ी भूमिका है। पूरी दुनिया भारत के युवाओं के तरफ देख रही है। डिप्टी सीएम ने कहा कि आज महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चर्चा है। हमारे समाज में पहले एक मातृ शक्ति के प्रति आदर के भाव में गिरावट आई है। मातृ शक्ति के प्रति भाव पैदा हुआ है कि वे पढ़कर कुछ कर सकते हैं।

उन्होंने के हा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व मे 66 माह की केंद्र सरकार में देश आगे बढ़ा है। विगत 35 माह में यूपी की विकास की ओर अग्रसर है। हमने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से बलिया को जोड़ा। हर क्षेत्र में केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर काम कर रही है। आज एक ऐसी सरकार बनी हैए जो किसी को चिकित्सा के अभाव में मरने नहीं देगी। इसी के तहत गरीबो को पांच लाख के इलाज की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। पढ़ाई में भी अच्छी व्यवस्था की गई है। कहा कि आज कान्वेंट विद्यालय के बच्चों की तरह सरकारी स्कूलों में भी बच्चों के लिए यूनिफॉर्म की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि नैतिक शिक्षा पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। आज प्राथमिक स्तर से ही नैतिक शिक्षा देनी जरूरत है। उत्तर प्रदेश में आज बच्चों के मन में यह भाव पैदा हुआ है कि वे पढ़कर कुछ कर सकते हैं।

गलत आर्थिक नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को किया कमजोर

प्रसपा 18 को 'संविधान बचाओ-देश बचाओ' के संकल्प के साथ करेगी उपवास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (प्रसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि प्रसपा 18 दिसम्बर को 'संविधान बचाओ-देश बचाओ' के संकल्प के साथ उपवास का आयोजन करेगी। उन्होंने कहा कि कानून के सामने सब बराबर हैं। इस लिए देश में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को विधियों के समान संरक्षण से वंचित नही किया जा सकता, भले ही वह भारतीय गणराज्य का नागरिक न हो। ऐसे में देश में रह रहे किसी विदेशी नागरिक को धर्म के आधार पर आश्रय से वंचित करना गलत है। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने यह जानकारी शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया प्रसपा की कोर समिति की बैठक में दी। शिवपाल ने कहा कि नागरिकता संशोधन विधेयक, एनआरसी विवाद और सर्वोच्च न्यायालय, सीबीआई व चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे हस्तक्षेप व हमले के विरोध में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया 18 दिसम्बर बुधवार को हजरतगंज स्थित जीपीओ पार्क में 'संविधान बचाओ देश बचाओ' के संकल्प के साथ उपवास का आयोजन करेगी। बैठक को सम्बोधित करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सरकार की गलत आर्थिक नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर दिया है। जीएसटी की जटिलता व नोटबंदी से अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हुआ है।

दैवीय आपदाओं की सूची में बदलाव की तैयारी

लखनऊ (पीएनएस)। घोषित आपदाओं की सूची में योगी सरकार बदलाव की तैयारी कर रही है। आधा दर्जन से अधिक मानवजनित आपदाओं को राज्य स्तरीय आपदा की श्रेणी में लाया जा रहा है। इसके अलावा कुछ आपदाओ को राष्ट्रीय आपदा की श्रेणी में शामिल करने के लिये केन्द्र से राज्य सरकार पहल करने जा रही है। मानवजनित नयी दुर्घटनाओं के आपदा की श्रेणी में शामिल किये जाने के बाद पीड़ित परिवारों को आपदा मोचक निधि से आर्थिक मदद का रास्ता खुल जाएगा। अभी कुल 15 तरह के हादसों को आपदा की श्रेणी में रखा गया है। जिसमे हिमस्खलन, चक्रवात, बादल फटना, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, ओलावृष्टि, भूस्खलन, कीट आक्रमण तथा शीतहलहरी को राष्ट्रीय आपदा की सूची में शामिल कर रखा गया है, जबकि चार राज्य स्तरीय आपदा घोषित हैं। जिसमे बेमौसम बारिश, आकाशीय बिजली, आंधी-तूफान तथ लू-प्रकोप है। अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि आधा दर्जन से अधिक नयी दुर्घटनाओं को भी सरकार राज्य स्तरीय आपदा की श्रेणी में लाने जा रही है। जिसमे सड़क दुर्घटना, रसायनिक हादसा, जहरीली शराब, नौका दुर्घटना सहित कुछ अन्य हैं।

डिप्लोमा व इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में ऊर्जा संरक्षण विषय को शामिल किए जाने पर जोर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र मथुरा में मोबाइल ऐप, प्रधानमंत्री कुसुम योजना के कम्पोनेन्ट तथा कम्पोनेन्ट सी का शुभारम्भ किया गया तो लखनऊ में इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान में भी यूपीनेडा द्वारा विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस-2019 मनाया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यमंत्री रमा शंकर सिंह पटेल ने करते हुए कहा कि ऊर्जा संरक्षण हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उप्र शासन द्वारा इसके लिए काफी प्रयास किए जा रहे है। प्रदेश के सभी डिस्कॉम के लिए डीएसएम प्लान बनाया जा रहा है तथा ऊर्जा संरक्षण नीति बनायी जा रही है। अनिल कुमार सचिव यूपीनेडा ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण दिवस, हमें ऊर्जा संरक्षण के उपायों को अपनी दैनिक जिन्दगी में उपयोग में लाने की प्रेरणा देता है। प्रमुख सचिव ऊर्जा अरविन्द कुमार ने ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता तथा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतो के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया तथा यूपीनेडा द्वारा उप्र स्टेट डेजिगनेटेड एजेन्सी के रूप में किये जा रहे विभिन्न कार्यो के बारे में बताया। उन्होंने डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण विषय को शामिल करते हुए पाठ्यक्रम विकसित किये जाने, विभिन्न राजकीय पालिटेकनिक के अध्यापकों को ऊर्जा संरक्षण पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षित किये जाने, कृषको के सामान्य पम्प सेटो को ऊर्जा दक्ष पम्प सेट से परिवर्तित किये जाने आदि के बारे में भी जानकार दी। इस अवसर पर ऊर्जा संरक्षण पर रेडियो पर प्रसारित होने वाले जिंगल का प्रदेश में शुभारम्भ किया गया। यूपीनेडा की वेबसाइट पर प्राप्त अंकों के आधार पर पांच स्कूलों और पांच संस्थानों को सम्मानित किया गया। इसमें कारी सैय्यद सिद्दीकी अहमद इण्टर कालेज कौशाम्बी, सेमफोर्ड स्कूल नटवा मिर्जापुर, एमआईईटी पब्लिक स्कूल मेरठ, मदरसा अरबिया मदीनातुल उलूम निसवाँ कौशाम्बी, सेमफोर्ड स्कूल, बसही मिर्जापुर, हिण्डाल्को इण्डस्ट्रीज लिमिटेड सोनभद्र, मेरठ इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी मेरठ, सैमसंग इण्डिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड नोएडा, आईसीआईसीआई बैंक (करेन्सी चेस्ट) लखनऊ, आईसीआईसीआई बैंक लि0, शालीमार टावर, लखनऊ को सम्मानित किया गया। विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा ऊर्जा संरक्षण के सन्देश के साथ रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम में 7 स्कूलों के लगभग 450 विद्यार्थी उपस्थित थे जिन्हें ऊर्जा संरक्षण की प्रेरणा के लिए एलईडी टेबुल लैम्प वितरित किए गए। इस अवसर पर विभिन्न फर्मो द्वारा ऊर्जा संरक्षण एवं सौर ऊर्जा से संबंधित उपकरणों के स्टाल लगाए गए। 14 से 21 दिसम्बर तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जायेगा जिसमें ऊर्जा संरक्षण के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए विभिन्न जनपदों में नुक्कड़ नाटक भी आयोजित कराए जा रहे है। कार्यक्रम के समापन में यूपीएसडीए प्रभारी तथा वरिष्ठ परियोजना अधिकारी अशोक कुमार श्रीवास्तव ने सभी का धन्यवाद दिया।

सपा 19 को मण्डलायुक्त कार्यालयों पर देगी धरना

लखनऊ(पीएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी द्वारा नागरिकता संशोधन विधेयक, बेकारी, मंहगाई महिलाओं पर अत्याचार, गन्ना, धान, एवं आलू तथा अन्य किसानों की समस्याओं को लेकर 19 दिसम्बर को सभी मण्डलीय आयुक्तों के कार्यालय पर प्रात: 10:30 बजे से सायंकाल 4 बजे तक बड़े पैमाने पर धरना दिया जाएगा। यह जानकारी सपा प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने दी। उन्होंने कहा कि गन्ना, धान, आलू आदि के किसान घोर संकट में है। परन्तु प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है। बड़ी संख्या में गन्ना किसानों को पर्ची नहीं दी जा रही है जिसके कारण गन्ना माफिया उन किसानों को गन्ना 225 से 250 रू प्रति कुंतल बेचने पर मजबूर किया जा रहा है। प्रशासन की मिली भगत से गन्ना माफिया गन्ना केन्द्रों पर गन्ना उतराई शुल्क जबरन वसूल कर रहे हैं। किसानों का पिछले वर्षों का लगभग 5000 करोड़ रूपया गन्ना मूल्य अभी तक गन्ना मिल मालिकों द्वारा भुगतान नहीं किया गया है। वर्तमान गन्ना सत्र का भुगतान मिल मालिकों द्वारा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नागरिकता विल लाकर देश और समाज को बांटने की साजिश की है। इस विल से समाज के बड़े वर्ग में तनाव और आक्रोश व्याप्त हो गया है। यह केन्द्र सरकार की बहकाने की राजनीति का हिस्सा है ताकि जनता का ध्यान मूल मुद्दों और आर्थिक मंदी से भटकाया जा सके।

कांग्रेस कैब के खिलाफ भड़का रही हिंसा: अमित शाह

● गृह मंत्री शाह ने पूर्वोत्तर के लोगों को आश्वासन दिया कि इस अधिनियम से उनकी संस्कृति, भाषा सामाजिक पहचान और राजनीतिक अधिकार नहीं होंगे प्रभावित

भाषा। गिरिडीह, बाघमारा (झारखंड)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस पर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। शाह ने गिरिडीह और बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभाओं में कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के पारित होने से विपक्षी दल को पेट दर्द होने लगा है। उन्होंने कहा, हम नागरिकता संशोधन अधिनियम लेकर आए हैं और कांग्रेस को पेट दर्द होने लगा है। वह उसके खिलाफ हिंसा भड़का रही है। शाह ने पूर्वोत्तर के लोगों को आश्वासन दिया कि इस अधिनियम से उनकी संस्कृति, भाषा, सामाजिक पहचान और राजनीतिक अधिकार प्रभावित नहीं होंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैं असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनकी संस्कृति, सामाजिक पहचान, भाषा, राजनीतिक अधिकारों को नहीं छुआ जाएगा तथा नरेंद्र मोदी सरकार उनकी रक्षा करेगी। शाह ने कहा कि मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा और उनकी सरकार के मंत्रियों ने इस मुद्दे पर चर्चा को लेकर शुक्रवार को उनसे मुलाकात की है। गृहमंत्री ने कहा, उन्होंने कहा कि मेघालय में समस्या है। मैंने उन्हें समझाने का प्रयास किया कि कोई मुद्दा नहीं है। उसके बाद भी उन्होंने मुझसे (कानून में) कुछ बदलाव करने को कहा। उन्होंने कहा, मैंने संगमा जी को क्रिसमस के बाद समय मिलने पर मेरे पास आने को कहा। हम मेघालय के वास्ते रचनात्मक तरीके से समाधान ढूंढने के लिए सोच सकते हैं। किसी को डरने की जरूरत नहीं है।

राहुल गांधी पर प्रहार करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बस शोर मचा रहे हैं और उन्हें भारत के इतिहास की जानकारी नहीं है और उन्होंने अपनी आंखों पर इतालवी चश्मा लगा रखा है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी की युवा ईकाई का एक जिलाध्यक्ष भी यह बता सकता है कि झारखंड में पांच साल के भाजपा शासन में क्या-क्या विकास कार्य हुए और राहुल गांधी की कांग्रेस ने 55 साल के अपने शासन दौरान क्या कार्य किए। उन्होंने कहा, राहुल गांधी और हेमंत सोरेन कहते हैं कि कश्मीर मुद्दा झारखंड चुनाव में क्यों महत्वपूर्ण है?.... इस राज्य के युवा देश की सीमा को सुरक्षित रख रहे हैं। लेकिन राहुल गांधी इतिहास नहीं जानते, क्योंकि उन्होंने आंखों पर इतालवी चश्मे लगा लिए हैं। शाह ने कांग्रेस पर नक्सलवाद को बढ़ावा देने, कश्मीर को आतंकवादियों के हाथों में सौंप देने और अयोध्या मुद्दे को सालों तक लटकाने का भी आरोप लगाया। शाह ने कहा कि कांग्रेस भाजपा पर मुसलमानविरोधी होने का आरोप लगाती है लेकिन यही राजग सरकार है जो तीन तलाक कानून लाई। उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा नीत सरकार के दौरान लोगों को बिजली मिली, एलपीजी सिलेंडर मिले और मकान भी मिले। गिरिडीह और बाघमारा में चौथे चरण में 16 दिसंबर को मतदान होना है।

अमृतसर में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल तीसरी बार पार्टी के अध्यक्ष चुने जाने पर पार्टी के नेताओं के साथ

सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना विरोध नहीं: अपर्णा

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन के बीच मशहूर फिल्मकार अपर्णा सेन और अन्य बंगाली बुद्धिजीवियों ने शनिवार को कहा कि सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना विरोध दर्ज कराने का सही तरीका नहीं है।

सेन ने कहा कि कई बार जब लोग भावना में बह जाते हैं तो आंदोलन अतिवादी रूप ले लेता है, लेकिन यह विरोध करने का सही तरीका नहीं है। पश्चिम बंगाल में नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया है। लोग रेलवे स्टेशनों पर रेलवे की संपत्तियां और राजमार्गों पर बसों को जला रहे हैं। सेन ने कहा, हमें केंद्र के कुछ फैसलों के खिलाफ अपनी शिकायत प्रकट करने के लिए अपनी संपत्तियां नहीं जलानी चाहिए। प्रदर्शन करने की जरूरत तो है , लेकिन इस तरह नहीं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के करीबी समझे जाने वाले बुद्धिजीवियों के एक समूह ने प्रदर्शनकारियों से राष्ट्रीय नागरिक पंजी और नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए हिंसा नहीं करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने की अपील की। चित्रकार सुभाप्रसन्ना, कवि जॉय गोस्वामी और सुबोध सरकार, भारतविद नृसिंह प्रसाद भादुरी ने यहां एक मीडिया सम्मेलन में सभी से एनआरसी और नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध करने की अपील की लेकिन लोकतांत्रिक तरीके से। गोस्वामी ने कहा, कृपया, उन लोगों का हाथ मजबूत मत कीजिए जो समाज में विभाजन पैदा करना चाहते हैं। उन कुछ शक्तियों की साजिश का शिकार मत होइए जो इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। इन हस्तियों ने प्रदर्शनकारियों से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर विश्वास रखने का आह्वान किया।

मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में विदेशी नागरिक गिरफ्तार

हैदराबाद। आबकारी प्रवर्तन शाखा के अधिकारियों ने यहां शनिवार को मादक पदार्थ एवं कोकीन की तस्करी के आरोप में फलस्तीनी एवं ओमान के एक-एक नागरिक को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर इन दोनों विदेशियों को बंजारा हिल्स से पकड़ा गया और इनके पास से आठ ग्राम कोकीन, नौ ग्राम मिथाइलीन डाई ऑक्सीमेथमफेटामाइन (एमडीएमए) एवं एक्सटेसी की चार गोलियों (नशीली दवाओं) के साथ चार मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई। उन्होंने बताया कि ए लोग इन मादक पदार्थों को बेंगलुरू और गोवा से खरीदने के बाद उन्हें जश्न वाली जगहों पर 7,000 रुपए प्रति ग्राम कोकीन, 4,000 रुपए प्रति ग्राम एमडीएमए और एक्सटेसी की एक गोली 2,000 रुपए में बेचते थे।

हर आतंकवादी हमले की कीमत चुकानी होगी: धनोआ

● सैन्य साहित्य महोत्सव के दूसरे दिन अंडरस्टैंडिंग द मैसेज ऑफ बालाकोट पर चर्चा

भाषा। चंडीगढ़

भारतीय वायु सेना के पूर्व प्रमुख बी एस धनोआ ने कहा है कि बालाकोट हवाई हमला पाकिस्तानी प्रतिष्ठानों एवं आतंकवादी संगठनों को यह बताने के लिए था कि भारत में किसी भी आतंकवादी हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी और प्रभावी तरीके से यह संदेश पड़ोसी मुल्क को समझा दिया गया है। पंजाब सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से यहां आयोजित सैन्य साहित्य महोत्सव के दूसरे दिन अंडरस्टैंडिंग द मैसेज ऑफ बालाकोट पर चर्चा के दौरान पूर्व वायु सेना अध्यक्ष बोल रहे थे। धनोआ ने कहा, बालाकोट का संदेश पाकिस्तानी प्रतिष्ठानों एवं आतंकवादी संगठनों को यह बताने के लिए था कि भारत में आतंकवादी हमले की कीमत चुकानी पड़ेगी, जो प्रभावी रूप से बता दिया गया है। उन्होंने हालांकि कहा, हमारी तरफ से..... कुछ मूर्खतापूर्ण गलतियां हुई हैं जिसके लिए उपाय किए गए हैं और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा। धनोआ ने हालांकि, ए मूर्खतापूर्ण गलतियां क्या थी, इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी उन्होंने यह भी कहा, हम 27 फरवरी (जब पाकिस्तान वायु सेना ने बालाकोट हमले के एक दिन बाद जवाबी कार्वाई की) को पीएएफ (पाकिस्तान वायु सेना) के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्वाई नहीं कर सके। धनोआ ने जोर देकर कहा कि भारत सरकार ने जिस प्रकार बड़े पैमाने पर हताहत होने वाले आतंकवादी हमलों का जवाब दिया है वह अपने आप में एक मिसाल है। उन्होंने इशारा किया कि मुंबई में 1993 में हुए बम धमाकों एवं 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मद्देनजर भारत की तरफ से कोई सैन्य कार्वाई नहीं हुई। वायुसेना प्रमुख के पद से 30 सितंबर को अवकाश ग्रहण करने वाले धनोआ ने कहा, उरी में 2016 में हुए आतंकवादी हमले के बाद सेना पहली बार जवाब दिया और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के लांच पैड को ध्वस्त किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को संदेश मिल गया कि नई सरकार अपनी धरती पर होने वाले बड़े आतंकवादी हमले का जवाब सैन्य तरीके से देगी। धनोआ ने कहा कि इस साल फरवरी में हुए पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तानी प्रतिष्ठानों में इस बात का डर बैठ गया कि इसका बदला लिया जाएगा। इस हमले में 40 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा, केवल दो प्रश्न थे - कब और कहां इसका बदला लिया जाएगा। पूर्व एयर चीफ मार्शल ने बताया कि बालाकोट स्थित आतंकवादी संगठन जैश ए मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविरों को निशाना बनाने का निर्णय किया गया क्योंकि पुलवामा हमले के पीछे इसी आतंकवादी संगठन का हाथ था। धनोआ ने कहा, सरकार और राजनीतिक इच्छाशक्ति स्पष्ट थी और जैश ए मोहम्मद तथा पाकिस्तानी प्रतिष्ठान को यह बताना था कि ऐसे हमलों की कीमत चुकानी होगी चाहे आप जहां कहीं भी हों। चाहे वह पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हो या फिर पाकिस्तान, हम तुम्हें मारेंगे और यही बालाकोट का संदेश है। पाकिस्तान की कमजोर आर्थिक स्थिति की तरफ इशारा करते हुए धनोआ ने कहा कि फरवरी 2019 में पड़ोसी मुल्क जबरदस्त आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था। उन्होंने कहा, पाकिस्तान का विदेश मुद्र भंडार हमारे 400 अरब अमेरिकी डालर की अपेक्षा 50 अरब अमेरिकी डालर है। अगर वे हमारे साथ युद्ध करते, उन्हें निश्चित तौर पर धूल चाटनी पड़ती। इस साल 14 फरवरी को पुलवामा में हुए आतंकवादी हमलों का बदला लेते हुए भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी को हवाई हमला कर बालाकोट में स्थित जैश ए मोहम्मद आतंकवादी संगठन के प्रशिक्षण केंद्र को ध्वस्त कर दिया था। पाकिस्तानी वायु सेना ने इसके अगले दिन जम्मू कश्मीर में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का असफल प्रयास किया था।

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन की आशंका

शिमला। हिमाचल प्रदेश में हाल में हुई बर्फबारी और भारी वर्षा के बाद हिमस्खलन एवं भूस्खलन की आशंका से लोगों एवं पर्यटकों को सावधान रहने को कहा गया है। चंबा के उपायुक्त विवेक भाटिया ने कहा कि लोगों को चंबा जिले के पांगी, भरमौर, तीसा और सलूनी के हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों की ओर नहीं जाने की सलाह दी गई है। उपायुक्त ने साथ ही लोगों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की ओर नहीं जाने की सलाह दी। भाटिया ने कहा कि लोक निर्माण विभाग के लोग और मशीनरी उन सड़कों को यातायात के वास्ते खोलने में लगी हैं जो हाल की बर्फबारी एवं भारी बारिश के चलते बंद हो गई थीं। उन्होंने कहा कि हाल के खराब मौसम के चलते जिन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई थी, वहां बिजली आपूर्ति बहाल करने के प्रयास चल रहे हैं।

पेज एक का शेष

बंगाल में...

20 दुकानों में आगजनी की गई। सैकड़ों प्रदर्शनकारी जिले के संकरेल रेलवे स्टेशन परिसर में जुटे और एक हिस्से में आग लगा दी। स्टेशन पर मौजूद रेलवे पुलिस बल के कर्मियों की पिटाई भी की। रेलवे के क्षेत्रीय प्रवक्ता संजय घोष ने बताया कि दक्षिण पूर्वी रेलवे के हावड़ा-खड़गपुर खंड पर भी सुबह 11 बजे से ट्रेन सेवाएं ठप रहीं क्योंकि प्रदर्शनकारी सांकरील, नालपुर, मोरीग्राम और बकरनवाबाज़ स्टेशनों पर पटरियों पर बैठ गए थे। आठ एक्सप्रेस ट्रेनों सहित 20 ट्रेनें दक्षिण पूर्व जोन के विभिन्न स्टेशनों पर रोकी गईं। कई ट्रेनें रद्द भी कर दी गईं। इस कानून को लेकर पूर्वोत्तर राज्यों में जबर्दस्त नाराजगी है। लोगों को आशंका है कि इससे घुसपैठ की समस्या और गंभीर होगी। दूसरी तरफ मुसलमानों को इस बात की चिंता है कि नागरिकतका संशोधन कानून राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के राष्ट्रव्यापी क्रियान्वन के पहले का कदम हो सकता है। असम के डिब्रूगढ़ और गुवाहाटी में शनिवार को कई घंटों के लिए अनिश्चितकालीन कर्फ्यू में ढील दी गई। ये दोनों शहर विवादित कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का केंद्र बने हुए हैं। असम में अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन में मारे गए लोगों की संख्या बढ़ कर तीन पहुंच गई है। संदिग्ध उपद्रवियों ने सोनितपुर जिले के ढेकियाजुली में शुक्रवार रात एक तेल टैंकर को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि बुरी तरह से झुलसे चालक को एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया जहां शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। इस हफ्ते की शुरुआत में गुवाहाटी में प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में दो लोग मारे गए थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गुवाहाटी में आज बंद रहा।

इस बीच, असम सरकार के कर्मचारियों ने शनिवार को यह घोषणा की कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के विरोध में वे 18 दिसंबर को काम पर नहीं जाएंगे। कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष बासब कलिता ने यह जानकारी दी। राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह एवं राजनीतिक विभाग) संजय कृष्ण ने बताया कि राज्य में कानून- व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंटरनेट सेवाएं 16 दिसंबिर तक निलंबित रहेंगी। राज्य में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) ने असोम जातीयवादी युवा छात्र परिषद और मूल निवासियों के 30 अन्य संगठनों के साथ ब्रह्मपुत्र घाटी में विरोध बैठकें व प्रदर्शन जारी रखें।परिषद की रेल नाकेबंदी के आह्वान के चलते गुवाहाटी और देश के शेष हिस्सों के बीच ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। कई ट्रेनें रद्द भी करनी पड़ी। राज्य में आंतरिक रेखा परमिट की मांग कर रही परिषद ने 16 दिसंबर को राज्य में सुबह छह बजे से 36 घंटों की सामूहिक भूख हड़ताल का भी आह्वान किया है। वहीं, 18 दिसंबर से वे ग्राम सभाएं आयोजित करेंगे। उधर, बिहार की राजधानी पटना में राष्ट्रीय जनता दल ने नागरिकता कानून के विरोध में 21 दिसंबर को बिहार बंद का आह्वान किया है। राजद का आरोप है कि इसने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रहने वाले असमी समुदाय के लोगों ने भी शनिवार को आजाद मैदान में संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन किया।

मध्य प्रदेश के इंदौर में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और नागरिकता संशोधन कानून को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताते हुए शनिवार शाम को सैकड़ों प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे। शहर के बेहद व्यस्त रीगल चौराहे पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास जुटे लोगों ने नारेबाजी की और आरोप लगाया कि उक्त कानूनी प्रावधानों के कारण एक संप्रदाय विशेष को भेदभाव का शिकार होना पड़ेगा।

मेरा नाम ...

राहुल गांधी ने कहा कि माफी तो नरेंद्र मोदी और उनके असिस्टेंट अमित शाह को देश से मांगनी चाहिए जिन्होंने अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया। राहुल ने दावा किया कि देश के सारे दुश्मन चाहते थे और चाहते हैं कि हिंदुस्तान की शक्ति-उसकी अर्थव्यवस्था नष्ट कर दी जाए। यह काम दुश्मनों ने नहीं किया बल्कि स्वयं देश के प्रधानमंत्री ने किया। इसके बावजूद वे अपने आप को देशभक्त कहते हैं। विशाल रैली के जरिये अपनी ताकत दिखाती विपक्षी पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं-मुख्यमंत्रियों ने आर्थिक मंदी, कृषि संकट, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा के अलावा विभाजनकारी नागरिकता संशोधन कानून को लेकर मोदी सरकार को घेरा। सोनिया गांधी ने मोदी राज की तुलना अंधेर नगरी-चौपट राजा से की और नागरिकता संशोधन कानून को लेकर पीएम व शाह पर बरसते हुए बोलीं कि यह अधिनियम देश की आत्मा को तार-तार कर देगा। उन्होंने यह दावा भी किया कि मोदी-शाह को संवैधानिक संस्थाओं की कोई परवाह नहीं है। उनका एक ही संकीर्ण एजेंडा है कि लोगों को आपस में लड़ाकर अपनी नाकामियों को छिपाया जाए। सोनिया ने कहा, आज का माहौल ऐसा हो गया है कि जब मर्जी आए कोई धारा लगा दो, कोई धारा हटा दो, प्रदेशों का दर्जा बदल दो। जब मर्जी आए राष्ट्रपति शासन हटा दो। बिना बहस के कोई भी विधेयक पारित कर दो। पीएम और शाह का नाम लिए बगैर सोनिया ने कहा कि ये लोग संविधान-दिवस मनाने का दिखावा करते हैं और हर रोज संविधान की धज्जियां उड़ाते हैं। आरोपों की बरसात जारी रखते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए कमर कस लें। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नरेंद्र मोदी सरकार पर अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और दावा किया कि अब यह साबित हो गया है कि छह साल पहले किए गए सभी वादे झूठे थे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नागरिकता संशोधन कानून को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए अपील की कि संविधान की रक्षा करने और देश को विभाजन से बचाने के लिए सभी लोग मिलकर आवाज उठाएं। प्रियंका ने कहा कि यह देश प्रेम, अहिंसा और युवाओं के सपनों का देश है। यह ऐसा देश है जिसके फौजी वतन के लिए जान देने का जज्बा रखते हैं। कश्मीर से अरुणाचल तक सबसे उनका कहना है कि अपनी आवाज उठाएं। अगर वे लोग चुप रहेंगे तो आम्बेडकर द्वारा लिखा गया संविधान खत्म हो जाएगा और देश का बंटवारा हो जाएगा। रैली के लिए पूरे रामलीला मैदान में सोनिया, राहुल और प्रियंका के बड़े-बड़े कटआउट लगे थे तथा काई कार्यकर्ताओं ने प्याज की ऊंची कीमतों पर विरोध जताने के लिए प्याज की मालाएं पहन रखी थीं।

बलात्कार के...

वहां से प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सीओ ने बताया कि लड़की के पिता की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ बलात्कार और हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। मिश्रा ने अब तक की जांच निष्कर्ष का हवाला देकर बताया कि पीड़िता और आरोपी युवक के बीच प्रेम प्रसंग होने की जानकारी मिली है। दोनों पक्षों के बीच शुक्रवार को पंचायत होने की बात भी सामने आई है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच शादी के लिए सहमति बनी। उन्होंने कहा कि इतना सब होने के बाद बलात्कार कर पीड़िता को जलाए जाने की घटना समझ से परे है।

24 घंटे...

हाउसवाइफ थी और बेटी नर्सरी में पढ़ रही थी। भरत ने 10 साल पहले शिवरंजनी से लव मैरिज की थी। भरत रोज की तरह नोएडा स्थित अपने घर से कंपनी गए थे। करीब 11.30 बजे दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। दिल्ली पुलिस ने शव को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में रखवाया और घरवालों को सूचना दी। शिवरंजनी बेटी और देवर के साथ मौके पर पहुंची थी। वहां से लौटने के बाद उसने यह कदम उठाया। थाना एक्सप्रेस वे पुलिस ने शवों को देर रात ही पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में लिया था। पुलिस की मौजूदगी में शनिवार दिन में तीनों का पोस्टमार्टम किया गया।

मदर डेयरी ...

करता है, जिसमें से 33 लाख लीटर की आपूर्ति दिल्ली-एनसीआर में की जाती है। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में 30 लाख लीटर से ज्यादा दूध की आपूर्ति करती है। दोनों कंपनियों ने कीमतों में वृद्धि के लिए कच्चे दूध की खरीद की उंची लागत को जिम्मेदार ठहराया है और कहा कि उन्हें दूध की बिक्री से होने वाली आय का करीब 80 प्रतिशत सिर्फ खरीदने में ही खर्च करना पड़ रहा है। मदर डेयरी का टोकन दूध अब दो रुपए महंगा होकर 42 रुपए प्रति लीटर होगा। फुल क्रीम दूध की एक लीटर वाली थैली अब 55 रुपए में तथा आधा लीटर थैली 28 रुपए में मिलेगी। इनकी पुरानी दरें क्रमश: 53 रुपए और 27 रुपए हैं। टोन्ड दूध अब 45 रुपए लीटर में तथा डबल टोन्ड दूध 36 रुपए के बजाय 39 रुपए लीटर में मिलेगा। इसी तरह गाय का दूध भी तीन रुपए महंगा होकर 47 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में, अमूल गोल्ड और अमूल ताजा दो-दो रुपए महंगा होकर क्रमश: 55 रुपए और 44 रुपए लीटर में मिलेगा। अमूल का गाय दूध का दाम भी 42 रुपए की जगह 44 रुपए प्रति लीटर होगा। अमूल ने कहा कि पिछले तीन साल में उसने थैली वाले दूध के दाम में केवल दो बार बदलाव किए हैं। बयान में कहा गया है, 'इस साल पशु चारे के दाम में 35 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हुई है। चारे की कीमत बढ़ने और अन्य लागत को ध्यान में रखकर यह कदम उठाया गया है।' मदर डेयरी ने कहा, मानसून लंबा खींच जाने तथा दूध उत्पादन के अनुकूल सत्र की देर से शुरुआत समेत विपरीत मौसम परिस्थितियों के चलते विभिन्न राज्यों में दूध की उपलब्धता कम हुई है। प्रतिकूल मौसम के कारण पशुचारा की कीमतें भी बढ़ गई हैं। इसका असर दूध उत्पादकों को किए जाने वाले भुगतान पर पड़ा है। सर्दियों में कच्चे दूध की कीमतें सामान्यत: कम हो जाती हैं, लेकिन इस बार बढ़ गई हैं। कंपनी ने कहा कि दूध उत्पादक किसानों को किया जाने वाला भुगतान करीब 20 प्रतिशत यानी छह रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गया है। इस कारण उसे दाम बढ़ाने पर बाध्य होना पड़ा है। दो प्रमुख डेयरी कंपनियों के दूध की कीमतें बढ़ाने का असर खुदरा मुद्रास्फीति पर भी पड़ेगा , जो कि पहले से ही नवंबर महीने में उछलकर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गया है। यह तीन साल से अधिक का उच्च स्तर है।

अनियमितताओं के...

में आरोप लगाया था कि फाउंडेशन के अधिकारियों ने सामान्य वित्त नियमों का उल्लंघन करते हुए सीएआरडी के साथ पुनरुद्धार कार्य के लिए अनुबंध किया था। मंत्रालय ने 2016 में जांच के बाद आरोप लगाया कि फाउंडेशन ने 7.02 करोड़ की परियोजना के अनुमानित मूल्य से 62.20 लाख रुपए ज्यादा खर्च किए। इस सिलसिले में दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा दिए गए आकलन के मुताबिक यह ठेके अपेक्षाकृत ज्यादा कीमत पर दिए गए और इसी के अनुरूप ठेकेदारों को भुगतान किया गया। सैमसन छह मई 2005 से 30 अप्रैल 2012 के बीच फाउंडेशन की निदेशक रही थीं। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन द्वारा 1985 में बनाए गए सभागार के पुनरुद्धार की जरूरत 2006 में महसूस की गई। मंत्रालय ने शिकायत में आरोप लगाया कि ठेके देने में खुली निविदा प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। प्राथमिकी में कहा गया कि खुली निविदा प्रक्रिया का पालन नहीं करने की वजह से फाउंडेशन को हुए नुकसान के लिए सैमसन कथित तौर पर जिम्मेदार थीं।

गंगा के ..

अविरलता और निर्मलता पर ध्यान केंद्रित करते हुए गंगा नदी की स्वच्छता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री ने गंगा से संबंधित आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एक सतत विकास मॉडल नमामि गंगे को अर्थ गंगा में परिवर्तित करने की एक समग्र सोच विकसित करने का आग्रह किया। इस प्रक्रिया के एक अंग के रूप में, किसानों को टिकाऊकृषि पद्धतियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिसमें शून्य बजट खेती, फलों के वृक्ष लगाने और गंगा के किनारों पर पौध नर्सरी का निर्माण शामिल है। इन कार्यक्रमों के लिए महिला स्व-सहायता समूहों और पूर्व सैनिक संगठनों को प्राथमिकता दी जा सकती है। इस तरह की कार्यप्रणालियों के साथ जल से संबंधित खेलों के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और शिविर स्थलों के निर्माण, साइकिल और चलने की पटरियों आदि के विकास से नदी के बेसिन क्षेत्रों में धार्मिक और साहसिक पर्यटन जैसी महत्वपूर्ण पर्यटन क्षमता को बढ़ाने में मदद मिलेगी। पारिस्थितिकी-पर्यटन और गंगा वन्यजीव संरक्षण एवं क्रूज पर्यटन आदि के प्रोत्साहन से होने वाली आय से गंगा स्वच्छता के लिए स्थाई आय स्रोत बनाने में मदद मिलेगी। नमामि गंगे और अर्थ गंगा के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं और पहलों की कार्य प्रगति और गतिविधियों की निगरानी के लिए प्रधानमंत्री ने एक डिजिटल डैशबोर्ड की स्थापना के भी निर्देश दिए, जिसके माध्यम से नीति आयोग और जल शक्ति मंत्रालय के द्वारा दैनिक रूप से गांवों और शहरी निकायों के डेटा की निगरानी की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा के किनारों पर स्थित सभी जिलों को नमामि गंगे के अंतर्गत हो रहे प्रयासों की निगरानी के लिए एक केंद्रित क्षेत्र बनाया जाना चाहिए।

मोदी ने कहा कि मां गंगा उपमहाद्वीप की सबसे पवित्र नदी है और इसके कायाकल्प को सहयोगात्मक संघवाद के एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा का कायाकल्प देश के लिए दीर्घकाल से लंबित चुनौती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2014 में नमामि गंगे का शुभारंभ करने के पश्चात इस दिशा में बहुत कुछ किया है, जो प्रदूषण उन्मूलन, गंगा का संरक्षण और कायाकल्प, कागज मीलों से रद्दी को पूर्ण रूप से समाप्त करने और चमड़े के कारखानों से होने वाले प्रदूषण में कमी जैसी उपलब्धियों को प्राप्त करने के उद्देश्य के साथ विभिन्न सरकारी प्रयासों और गतिविधियों को एकीकृत करने की एक व्यापक पहल के रूप में परिलक्षित है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने गंगा नदी में पर्याप्त जल के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए 2015-20 की अवधि हेतु 20,000 करोड़ रुपए की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। नवीन अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों के निर्माण के लिए अब तक 7700 करोड़ रुपए व्यय किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि निर्मल गंगा के एक सुधारात्मक प्रारूप के लिए जनता से भी व्यापक स्तर पर पूर्ण सहयोग के साथ-साथ राष्ट्रीय नदियों के किनारों पर स्थित शहरों में भी गंगा की स्वच्छता के लिए सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने के लिए जागरूकता के प्रसार की आवश्यकता होगी। योजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए एक प्रभावी ढांचा प्रदान करने हेतु सभी जिलों में जिला गंगा समितियों की दक्षता में भी सुधार किया जाना चाहिए। सरकार ने गंगा कायाकल्प परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए व्यक्तिगत, एनआरआई, कॉर्पोरेट संस्थाओं से योगदान की सुविधा हेतु स्वच्छ गंगा कोष (सीजीएफ) की स्थापना की है। प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से 2014 के बाद से उन्हें मिले उपहारों की नीलामी और सियोल शांति पुरस्कार से प्राप्त धनराशि 16.53 करोड़ रुपए सीजीएफ के लिए भेंट स्वरूप प्रदान किए हैं।

झारखंड में चौथे चरण के मतदान के लिए प्रचार समाप्त

भाषा। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव के तहत 16 दिसंबर को होने वाले चौथे चरण के मतदान के लिए शनिवार को प्रचार समाप्त हो गया। इस चरण में राज्य की 15 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार चौबे ने यहां बताया कि इस चरण में 23 महिलाओं समेत कुल 221 उम्मीदवार मैदान में हैं।उन्होंने बताया कि सबसे अधिक 25 उम्मीदवार बोकारो सीट पर जबकि निरसा सीट पर सबसे कम आठ उम्मीदवार मैदान में हैं।

अधिकारी ने बताया कि इस चरण में 22,44,134 महिलाओं समेत कुल 47,85,009 मतदाता मतदान के लिए पात्र हैं जबकि तृतीय लिंग के 81 मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि जमुआ, बागोदर, गिरिडीह, डुमरी और टुंडी सीटों पर मतदान सुबह सात बजे से शुरु होकर अपराह्न तीन बजे तक चलेगा जबकि शेष सीटों पर शाम पांच बजे तक मतदान होगा।इस चरण में राज्य के चार जिलों की 15 सीटों पर मतदान होना है, जिनमें देवघर (सु), जमुआ (सु), चंदनकियारी (सु), मधुपुर, बागोदर, गाण्डेय, गिरीडीह, डुमरी, बोकारो, सिंद्री, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी और बाघमारा शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्रियों स्मृति ईरानी और नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौथे चरण के लिए प्रचार किया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और पार्टी नेता राज बब्बर ने भी कांग्रेस-झामुमो-राजद गठबंधन के लिए वोट मांगे। पूर्व मुख्यमंत्रियों शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन ने झामुमो उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया जबकि राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी राज्य का दौरा किया। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने इस चरण की सभी 15 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। विपक्षी गठबंधन ने चुनाव पूर्व हुए सीटों के बंटवारे के तहत अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं।

जीत को नजर में रखकर उतरेगी टीम इंडिया

● वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में प्रबल दावेदार भारत

भाषा। चेन्नई

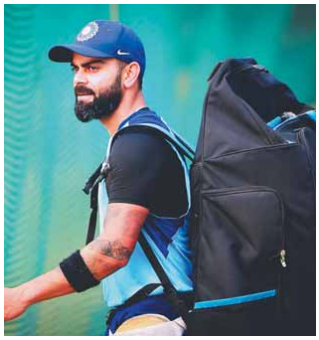

भारत रविवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा जिसमें मेजबान टीम की नजरें कैरेबियाई टीम के खिलाफ लगातार 10वीं द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला जीतने पर टिकी होंगी। पिछले 24 घंटे से यहां बारिश हो रही है जिससे दोनों टीमों की नजरें मौसम पर भी टिकी होंगी। मेजबान टीम को तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की कमी खलेगी। भुवनेश्वर की ग्रोइन में चोट है जबकि धवन सैयद मुश्ताक अली ट्राफी टूर्नामेंट के दौरान लगी चोट से अब तक नहीं उबर पाए हैं। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलने वाले मुंबई के तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर को चोटिल भुवनेश्वर के विकल्प के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मुंबई में सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और लोकेश राहुल के अलावा कप्तान विराट कोहली की शानदार पारियों से टी20 श्रृंखला जीतने के बाद भारतीय टीम लय में है। धवन की गैरमौजूदगी में एकदिवसीय श्रृंखला में भी पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी रोहित और राहुल को सौंपी जा सकती है। मयंक अग्रवाल को धवन के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया गया है और देखना यह होगा कि उन्हें एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिलता है या नहीं। कर्नाटक का यह बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में शानदार फार्म में था और डिंडीगुल में तमिलनाडु के खिलाफ रणजी ट्राफी मैच खेलने के बाद टीम से जुड़ा है। श्रेयस अय्यर मौकों का फायदा उठाने में सफल रहे हैं और उम्मीद है कि उन्हें चौथे नंबर पर बरकरार रखा जाएगा। यह स्थान पिछले कुछ समय से चर्चा का केंद्र रहा है। अंबाती रायुडू और विजय शंकर सहित कई खिलाड़ियों को इस स्थान पर आजमाया गया जिसके बाद अय्यर इस क्रम पर अपनी जगह पक्की करने की कोशिश में जुटे हैं। सभी की नजरें विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर भी टिकी होंगी जो पिछले कुछ समय से बल्ले और ग्लव्स के साथ प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। पहले वनडे के जरिए उन्हें एक बार फिर कोहली और टीम प्रबंधन के भरोसे पर खरा उतरने का मौका मिलेगा। यह भी देखना होगा कि युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी को चेपक की स्पिन की अनुकूल पिच पर एक बार फिर साथ खेलने का मौका मिलता है या नहीं। ए दोनों पिछली बार विश्व कप में एक साथ खेले थे। अनुभवी मोहम्मद शमी और दीपक चाहर संभवत: तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल होंगे और उन्हें वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाजों की चुनौती का सामना करना होगा। वेस्टइंडीज को उम्मीद होगी कि मुंबई में अंतिम टी20 के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए चोटिल हुए आक्रामक सलामी बल्लेबाज एविन लुईस एकदिवसीय श्रृंखला में खेल पाएंगे। टीम अधिकारियों का कहना है कि पहले वनडे से पूर्व उनकी चोट का आकलन किया जाएगा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को आक्रामक बल्लेबाजी करने के अलावा विकेट भी बचाने होंगे जिससे कि अंतिम ओवरों में तेजी से रन जुटाए जा सकें। शिमरोन हेटमायर और निकोलस पूरन ने सबसे छोटे प्रारूप में अपनी क्षमता दिखाई है और अगर वेस्टइंडीज को भारत को चुनौती देनी है तो 50 ओवर के प्रारूप में भी उन्हें ऐसा ही करना होगा। आलराउंडर रोस्टन चेस को अंतिम एकादश में जगह मिलने की उम्मीद है और वह आक्रामक बल्लेबाजों के बीच बल्लेबाजी क्रम को स्थिरता दे सकते हैं। कप्तान कीरोन पोलार्ड को अच्छे प्रदर्शन करके टीम के अपने साथियों को प्रेरित करना होगा। टीम के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई शेल्डन कोटरेल करेंगे और रोहित, राहुल और कोहली की शानदार फार्म के बीच अगर मेहमान टीम को भारत को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोकना है जो जल्द विकेट चटकाने होंगे।

लेग स्पिनर हेडन वाल्श जूनियर ने टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है और उनके सामने कोहली और उनकी टीम को रोकने की कड़ी चुनौती होगी जो स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करती है। रात को भारी बारिश के कारण मैदान गीला होने से हालांकि मैच की पूर्व संध्या पर भारतीय टीम का अभ्यास सत्र रद्द कर दिया गया है।

टीम भारत: विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, केदार जाधव, रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, दीपक चाहर, मोहम्मद शमी और शार्दुल ठाकुर।

वेस्टइंडीज: कीरोन पोलार्ड (कप्तान), सुनील अंबरीश, शाई होप, खैरी पियरे, रोस्टन चेस, अल्जारी जोसेफ, शेल्डन कोटरेल, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, शिमरान हेटमायर, एविन लुईस, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, कीमो पाल और हेडन वाल्श जूनियर।

चोटिल भुवनेश्वर की जगह शारदुल टीम में

चेन्नई। मुंबई के तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर को वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार से यहां शुरू हो रही तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए चोटिल भुवनेश्वर कुमार की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए चोटिल भुवनेश्वर के विकल्प के तौर पर ठाकुर को टीम में जगह दी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भुवनेश्वर ने बुधवार को मुंबई में तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद दाईं ग्रोइन में दर्द की शिकायत की। इसके बाद विशेषज्ञ से उनका अल्ट्रासाउंड कराया गया और बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने पाया कि उनके स्पोर्ट्समैन हर्निया के लक्षण फिर उभर आए हैं। अब विशेषज्ञ से सलाह ली जाएगी और इसी के अनुसार उनके रिहैबिलिटेशन की योजना बनाई जाएगी। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर रहने के बाद उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने हाल में ही भारतीय टीम में वापसी की थी और सिर्फ तीन मैच खेलने के बाद दोबारा चोटिल होने से उन्हें झटका लगा है। ठाकुर वडोदरा में गुरुवार को बड़ौदा के खिलाफ संपन्न रणजी ट्राफी मैच में मुंबई की टीम का हिस्सा थे। भारत की संशोधित टीम इस प्रकार है:विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, केदार जाधव, रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, दीपक चाहर, मोहम्मद शमी और शार्दुल ठाकुर।

रणनीति स्पष्ट हो तो विभिन्न प्रारूपों के अनुसार ढलना आसान: अग्रवाल

चेन्नई। भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की कर चुके सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल का कहना है अगर रणनीति स्पष्ट है तो विभिन्न प्रारूपों के अनुरूप ढलना आसान होता है। अग्रवाल को चोटिल सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के विकल्प के तौर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। अग्रवाल ने चहल टीवी पर कहा, मैं इस तरह जितना अधिक खेलूंगा मेरे लिए उतना ही अच्छा होगा क्योंकि मुझे खाली बैठने की जगह क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। जब मानसिकता बदलने (प्रारूपों में बदलाव के कारण) की बात आती है तो बेसिक्स समान रहते हैं। अगर रणनीति स्पष्ट है तो प्रारूपों के अनुरूप ढलना आसान होता है और खेल को लेकर आपकी समझ स्पष्ट होती है। पिछले साल दिसंबर में आस्ट्रेलिया में टेस्ट पदार्पण के बाद से अग्रवाल ने शानदार प्रदर्शन किया है और वह 2019 सत्र का अंत इस प्रारूप में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक के रूप में कर रहे हैं। अग्रवाल का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हों या सीमित ओवरों का क्रिकेट उनका ध्यान हमेशा काम पर होता है। उन्होंने कहा, मैं कहीं पर भी खेलूं, मैं हमेशा यही सोचता हूं कि मैं अपनी टीम के लिए कैसे फायदेमंद हो सकता हूं और मैं कैसे टीम को योगदान दे सकता हूं। अगर मैं रन नहीं भी बना पाऊंतो मैं क्षेत्ररक्षण में योगदान देने के बारे में सोचता हूं, मैदान पर अधिक ऊर्जा लेकर आता हूं।

गांगुली के लिए काफी आदर की भावना:शास्त्री

नई दिल्ली। भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कहा कि वह बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली की काफी इज्जत करते हैं और जो उनके रिश्तों पर सवाल उठाते हैं उनकी उन्हें कोई परवाह नहीं। पिछले सप्ताह गांगुली ने शास्त्री के साथ मतभेदों की अटकलों को कोरी अफवाह बताया था। शास्त्री ने टेलीविजन चैनल इंडिया टुडे के कार्यक्रम इंस्पिरेशन में कहा, जहां तक सौरव-शास्त्री की बात है तो यह मीडिया के लिए चाट और भेलपुरी की तरह मिर्च मसाला है। भारतीय कोच ने कहा, उन्होंने (गांगुली) क्रिकेटर के तौर पर जो कुछ किया है मैं उसका काफी सम्मान करता हूं। उन्होंने सट्टेबाजी प्रकरण के बाद भारतीय क्रिकेट की कमान सबसे मुश्किल समय में संभाली। आपको वापसी के लिए लोगों का भारोसा चाहिए होता है और मैं उसका सम्मान करता हूं। और अगर कोई इसका सम्मान नहीं करता है तो मुझे उसकी कोई परवाह नहीं। शास्त्री और गांगुली के बीच मतभेद 2016 में सार्वजनिक हुए थे जब शास्त्री ने कोच के पद के लिए आवेदन किया था और गांगुली उस समय क्रिकेट सलाहकार समिति में थे जिसने अनिल कुंबले को चुना था। शास्त्री ने बिना किसी लोकतांत्रिक तरीके से तीन साल तक बोर्ड के संचालन के बाद गांगुली के अध्यक्ष बनने को शानदार करार दिया। उन्होंने कहा, शानदार (गांगुली का अध्यक्ष बनना)। सबसे पहले मैं इस बात को लेकर रोमांचित हूं कि बीसीसीआई फिर से अस्तित्व में है। हम तीन साल तक बीसीसीआई के बिना खेले।

Chola
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड
शाखा कार्यालय : प्लॉट नंबर 6, द्वितीय तल, मेट्रो पिलर नंबर 81 के सामने, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005

सार्वजनिक सूचना

उपरिवर्णित कम्पनी के लिए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। निम्नवर्णित सम्पत्ति हेतु दिनांक 28–11–2019 को सांकेतिक कब्जा (अचल सम्पत्ति हेतु) तथा 01–12–2019 को बिक्री सह नीलामी सूचना एतदद्वारा रद्द कर की जाती है। सम्पत्ति पता :– माडल टाउन, दिल्ली–110009 में स्थित सम्पत्ति परिमाप :– सम्पत्ति सं. जी3/39 का सम्पूर्ण अपर ग्राउण्ड फ्लोर, 1/4 छत के अधिकार के साथ, क्षेत्रफल परिमाप 145.44 वर्ग गज। (कर्जदार का नाम – रमा रानी, ऋण खाता सं.– X0HEELD00001718711 & X0HEDES00002245255)
शेष सभी सम्पत्तियों की नीलामी पूर्ववत रहेगी तथा नीलामी नियत तिथि 31–12–2019 को नियत समय और स्थान पर की जाएगी।
स्थान : दिल्ली + एनसीआर हस्ता./–
तिथि : 15–12–2019 (प्राधिकृत अधिकारी)
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

Chola
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड
शाखा कार्यालय : प्लॉट नंबर 6, द्वितीय तल, मेट्रो पिलर नंबर 81 के सामने, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005

सार्वजनिक सूचना

उपरिवर्णित कम्पनी के लिए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। दिनांक 01–12–2019 को बिक्री सह नीलामी सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु) के इस विज्ञापन में निम्नवर्णित सम्पत्ति की नीलामी रद्द कर दी गई है, जो 31–12–2019 को की जानी नियत थी। सम्पत्ति सं. बी–2/1 परिमाप 80 वर्ग गज, खसरा नंबर 93,7/23, 7/14, 25. 6/2/1, 2/2, 2/3 – 21 का हिस्सा, जो ग्राम खुरेजी खास आबादी गोल्डन पार्क मेन रोड शिवपुरी एक्सटेंशन, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है। (कर्जदार का नाम – नरेन्दर पाल सिंह)। शेष सभी सम्पत्तियों की नीलामी पूर्ववत रहेगी तथा नीलामी नियत तिथि 31–12–2019 को नियत समय और स्थान पर की जाएगी।
स्थान : दिल्ली + एनसीआर हस्ता./–
तिथि : 15–12–2019 (प्राधिकृत अधिकारी)
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

शीर्ष खिलाड़ियों ने आस्ट्रेलिया ओपन में खेलने की पुष्टि की

मेलबर्न। दुनिया के सभी शीर्ष 50 पुरुष और विक्टोरिया अजारेंका को छोड़कर शीर्ष 50 महिला खिलाड़ियो ने जनवरी मे मेलबर्न पार्क मे होने वाले सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट मे खेलने की पुष्टि की है। आयोजकों ने यह जानकारी दी। दुनिया के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी रफेल नडाल और नंबर एक महिला खिलाड़ी एशलेग बर्टी 20 जनवरी से सात फरवरी तक होने वाले टूर्नामेंट के 115वे सत्र मे शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी होगे। दुनिया के पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी युआन मार्टिन डेल पोत्रो इस टूर्नामेंट के साथ कोर्ट पर वापसी करेंगे। सात बार की विजेता सेरेना विलियम्स की नजरें 24वे ग्रैंडस्लैम खिताब पर टिकी है जिससे वह मारग्रेट कोर्ट के सर्वकालिक रिकार्ड की बराबरी कर लेगी।

ओडिशा एफसी 27 दिसंबर से भुवनेश्वर में घरेलू मैच खेलेगा

भुवनेश्वर। इंडियन सुपर लीग के छठे सत्र के शुरुआती तीन घरेलू मैच पुणे मे खेलने के बाद ओडिशा एफसी 27 दिसंबर से अपने घरेलू मैचो की मेजबानी शहर के कलिंगा स्टेडियम में करेगी। ओडिशा एफसी भुवनेश्वर मे अपना पहला मैच जमशेदपुर एफसी के खिलाफ खेलेगी। फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2020 के लिए कलिंगा स्टेडियम मे नवीनीकरण का कार्य पूरा होने मे विलंब के कारण भुवनेश्वर के आईएसएल क्लब को अपने पहले तीन मैच पुणे मे कराने को बाध्य होना पड़ा था।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Manan Gupta, S/o Late Sh. Anuj Kumar Gupta, R/o. B-1, Near KDV School, Kavi Nagar, Ghaziabad, on passport my name is mentioned as Manan. I solemnly affirm & declare that Manan & Manan Gupta are same and one Person.

PD (8710)A

पंत लय में आने के बाद शानदार खिलाड़ी होंगे: राठौड़

भाषा। चेन्नई

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने ऋषभ पंत का बचाव करते हुए शनिवार को कहा कि जब वह रन बनाने लगेंगे तब प्रभावी खिलाड़ी होंगे। राठौड़ से जब पूछा गया कि खराब प्रदर्शन के बाद भी पंत को लगातार मौके क्यों दिए जा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि उनके पास क्षमता की कोई कमी नहीं है। राठौड़ ने कहा, हम पंत के बारे में यह चर्चा करते रहते हैं कि वह अपार क्षमतावान है। हर किसी को लगता है कि उसके पास एक्स फैक्टर है। हम सभी को लगता है कि वह अच्छा खिलाड़ी है। वह अपनी फिटनेस और खेल पर काफी काम कर रहा है। राठौड़ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा, उन्होंने इस प्रारूप में पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। जब वह रन बनाने लगेगा तब भारतीय टीम के लिए प्रभावी खिलाड़ी होगा। वह मैच विजेता खिलाड़ी होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले लोकेश राहुल के बारे में पूछे जाने पर राठौड़ ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। राठौड़ ने कहा, हर क्रिकेटर खराब दौर से गुजरता है। उन्होंने कुछ तकनीकी और मानसिक बदलाव किया जिसका नतीजा दिख रहा है। वह हमेशा एक अच्छा खिलाड़ी रहा है। इसमें कोई शक नहीं था कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। राहुल के विकेटकीपिंग करने के विकल्प के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह फैसला टीम प्रबंधन को करना है।

गुवाहाटी टी20 अंतरराष्ट्रीय: स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं बीसीसीआई और असम क्रिकेट संघ

भाषा। नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका के बीच पांच जनवरी को गुवाहाटी में होने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को देखते हुए बीसीसीआई और असम क्रिकेट संघ (एसीए) नागरिकता (संशोधन) विधेयक के कारण हो रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। श्रीलंका की टीम तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की संक्षिप्त श्रृंखला के लिए भारत आ रही है जिसकी शुरुआत गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में होगी लेकिन शहर की मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण इस पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं। एसीए के उपाध्यक्ष परीक्षित दत्ता ने पीटीआई को बताया, फिलहाल हम नहीं बता सकते कि गुवाहाटी में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होगा या नहीं। सभी प्राधिकरण (राज्य पुलिस, गृह मंत्रालय) स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। हमें कुछ देर इंतजार करना होगा। अब भी तीन हफ्ते का समय बचा है इसलिए हमें उम्मीद रखनी होगी। बीसीसीआई और एसीए दोनों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय टीम की सुरक्षा का सवाल है। गुवाहाटी में विरोध प्रदर्शन के कारण असम और सेना के बाद रणजी ट्राफी मैच के चौथे दिन का खेल रद्द करना पड़ा और खिलाड़ी अपने होटलों में ही रहे। असम और ओड़िशा के बीच नौगांव में अंडर-19 कूच बेहार ट्राफी मैच भी रद्द कर दिया गया और मेहमान टीम को हाईवे पर होटल में रुकने को बाध्य होना पड़ा जिससे कि टकराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचा जा सके। अगरतला में त्रिपुरा के खिलाफ पहले दौर का रणजी ट्राफी मैच खेलने वाली झारखंड की टीम कोलकाता में रुकी हुई है और उसे 17 दिसंबर से असम के खिलाफ होने वाले टीम के दूसरे मैच से पहले बीसीसीआई की स्वीकृति का इंतजार है।

Chola
Enter a better life

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड
कार्पोरेट कार्यालय : नंबर 2, 'डेयर हाउस' प्रथम तल, एन.एस.सी. बोस रोड, चेन्नई–600 001
शाखा कार्यालय : प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005, सम्पर्क नंबर : 9899245509, 9818460101

नीलामी–सह–बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना (इसको धारा 8 (6) के तहत नोटिस माना जाए।)

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कर्जदारो से बकाया राशि की वसूली के लिए **वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002** के अधीन यहां नीचे वर्णित प्रत्याभूत आस्तियों का कब्जा लिए जाने के अनुसरण में, अधोहस्ताक्षरी द्वारा यहां नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जोकि कब्जे में है, की बिक्री **"जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार"** पर करने हेतु सीलबंद लिफाफों में ऑफर्स आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :–

क्र. सं.	कर्जदार(गण) / सह–कर्जदार(गण) / गारंटर(गण)	मांग सूचना तिथि एवं राशि	अचल सम्पत्ति का वर्णन	सुरक्षित मूल्य	धरोहर राशि जमा	14–12–2019 तक कुल बकाया राशि	कब्जा का प्रकार
1.	(ऋण खाता संख्या **X0HEELD00001649893** दिल्ली शाखा) **ललित कुमार बाबू लाल टाटर** (कर्जदार) **सोनिया टाटर, बाबूलाल टाटर, कल्पेश बी टाटर, सरला देवी, रिब्स एक्सिम कंसल्टेंट्स प्रा. लि.** (सह–कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : ई–21, तृतीय तल, कीर्ति नगर, वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली–110015 **अन्य पता** :– 24 ए ब्लॉक टैगोर मार्केट, कीर्ति नगर, नई दिल्ली–110015 **अन्य पता** :– आई–17, तृतीय तल, लाजपत नगर–।।, नई दिल्ली–110024	15–05–2017 रू. 1,73,12,921/– (रूपए एक करोड़ तिहत्तर लाख बारह हजार नौ सौ इक्कीस मात्र)	सम्पत्ति परिमाप 200 वर्ग गज, सम्पत्ति सं. आई–17, तृतीय तल, लाजपत नगर–।।, नई दिल्ली–110024	रू. 1,45,80,000/– (रूपए एक करोड़ पैंतालीस लाख अस्सी हजार मात्र)	रू. 14,58,000/– (रूपए चौदह लाख अठ्ठावन हजार मात्र)	रू. 1,55,45,266/– (रूपए एक करोड़ पचपन लाख पैंतालीस हजार दो सौ छियासठ मात्र)	भौतिक
2.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00001017249, X0HEDHE00001162337 & X0HEDHE00001371151** दिल्ली शाखा) **रवि प्रकाश साध** (कर्जदार) **संदीप साध, सुनीता रानी साध, रवि प्रिन्ट्स** (सह–कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : मकान नंबर बी–45, प्रथम तल, ब्लॉक–बी, ईस्ट कृष्ण नगर, नई दिल्ली–110051 **अन्य पता** :– सी–11, प्रथम तल, ईस्ट आजाद नगर, कृष्ण नगर, दिल्ली–110051 **अन्य पता** :– ई–228, सेक्टर–63, नोएडा–201301	19–10–2018 रू. 12,08,81,790.41/– (रूपए दो करोड़ आठ लाख इक्यासी हजार सात सौ नब्बे तथा पैसे इकतालीस मात्र)	सम्पूर्ण द्वितीय तल, सम्पत्ति सं. बी–45 (पुराना नंबर 46–बी) क्षेत्रफल परिमाप 100 वर्ग गज, खसरा नंबर 1048/824/3, ग्राम चंद्रावली उर्फ शाहदरा, आबादी ईस्ट कृष्ण नगर, दिल्ली–110051	रू. 72,50,000/– (रूपए बहत्तर लाख पचास हजार मात्र)	रू. 7,25,000/– (रूपए सात लाख पच्चीस हजार मात्र)	रू. 2,54,17,878.08/– (रूपए दो करोड़ चौवन लाख सत्रह हजार आठ सौ अठहत्तर तथा पैसे आठ मात्र)	भौतिक
3.	(ऋण खाता संख्या **X0HEDHE00001239641 & X0HEDHE00001091630** दिल्ली शाखा) **राजेश कुमार यादव** (कर्जदार) **नीतू यादव, रेवती यादव, श्रमती सरोज, श्रीमती सरिता** (सह–कर्जदार) सभी का पत्र व्यवहार पता : मकान नंबर 164–पी, सेक्टर–15, पार्ट–।, ग्राम झारसा, गुड़गांव–122002 **अन्य पता** :– प्लॉट नंबर 11, आकाशनीम मार्ग डीएलएफ फेज–2, गुड़गांव–122002 **अन्य पता** :– जे–3/32, डीएलएफ फेज–2, द्वितीय तल, गुड़गांव–122002 **अन्य पता** :– प्लॉट नंबर 6, रोड नंबर एन–12, डीएलएफ सिटी, फेज–2, द्वितीय तल, गुड़गांव–122002	24–10–2016 रू. 3,20,21,630.73/– (रूपए तीन करोड़ बीस लाख इक्कीस हजार छह सौ तीस तथा पैसे तिहत्तर मात्र) तथा रू. 1,74,94,680.11/– (रूपए एक करोड़ चौहत्तर लाख चौरानवे हजार छह सौ अस्सी तथा पैसे ग्यारह मात्र)	सम्पत्ति नंबर 164–पी, सेक्टर–15, पार्ट–।, अर्बन एस्टेट, गुड़गांव, हरियाणा–122002 परिमाप 220 वर्ग मीटर (2368.06 वर्ग फीट) 4852 वर्ग फीट के निर्मित क्षेत्रफल सहित।	रू. 2,55,00,000/– (रूपए दो करोड़ पचपन लाख मात्र)	रू. 25,50,000/– (रूपए पच्चीस लाख पचास हजार मात्र)	रू. 8,42,91,111.40/– (रूपए आठ करोड़ बयालीस लाख इक्यानवे हजार एक सौ ग्यारह तथा पैसे चालीस मात्र)	सांकेतिक

नीलामी के नियम एवं शर्तें

1. **सीलबंद बिड/ऑफर प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि** : सीलबंद बिड/ऑफर निर्धारित निविदा प्रपत्र में ईएमडी तथा केवाईसी सहित शाखा कार्यालय : **प्रथम एवं द्वितीय तल, प्लॉट नंबर 6, मेन पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005 में 30–12–2019** तक अप. 05.30 बजे से पूर्व प्रस्तुत की जा सकती है। अधूरी निविदाएं अथवा अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त निविदाएं अवैध मान्य होंगी और तदनुसार अस्वीकृत होंगी। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।
2. **बिड/ऑफर खोलने की तिथि (नीलामी तिथि)** : सम्पत्ति हेतु बिड/ऑफर उपरोक्त पते पर स्थित शाखा कार्यालय में **31–12–2019** को पूर्वा. 10.00 बजे खोली जाएगी। निविदा प्राधिकृत अधिकारी की उपस्थिति में खोली जाएगी।
3. **अचल सम्पत्ति की निरीक्षण की तिथि 18–12–2019** को **पूर्वा. 10.00 बजे** से **अप. 03.30 बजे** के बीच है।
4. इसके अतिरिक्त, सूचना में वर्णित बकाया राशि पर, इसकी पूर्ण वसूली तक, ऋण अनुबंध के अनुसार ब्याज तथा अनुषंगी व्यय, लागत इत्यादि प्रभारित किए जाएंगे।
5. एतदद्वारा कर्जदारों तथा गारंटरों को बिक्री के समय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने की सूचना दी जाती है तथा वे बिक्री के नियम एवं शर्तों के अनुसार उपरोक्त अचल सम्पत्ति के क्रय हेतु इच्छुक क्रेता/खरीदार ला सकते हैं।
6. **एतदद्वारा कर्जदार(रों)/तथा गारंटर(रों) को सरफासी ऐक्ट, 2202 के तहत बिक्री के संबंध में 15 दिन का नोटिस दिया जाता है** कि वे उपरोक्त राशि नीलामी की तिथि से पहले चुकता कर दें, जिसमें असफल रहने पर सम्पत्ति की नीलामी की जाएगी तथा शेष राशि, यदि कोई होगी, ब्याज एवं लागत सहित वसूल की जाएगी। यदि कर्जदार चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड की बकाया पूरी राशि बिक्री से पहले चुका देता है, तो नीलामी रोक दी जाएगी।
7. नीलामी के विस्तृत नियम एवं शर्तें निर्धारित निविदा प्रपत्र में दी गई हैं। निविदा प्रपत्र उपरोक्त शाखा कार्यालय में उपलब्ध हैं।
8. अचल सम्पत्ति उच्चतम निविदादाता को बेची जाएगी। तथापि प्राधिकृत अधिकारी को आवश्यक समझे जाने पर परस्पर बोलीदान की अनुमति देने का विवेकाधिकार प्राप्त है। उपरोक्त सम्पत्ति सुरक्षित मूल्य से कम पर नहीं बेची जाएगी।
9. **चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी भी लम्बित देयता के लिए जिम्मेदार नहीं है। सम्पत्ति "जैसा है जहां है आधार", "जो है जैसा है आधार" "जो भी है वहां है आधार" पर नीलाम की जाएगी।**
10. कुल बकाया ऋण राशि ऋण पूर्वबंदी राशि नहीं है। अन्य सभी प्रभारों (यदि कोई) की गणना ऋण बंद करते समय की जाएगी।
11. डिमांड ड्राफ्ट केवल **'चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड'** के पक्ष में बनाया जाना चाहिए।

अतिरिक्त विवरण के लिए, प्राधिकृत अधिकारी से उपरोक्त कार्यालय पते पर सम्पर्क करें।

स्थान : दिल्ली/एनसीआर दिनांक : 15–12–2019

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड

जुआरी एग्रो के सीएफओ सम्राट सेन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। जुआरी एग्रो केमिकल्स के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) सम्राट सेन ने इस्तीफा दे दिया। कंपनी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बीएसई को बताया कि उसने सेन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। कंपनी ने कहा कि 14 दिसंबर सेन का अंतिम कार्यदिवस होगा। कंपनी ने कहा, कंपनी के प्रबंधन में एक मुख्य व्यक्ति रहे सीएफओ सम्राट सेन ने इस्तीफा दे दिया है।

खैबर दर्रा आर्थिक गलियारे के विकास के लिए पाकिस्तान, विश्वबैंक के बीच 40.66 करोड़ डॉलर का समझौता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने खैबर दर्रा आर्थिक गलियारे (केपीईसी) के विकास के लिए विश्वबैंक के साथ 40.66 करोड़ डॉलर के वित्तपोषण का समझौता किया है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी है। शुक्रवार को यहां आर्थिक मामलों के खंड में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। अखबार ने कहा कि इस गलियारे के कारण स्थानीय संपर्क के बेहतर होने से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच न सिर्फ व्यावसायिक आवागमन और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार संभव हो सकेगा बल्कि निजी क्षेत्र के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। इस गलियारे से खैबर पख्तून प्रांत में एक लाख रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है। इस परियोजना के तहत पेशावर से अफगानिस्तान सीमा पर स्थित तोरखम प्वाइंट तक 48 किलोमीटर लंबी चार लेन वाली सड़क का निर्माण किया जाना है।

अभी शुरू ही हुई है भारत की कहानी: कांत

भाषा। वाशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले कुछ साल में कई दूरगामी तथा महत्वाकांक्षी सुधार किए हैं, जो दीर्घकालिक अवधि में भारत को प्रतिस्पर्धी एवं उत्पादकता के लिहाज से दक्ष अर्थव्यवस्था बनाएंगे। एक शीर्ष भारतीय अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने पीटीआई भाषा से यहां एक साक्षात्कार में कहा, भारत के बारे में काफी सकारात्मक माहौल है। उन्होंने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) समेत दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता के जरिए क्रोनी पूंजीवाद को समाप्त करना, रेरा के जरिए रियल एस्टेट में सुधार करना तथा प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण आदि दीर्घकालिक अवधि में भारत को प्रतिस्पर्धी एवं उत्पादकता के लिहाज से दक्ष अर्थव्यवस्था बनाएंगे। उन्होंने कहा, भारत की कहानी अभी शुरू हुई है।

कांत ने कहा, शहरीकरण, बुनियादी संरचना सृजन तथा आगे बढ़ने के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की हमारी प्रक्रिया अभी शुरू हुई है। ए जो सुधार किए गए हैं, इनकी बुनियाद पर शानदार वृद्धि की कहानी आप अगले तीन दशकों में देखेंगे। आर्थिक वृद्धि दर के कई साल के निचले स्तर पर पहुंच जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ए अल्पकालिक सूचकांक हैं और भारत पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की पटरी पर है। कांत ने कहा, सरकार का लक्ष्य भारत को 2025 तक पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। हम सभी इस दिशा में काम कर रहे हैं। हम इसे पा लेंगे और भारत दुनिया में सबसे सरल एवं आसान देशों में एक बन जाएगा। हम अगले साल तक विश्व बैंक के कारोबार सुगमता सूचकांक में शीर्ष 50 देशों में तथा अगले तीन साल में शीर्ष 25 देशों में शामिल होने का इरादा बना चुके हैं। यह हासिल करने योग्य लक्ष्य है।

लॉजिक्स इंडिया 2019 में घरेलू, विदेशी कंपनियों को मिले व्यापक अवसर

भाषा। नई दिल्ली

लॉजिक्स इंडिया का दूसरा संस्करण शानदार सफलता के साथ समाप्त हो गया। तीन दिवस की इस प्रदर्शनी में घरेलू तथा विदेशी कंपनियों को व्यापक अवसर मिले। इसमें दुनियाभर की 120 से अधिक लाजिस्टिक कंपनियों तथा 26 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इसका आयोजन निर्यातकों के संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) ने किया। फियो के एक बयान में कहा गया है कि इसमें विभिन्न मुद्दों को लेकर 3,500 से अधिक बैठकें हुईं। इसमें दुनिया भर की 120 से अधिक लॉजिस्टिक कंपनियों तथा 26 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान फियो ने वाणिज्य एवं व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सीएएमएफए, कंबोडिया तथा एनएएफएल, संयुक्त अरब अमीरात के साथ समझौतों पर भी हस्ताक्षर किया। वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव (लॉजिस्टिक्स) अनंत स्वरूप ने लॉजिक्स इंडिया के समापन सत्र में कहा, भारत में सड़कों और रेलवे का सबसे बड़ा नेटवर्क है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र का अनुमानित सीएजीआर 10 प्रतिशत से अधिक है। सरकार की भूमिका बुनियादी संरचना तथा नीतिगत समर्थन मुहैया कराने की है। अभी कम लागत में प्रभावी लॉजिस्टिक्स की एक छोर से दूसरे छोर तक की जरूरत है। फियो के अध्यक्ष शरद कुमार सराफ ने कहा कि लॉजिक्स इंडिया का दूसरा संस्करण बेहद सफल रहा है और इसने सभी उम्मीदों को पार कर लिया। उन्होंने कहा कि देश में क्षेत्रीय लॉजिस्टिक केंद्र विकसित करने के लिए हमारी विशाल समुद्री सीमा के विकास के साथ इनलैंड नदी परिवहन के यूरोपीय मॉडल पर विचार किया जाना चाहिए।

राजस्थान में राज्य स्तरीय निर्यात पुरस्कारों की घोषणा, 30 निर्यातकों को मिलेंगे पुरस्कार

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य स्तरीय निर्यात पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इसके तहत विभिन्न श्रेणियों में 30 निर्यातकों को पुरस्कृत करने के लिए चुना गया है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उच्च स्तरीय चयन समिति की बैठक में इन पुरस्कारों का फैसला किया गया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कृषि आधारित व खाद्य प्रसंस्करण श्रेणी में नीलकण्ठ पॉलिमर्स चूरू, सीजन्स इंटरनेशनल भीलवाड़ा और श्री फेट्स एण्ड प्रोटिन्स जयपुर, आभूषण वर्ग में वैभव ग्लोबल जयपुर, सोनी इंटरनेशनल ज्वैलरी, अशोक ज्वैल्स जयपुर और लूनावत जेम्स कारपोरेशन जयपुर, हस्तशिल्प के क्षेत्र में संकल्प इंटरनेशनल जयपुर, खेमचंद हैण्डीक्राफ्ट जोधपुर, खनिज आधारित उत्पादों में बाबा सुपर मिनरल नसीराबाद, रॉक्स फॉरेवर उदयपुर को चुना गया है। कुल मिलाकर 30 निर्यातकों को पुरस्कार दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उद्योग व राजकीय उपक्रम मंत्री परसादी लाल मीणा ने प्रदेश में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने, निर्यात को बढ़ावा देने और निर्यातकों में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा के लिए निर्यात पुरस्कार देने की घोषणा की थी। राजस्थान निर्यात पुरस्कार इसी माह जयपुर में आयोजित समारोह में वितरित किए जाएंगे।

असम में विरोध प्रदर्शनों से उत्पादकों को चाय उत्पादन, बिक्री पर असर पड़ने का सता रहा डर

भाषा। कोलकाता

नागरिकता कानून में किए गए संशोधन के विरोध में असम में जारी प्रदर्शन से चाय उत्पादकों को उत्पादन पर असर पड़ने का डर सता रहा है। विरोध प्रदर्शन से कई चाय बागानों में उत्पादन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ और गुवाहटी नीलामी केंद्र में चाय की बिक्री पर भी असर पड़ा है। उद्योग से जुड़े लोगों ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रदर्शन से चाय के आवागमन पर भी असर हुआ है। नॉर्थ ईस्टर्न टी एसोसिएशन के सलाहकार विद्यानंद बरकाकोटी ने पीटीआई - भाषा को बताया ," सर्दी का मौसम चाय उत्पादन का सबसे अच्छा मौसम नहीं है लेकिन व्यापक विरोध प्रदर्शन से राज्य के कई बागानों में पत्तियां तोड़ने और विनिर्माण गतिविधियों से जुड़े कामकाज प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों की तुलना में इस दिसंबर में मौसम अनुकूल है और उत्पादक बेहतर गुणवत्ता की चाय का उत्पादन कर सकते हैं। हालांकि , विरोध प्रदर्शनों से कई बागानों में कामकाज पर असर दिखा है। ऑल असम टी ग्रोवर्स एसोसिएशन के महासचिव करुणा महंत ने बताया ," मंगलवार को बंद के दौरान , ज्यादातर बागान बंद रहे हैं। शुक्रवार को चाय की पत्तियां तोड़ने का काम हुआ , लेकिन यह व्यापक पैमाने पर नहीं हो सका , क्योंकि परिवहन के साधनों की कमी के कारण कई श्रमिक नहीं आ सके।

बांग्लादेश ने त्रिपुरा के दो स्थलीय बंदरगाहों के जरिए नौ सामानों के आयात पर लगी रोक हटाई

अगरतला। बांग्लादेश की सरकार ने त्रिपुरा के दो स्थलीय बंदरगाहों के जरिए भारत से नौ सामानों के आयात पर लगी रोक हटा ली है। इससे क्षेत्र के व्यापारियों को लाभ मिलेगा। यह जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को दी। त्रिपुरा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की अतिरिक्त निदेशक स्वप्ना देवनाथ ने कहा कि बांग्लादेश ने त्रिपुरा के नौ स्थलीय बदरगाहों के जरिए 2018-19 में भारत को 522.42 करोड़ रुपए के सामानों का निर्यात किया, जबकि आयात महज 14.66 करोड़ रुपए रहा। इस व्यापार असंतुलन का कारण बांग्लादेश द्वारा विभिन्न सामानों के आयात पर लगाई गई रोक है। बांग्लादेश ने अब अखौड़ा और श्रीमंतपुर स्थलीय बंदरगाह से नौ सामानों के आयात पर लगी रोक अब हटा ली है। देवनाथ ने कहा कि एक दिसंबर से जिन सामानों के आयात पर से रोक हटाई गई है, वे काजू, कागज, चीनी, जेनेरेटर, टूटे शीशे, चॉकलेट, बेबी वाइप्स, मिठाइयां और बिटुमीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देव की पहल पर पड़ोसी देश ने दो चरणों में 16 सामानों के आयात से रोक हटाई है। चाय के आयात पर से भी रोक हटाने की मांग की गई है, लेकिन बांग्लादेश ने अब तक इसपर कुछ कदम नहीं उठाया है। त्रिपुरा चाय विकास निगम लिमिटेड के चेयरमैन संतोष साहा ने कहा कि यदि इन स्थलीय बंदरगाहों से चाय के आयात पर से भी बांग्लादेश रोक हटा ले तो त्रिपुरा को फायदा होगा।

हिमाचल प्रदेश का राजकोषीय घाटा 2017-18 में 3,870 करोड़ रुपए रहा

भाषा। धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2017-18 में 31 प्रतिशत बढ़कर 3,870 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। राज्य विधानसभा में शनिवार को रखी गई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। राज्य का राजकोषीय घाटा 2016- 17 में 2,948 करोड़ रुपए रहा था। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने यहां तपोवन में राज्य विधानसभा के शीत सत्र के आखिरी दिन रिपोर्ट पेश की। हिमाचल प्रदेश के 2017- 18 के वित्तीय लेखे जोखे की यह आडिट रिपोर्ट नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) ने संविधान के अनुच्छेद 151 के तहत तैयार की है। राज्य के वार्षिक लेखे की विश्लेषणात्मक समीक्षा रिपोर्ट में कैग ने कहा है कि राज्य का राजकोषीय घाटा 2016- 17 के 2,948 करोड़ रुपए से 922 करोड़ रुपए बढ़कर 2017- 18 में 3,870 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसी प्रकार राज्य का 2015- 16 और 2016- 17 में जो क्रमश: 990 करोड़ रुपए और 411 करोड़ रुपए का प्राथमिक अधिशेष था वह वर्ष 2017- 18 में परिवर्तित होकर 82 करोड़ रुपए के प्राथमिक घाटे में पहुंच गया। इस दौरान राज्य की राजस्व प्राप्ति 2017- 18 में चार प्रतिशत बढ़कर 27,367 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इससे पिछले वर्ष यह 26,264 करोड़ रुपए पर थी। इसमें से केवल 35 प्रतिशत राजस्व प्राप्ति राज्य के अपने संसाधनों जैसे करों और गैर- कर राजस्व से जुटाई गई जबकि शेष 65 प्रतिशत राशि केन्द्रीय करों और शुल्कों में राज्य के हिस्से के तौर पर केन्द्रीय हस्तांतरण के जरिए प्राप्त हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य का लेखा जोखा वित्तीय सुधार के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। हालांकि राज्य सरकार ने 14वें वित्त आयोग की सिफारिश के मुताबिक अभी तक एफआरबीएम कानून को संशोधित नहीं किया है।

दक्षिणी दिल्ली में ईईएसएल का पहला ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन शुरू

नई दिल्ली। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) और दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने दक्षिणी दिल्ली में पहले सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन का शनिवार को उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य बैटरी से चलने वाले वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन का मजबूत नेटवर्क तैयार करना है। ईईएसएल ने बयान में कहा कि चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के दिन किया गया है। यह चार्जिंग स्टेशन ग्रेटर कैलाश -1 के एन ब्लॉक बाजार में एसडीएमसी के पार्किंग क्षेत्र में लगाया गया है। एसडीएमसी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ईईएसएल ने यह स्टेशन स्थापित किया है। यह पहला चार्जिंग स्टेशन है। समझौते के तहत दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अधीन आने वाले क्षेत्रों में इस तरह के 75 चार्जिंग स्टेशन लगाए जाने हैं। बयान में कहा गया है कि सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन लगाने से लोगों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पाक व श्रीलंका टेस्ट का चौथे दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ा

भाषा। रावलपिंडी

रात भर हुई बारिश और खराब रोशनी के कारण पाकिस्तान की जमीन पर एक दशक से अधिक समय बाद हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन का खेल एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें खराब मौसम के कारण इस्लामाबाद में अपने होटलों में ही रुकीं और स्टेडियम में नहीं आईं। मैदानकर्मियों ने पिच को ढकने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कवर के ऊपर से पानी सुखाया और सुपर सोपर का भी इस्तेमाल किया लेकिन आसमान में छाए बादल और खराब रोशनी के कारण मैदानी अंपायरों रिचर्ड कैटलबोरो और माइकल गफ ने स्थानीय समयानुसार 12 बजे दिन का खेल रद्द करने का फैसला किया। श्रीलंका ने पहले दिन टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। खराब रोशनी के कारण पहले दिन 68.1 ओवर का खेल हो पाया जबकि दूसरे दिन सिर्फ 18 . 2 ओवर फेंके जा सके। तीसरे दिन भी सिर्फ 5.2 ओवर का खेल हो पाया। श्रीलंका ने पहली पारी में छह विकेट पर 282 रन बना लिए है। धनंजय डिसिल्वा 87 जबकि दिलरुवान परेरा छह रन बनाकर खेल रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से 16 साल के तेज गेंदबाज नसीम शाह ने 83 रन देकर दो जबकि शाहीन शाह अफरीदी ने 58 रन देकर दो विकेट चटकाए। रविवार को मौसम साफ रहने की भविष्यवाणी की गई है लेकिन चार दिन में इतने सारे ओवर तक खेल नहीं होने के कारण मैच में नतीजे की संभावना बेहद कम है। दूसरा टेस्ट कराची में 19 दिसंबर से खेला जाएगा। मार्च 2009 में श्रीलंका की टीम पर आतंकी हमले में आठ लोगों की मौत के बाद यह पाकिस्तान की जमीन पर पहला टेस्ट है।

पीसीबी को दक्षिण अफ्रीका के दौरे की उम्मीद

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका अगले साल मार्च में संक्षिप्त श्रृंखला के लिए टीम को पाकिस्तान दौरे पर भेजेगा। इस दौरे पर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेली जानी है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के निवेदन को अस्वीकार कर दिया है जिस पर पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वसीम खान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी बोर्ड से बातचीत जारी है। खान ने कहा, उन्होंने हमारे निमंत्रण पर सकारात्मक रुख अपनाया है। हम इस बात को लेकर आश्वस्त है कि वे टी20 श्रृंखला के लिए यहां आएंगे। पाकिस्तान ने आयरलैंड और अफगानिस्तान की टीमों को भी टेस्ट और सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए आमंत्रित किया है। खान ने कहा कि वे जनवरी-फरवरी में दो टेस्ट मैच और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए बांग्लादेश की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि बांग्लादेश जल्द ही इस श्रृंखला के लिए हामी भर देगा। हमारी मुख्य प्राथमिकता यह है कि पाकिस्तान में टेस्ट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नियमित तौर पर खेला जाए। किसी भी टीम के पाकिस्तान आने में कोई समस्या नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच बने बाउचर

केपटाउन। पूर्व टेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर को शनिवार को 2023 तक दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का कोच बनाया गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के अंतरिम निदेशक और पूर्व टेस्ट कप्तान ग्रीम स्मिथ ने यह घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका की ओर से 43 साल के बाउचर ने 146 टेस्ट, 290 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। इससे पहले टीम के अंतरिम निदेशक रहे और हाल में भारतीय दौरे पर टीम का प्रभार संभालने वाले एनोच एनक्वे को सहायक कोच बनाया गया है। उनका अनुबंध भी 2023 में अगले विश्व कप के अंत तक होगा।

विक्रांत-आयुषी ने राष्ट्रीय खिताब जीता

भोपाल। उत्तर प्रदेश के विक्रांत शर्मा और आयुषी गुप्ता की जोड़ी ने 63वीं राष्ट्रीय राइफल और पिस्टल निशानेबाजी चैम्पियनशिप में शनिवार को यहां मिश्रित टीम 10 मीटर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक के मुकाबले में विक्रांत और आयुषी की जोड़ी ने हरियाणा के पंकज कुमार और हर्षिता दहिया की जोड़ी को 16-8 से हराया। इस बीच महाराष्ट्र के स्वप्निल पाटिल और जान्हवी खानविलकर की जूनियर मिश्रित जोड़ी ने मिश्रित टीम 10 मीटर राइफल फाइनल में पश्चिम बंगाल के श्रेयॉन दत्ता और मेहुली घोष की जोड़ी को 17-13 से हराकर खिताब जीता।

पुर्तगाल में क्वालीफायर में शीर्ष नौ में रहकर टीम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकती है: साथियान

मुंबई। भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने कहा है कि अगर भारतीय टीम को ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है तो पुर्तगाल में होने वाले क्वालीफायर में शीर्ष नौ में जगह बनानी होगी।

आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड पर बड़ी बढ़त बनाई

भाषा। पर्थ

आस्ट्रेलिया के अंतिम घंटे में बल्लेबाजी क्रम के ढहने के बावजूद शनिवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दिन-रात्रि क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बड़ी बढ़त हासिल कर ली। पहली पारी में 250 रन की बढ़त बनाने वाले आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में स्टंप के समय छह विकेट पर 167 रन के साथ 417 रन की कुल बढ़त हासिल कर ली है। मैथ्यू हेड आठ जबकि पैट कमिंस एक रन बनाकर खेल रहे हैं। मार्नस लाबुशेन (50) और जो बर्न्स (53) की पारियों की बदौलत आस्ट्रेलिया की टीम एक समय एक विकेट पर 131 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में थी लेकिन टीम ने अंतिम सत्र में दूधिया रोशनी में 29 रन पर पांच विकेट गंवा दिए। न्यूजीलैंड की ओर से टीम साउथी ने 63 रन देकर चार विकेट चटकाए। लाबुशेन ने नील वैगनर (40 रन पर दो विकेट) की गेंद पर मिड विकेट पर मिशेल सेंटनर को कोच थमाया जिससे वह आस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाजों की सूची में जगह बनाने से चूक गए। एक महीने पहले तक लाबुशेन के नाम पर कोई टेस्ट शतक नहीं था लेकिन वह लगातार चार टेस्ट शतक जड़ने वाला दूसरे आस्ट्रेलियाई और कुल पांचवें बल्लेबाज बनने की राह पर थे। इससे पहले आस्ट्रेलिया की ओर से सिर्फ जैक फिंगलटन यह कारनामा कर पाए हैं। स्टीव स्मिथ एक बार फिर नाकाम रहे और 16 रन बनाने के बाद वैगनर की शार्ट गेंद पर कैच दे बैठे। स्मिथ के 71 टेस्ट के करियर में यह पहला मौका है जब वह लगातार तीन मैचों में कोई अर्धशतक नहीं बना पाए। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 416 रन बनाए थे और फिर न्यूजीलैंड को 166 रन पर ढेर कर दिया था। तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने 52 रन देकर पांच विकेट चटकाए। न्यूजीलैंड की ओर से सिर्फ अनुभवी रोस टेलर टिक्कर बल्लेबाजी कर पाए। उन्होंने नाथन लियोन की गेंद पर स्लिप में स्मिथ को कैच थमाने से पहले 80 रन बनाए। बेहद गर्मी और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोटिल होने के कारण आस्ट्रेलिया ने फालोआन नहीं देने का फैसला किया।

यूपी के एकलव्य, मानवी व आबिद, शायान को स्वर्ण

● प्रथम राष्ट्रीय जूनियर जूजुत्सू चैंपियनशिप शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आबिद खान ने प्रथम राष्ट्रीय जूनियर जूजुत्सू चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। वहीं यूपी का चौथा स्वर्ण पदक मोणशायान ने दिलाया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में चल रही इस चैंपियनशिप में आज यूपी के कलव्य चौधरी, मानवी सिंघल व खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण चार रजत व एक कांस्य पदक जीतकर दबदबा बनाया। वहीं उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने भी कड़ी चुनौती पेश करते हुए तीन स्वण, दो रजत व तीन कांस्य पदक जीते। आज तेलंगाना जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश व दिल्ली ने भी एक-एक स्वर्ण पदक जीते। चैंपियनशिप का उद्घाटन मुख्य अतिथि एडीजी चंद्र प्रकाश ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। पहले दिन हुई स्पर्धाओं के परिणाम :फाइटिंग सिस्टम बालक ;अंडर.10ए 30 किग्रा से कम, स्वर्ण पार्थ जोशी ;उत्तराखंड, रजत: याजिद सी ;केरल, कांस्य: प्रदीप सिंह ;पंजाब व मोहम्मद महमूद ;तेलंगाना, बालक अंडर-10,38 किग्रा से कम, स्वर्ण: एकलव्य चौधरी ;यूपी, रजत: मोहम्मद मुनार अली ;केरल, कांस्य: पूल कोली ;जम्मू,कश्मीर, बालक अंडर-8, 24 किग्रा से कम, स्वर्ण: दर्श भट्ट ;जम्मू,कश्मीर, रजत: देवांश रस्तोगी ;यूपी, कांस्य: स्वप्निल बिष्ट ;उत्तराखंड, व अविन नेगी ;उत्तराखंडद्ध बालिका ;अंडर.10ए 25 किग्रा से कमद्धरू.स्वर्ण: साबिया खान ;तेलंगानाद्धा रजत: अविका जायसवाल ;यूपी, बालिका ;अंडर.12ए 48 किग्रा से कमद्धरू.स्वर्ण: शैली ;उत्तराखंड, रजत: दिव्यी पांडे ;उत्तराखंड,बालिका ;अंडर.10ए 32 किग्रा से कम, स्वर्ण: मानवी सिंघल ;यूपीद्धा रजत: अनिका साव ;जम्मू,कश्मीर, कांस्य: एकमजोत कौर ;पंजाबद्ध व प्रिया देवनाथ ;जम्मू,कश्मीर,बालिका ;अंडर.12ए 36 किग्रा से कम, स्वर्ण: दिव्यान्सा शर्मा ;मध्य प्रदेश, रजत: अतुष्का जानसन ;यूपी, कांस्य: गार्गी शर्मा ;उत्तराखंड,बालक ;अंडर.12ए 30 किग्रा से कमद्धरू.स्वर्ण: सुहैल अहमद ;दिल्ली, रजत: शहबाजुद्दीन ;तेलंगाना, कांस्य: आदित्य गुप्ता ;यूपी,बालिका ;अंडर.12ए 40 किग्रा से कमद्धरू.स्वर्ण: भाविका ;उत्तराखंडद्धा रजत: निकिता वर्मा ;यूपीद्धा कांस्य: अविका रस ;केरलद्ध,बालक ;अंडर.10ए 42 किग्रा से ज्यादाद्धरू.स्वर्ण: आबिद खान ;

शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

फतेहगढ़। पंद्रहवीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज शनिवार को पावरनगर मसवीर इंटर कालेज के राम मानसी स्टेडियम में भारतीय हॉकी टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी एसवी सुनील ,ओलंपियनए अर्जुन अवार्डी के द्वारा अमर जवान ज्योति के प्रज्जवलन के साथ हो गया। इसके पूर्व लखनऊ से चली 50 मशाल धावक फूलीलगर से खराब मौसम व बारिश के चलते सुबह ग्यारह बजे दुर्घटपुरी होते हुए शहीद मेजर के पैतृक गांव भोलेपा पंदरीवा स्थित शहीद चौक पहुंचे। वहां शहीद की मूर्ति पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके बाद शहीद मेजर की बटालियन के लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक टेलवाल के साथ आये जवानों ने गार्ड ऑफऑनर दिया। वहां से 301 और धावकों के साथ मशाल दौड़ आगे बढ़ी और कुल 351 धावकों का काफिला फतेहगढ़ करके स्टेट बैंक चौराहे पर पहुंचा। यहां मुख्य अतिथि एसवी सुनील मशाल धावकों की अगुवानी करते हुए उन्हें आयोजन स्थल स्टेडियम ले गए। खेल मैदान पर मुख्य अतिथि ने अमर जवान ज्योति प्रज्वलित की जो प्रतियोगिता के दौरान तक जलती रहेगी। इसके बाद विशिष्ट अतिथि फूलीलगर के पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय की गेंद पर एसवी सुनील ने बल्लेबाजी की थी। एसवी सुनील ने अपने संबोधन में कहा कि खराब मौसम के बावजूद यहां मिले सम्मान के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।

स्वीडन से की हार के बाद भी टीम पर गर्व: महिला अंडर-17 कोच

भाषा। मुंबई। भारतीय अंडर-17 महिला टीम तीन देशों के टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में स्वीडन से 0-3 से हार गई लेकिन मुख्य कोच थामस डेनर्बी ने कहा कि मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रदर्शन से उन्हें टीम पर गर्व है। डेनर्बी ने कहा, हमें पता है कि यूरोप में स्वीडन मजबूत टीम है और हर किसी को पता है कि उनकी सीनियर टीम ने इस साल विश्व कप में कांस्य पदक जीता है। मुझे अपनी टीम की खिलाड़ियों पर गर्व है। हमने गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए। गौका बनाने के बाद अंतिम क्षणों में हम उसे गोल में नहीं बदल सके, हम इस पर काम कर रहे हैं। मुख्य कोच के तौर पर दो महीने पहले टीम का कार्यभार संभालने वाले डेनर्बी ने कहा कि खिलाड़ी नई प्रणाली में ढल रहे हैं। उन्होंने कहा, आप इसे देख सकते हैं - डिफेंस, मिडफील्ड, आक्रमण हर विभाग में खिलाड़ी अच्छा कर रही हैं। हमारा लक्ष्य लंबे समय का है और हम उसमें ढलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, नए कोच के साथ खिलाड़ियों को सामंजस्य बैठाने में थोड़ा समय लगता है। मुझे लगता है कि वे टीम की योजना को मैदान में उतारने के मामले में अच्छा कर रही हैं। भारत अपना अगला मैच मंगलवार को थाईलैंड से खेलेगा।

चौक स्टेडियम के चार खिलाड़ी टीम में

लखनऊ। चौक स्टेडियम लखनऊ के चार खिलाड़ी सब जूनियर तथा जूनियर के लिए चयनित किए गए हैं। सब जूनियर प्रतियोगिता आगामी 1 से 5जनवरी को राजस्थान के अलवर में सम्पन्न होगी। जूनियर प्रतियोगिता 17.से 22 दिसंबर तक को मध्यप्रदेश के विदिशा में सम्पन्न होगी।

खिलाड़ी निम्न है : सब जूनियर वर्ग में- गायत्री शुक्ला (वअमत.38 ग्र्ह) ब्राइट कैरियर इण्टर कॉलेज,आयुषी यादव (वअमत.38 ग्र्ह) एमा थामसन स्कूल,जूनियर वर्ग में -1. रिद्धिमा जैशवाल (न.63 ग्र्ह) रामाधीन इण्टर कॉलेज,2. नमिता यादव (न.49 ग्र्ह) नेशनल इण्टर कॉलेज

पूर्वोत्तर भारत की यात्रा को लेकर बरतें सावधानी

अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों ने अपने नागरिकों को सतर्क किया

भाषा। वाशिंगटन/लंदन

अमेरिका, ब्रिटेन, इजराइल, कनाडा और सिंगापुर समेत कई देशों ने अपने नागरिकों को भारत में संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन से गुजर रहे पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा करने के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से उत्पीड़न के चलते भारत पहुंचे गैर मुस्लिमों को नागरिकता प्रदान करने पर केंद्रित इस नए संशोधित नागरिकता कानून से पूर्वोत्तर में जनाक्रोश फैला हुआ है। लोगों को डर है कि इससे अवैध प्रवासन की समस्या और बिगड़ सकती है। अमेरिका ने प्रदर्शन के केंद्र असम की आधिकारिक यात्राएं अस्थाई रूप से निलंबित कर दी हैं। परामर्श में कहा गया है, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अमेरिकी नागरिकों को नागरिकता (संशोधन) विधेयक को मंजूरी मिलने से हो रहे प्रदर्शन और हिंसा की खबरों के मद्देनजर सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ क्षेत्रों में सरकारी कर्फ्यू लगाया गया है। इंटरनेट और मोबाइल संचार सेवाएं बाधित हो सकती हैं। विभिन्न हिस्सों में आवाजाही प्रभावित हो सकती है।

नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास ने भी पूर्वोत्तर में रहने वाले अपने नागिरकों को के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं की सूची जारी की है। ब्रिटिश सरकार ने भी अपने नागरिकों को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा करने को लेकर आगाह करते हुए नया यात्रा परामर्श जारी किया है। सभी देशों के लिए फॉरेन एंड कॉमनवेल्थ ऑफिस (एफसीओ) द्वारा नियमित रूप से अद्यतन किए जाने वाले नियमित यात्रा परामर्श खंड में ब्रिटिश नागरिकों को इस क्षेत्र की अति आवश्यक यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय ने भी पूर्वोत्तर भारत के लिए यात्रा नोटिस जारी किया है और अपने नागरिकों को वहां की यात्रा के दौरान सतर्कता एवं सावधानियां बरतने की सलाह दी है। कनाडा ने अपने नागरिकों को अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नगालैंड की गैर जरूरी यात्राएं टालने की सलाह दी है। इजराइल ने अपने यात्रियों को हिंसक प्रदर्शन के चलते असम बिलकुल नहीं जाने की सलाह दी है। पूर्वोत्तर राज्यों में रहने वाले अपने नागरिकों को इजराइल ने अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार काम करने की सलाह दी है।

कैब से पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित है अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर नजर रखने वाले अमेरिका के एक राजनयिक ने कहा कि भारत में नागरिकता (संशोधन) विधेयक (कैब) से पड़ने वाले असर को लेकर अमेरिका चिंतित है।

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिका के विशेष राजदूत सैम ब्राउनबैक ने ट्वीट किया, भारत का संविधान उसकी महान ताकतों में से एक है। एक साथी लोकतंत्र के तौर पर, हम भारत के संविधान का सम्मान करते हैं लेकिन कैब से पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि सरकार धार्मिक स्वतंत्रता सहित संविधान की अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करेगी। भारत और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह होने वाली 2-2 वार्ता से पहले उनका यह बयान आया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर के साथ 18 दिसंबर को दूसरे दौर की 2-2 वार्ता करने के लिए अगले सप्ताह यहां आएंगे।

कॉनवे, वाश के पास स्केगिट घाटी में सर्दियों के शुरूआत में एक मैदान में भारी संख्या में आए पक्षी मैदान में उतरे। आर्कटिक टुंड्रा से पलायन के बाद घाटी में प्रतिवर्ष 50,000 से अधिक पक्षी आते हैं। ये पक्षी चार फीट से अधिक लंबे पंखों के साथ 33 इंच तक ऊंचे होते हैं

संरा की जलवायु परिवर्तन वार्ता अधर में, गतिरोध कायम

एपी। मैड्रिड

संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक समय सीमा बीत जाने के बाद भी देशों के बीच जलवायु परिवर्तन पर वार्ता में गतिरोध कायम है। कम से कम 200 देश के अधिकारी शनिवार को यहां रातोंरात तैयार किए गए नए मसौदे का आकलन करने के लिए एकत्रित हुए।

कई देशों और पर्यवेक्षकों ने कहा कि नवीनतम मसौदे में 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में की गई प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का जोखिम है और वैज्ञानिकों द्वारा ऐसी किसी चेतावनी को भी रेखांकित नहीं किया गया है कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तेजी से गिरावट लाने की जरूरत है। मैड्रिड में इस दो सप्ताह की वार्ता की अध्यक्षता कर रहीं चिली की पर्यावरण मंत्री कैरोलिना शिमट ने देशों से नवीनतम मसौदे के समग्र संतुलन को मान्यता देने का आग्रह किया और अधिकारियों से कहा कि दुनिया को दिखाएं कि हम काम करते हैं और बहुपक्षवाद भी काम करता है।

मैड्रिड में कॉप 25 सम्मेलन में पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन से संबंधित आपदाओं पर चर्चा की गई, जिसमें अप्रत्याशित चक्रवात, अकाल और रिकॉर्ड-तोड़ लू शामिल हैं। सम्मेलन 2 दिसंबर को शुरू हुआ था और शुक्रवार शाम वार्ता समाप्त होने का कार्यक्रम था। लेकिन यह शनिवार सुबह तक जारी रही, जैसा कि अक्सर इस तरह के सम्मेलन में होता है।

अफगान मिलिशिया के सदस्य ने की साथियों पर गोलीबारी, नौ की मौत

एपी। काबुल

अफगानिस्तान में मिलिशिया के एक सदस्य ने शनिवार तड़के अपने साथियों पर गोलीबारी की, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई। देश के गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। वहीं तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया कि हमले में 24 से अधिक लोगों की मौत हुई। तालिबान ने जांच चौकी पर हुए इस हमले को समन्वित आतंकवादी हमला करार देते हुए इसकी जिम्मेदारी ली है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता फवाद अमन ने बताया कि जांचकर्ता काराबाग जिले के गजनी प्रांत में हुए हमले की जांच कर रहे हैं। हमलावरों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। अफगान मिलिशिया दूरदराज के क्षेत्रों में सक्रिय हैं और देश के राष्ट्रीय सुरक्षा बल की कमान के तहत काम करते हैं। इन बलों पर तालिबान अकसर हमला करता है।

नेपाल के दक्षिणी शहर में विस्फोट, तीन लोगों की मौत, तीन घायल

काठमांडू (एपी)। नेपाल के दक्षिणी शहर स्थित एक घर में हुए विस्फोट में मकान मालिक, उसके बेटे और एक पुलिस अधिकारी की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि महेन्द्रनगर शहर में आधी रात के बाद हुए विस्फोट में एक अन्य पुलिस अधिकारी, मकान मालिक का एक बेटा और एक बेटी घायल भी हुए हैं। मकान मालिक का एक मेडिकल स्टोर था। उन्होंने बताया कि मकान मालिक ने घर के प्रवेश द्वार पर एक संदिग्ध उपकरण देखा था, जिसके बाद उसने पुलिस को बुलाया। अधिकारी उसकी जांच कर ही रहे थे कि वह फट गया। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। हमले की किसी ने जिम्मेदारी भी नहीं ली है। यह शहर राजधानी काठमांडू से 200 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में स्थित है।

कांगो में हुए तीन हमलों में 17 लोगों की मौत

बुनिया। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में हुए तीन हमलों में 17 लोगों की मौत हो गई। इनमें से दो हमले इटूरी प्रांत में हुए जिसके पीछे कोडेको मिलिशिया का हाथ था, जिस पर जून में हुए एक जनसंहार का भी आरोप है। सेना के एक प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जूल्स एनगोंगो ने बताया कि शुक्रवार को तड़के मिलिशिया लड़ाकों के हमले में तीन लोग मारे गए।

स्थानीय रेडियो निदेशक डेनियल टिबासिमा ने बताया कि उन्होंने एक पादरी, एक खुफिया एजेंट और एक महिला का शव देखा। एक स्थानीय दुकानदार का भी अपहरण किया गया है। अल्बर्ट झील के तट पर बुधवार रात को एक और हमला हुआ था, जिसमें नौ लोग मारे गए, जिसमें चार महिलाएं, एक युवती और चार पुरुष शामिल थे।

खुफिया सूचना को लेकर भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को फाईव आइज के साथ लाया जाए: कांग्रेस समिति

वाशिंगटन (भाषा)। चीन पर अपनी नजर गड़ाते हुए भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति और कानून का शासन बनाए रखने के अपने प्रयास के तहत अमेरिकी कांग्रेस की एक शीर्ष समिति ने आसूचना (खुफिया) सूचनाओं को साझा करने के लिए इस क्षेत्र के तीन लोकातांत्रिक देशों-भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को फाईव आइज के समतुल्य रखने की मांग की है।

फाईव आइज आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, ग्रेट ब्रिटेन और अमेरिका का गठबंधन है। यह एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जिसके तहत ए पांचों देश आपस में सहयोग करते हैं और सिग्नल आसूचना, सैन्य आसूचना और मानव आसूचना आपस में साझा करते हैं। खुफियागीरी पर प्रतिनिधि सभा की स्थाई समिति के अध्यक्ष एडम शीफ ने बृहस्पतिवार को प्रतिनिधि सभा को सौंपी अपनी रिपोर्ट में भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को फाईव आइज के साथ लाने के पक्ष में दलील दी ताकि भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं कानून का शासन कायम रहे। भारत-प्रशांत एक ऐसा जैव-भौगोलिक क्षेत्र हैं जिसमें हिंद महासागर, पश्चिमी और मध्य प्रशांत महासागर और दक्षिण चीन सागर शामिल हैं। शीफ ने कहा, कांग्रेस की खुफिया एवं रक्षा समितियों को कानून बनने के 60 दिन के अंदर भारत, जापान और कोरिया तथा फाईव आइज के सहयोगियों के बीच सूचनाओं के आदान प्रदान के लाभों, चुनौतियों और सूचना-विनिमय के दायरे में विस्तार के जोखिम आदि से अवगत कराएगी।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान में अब भी पोलियो होना शर्म की बातः इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि यह शर्म की बात है कि हमारा देश उन दो देशो में से एक है, जहां अब भी पोलियो मौजूद है। खान ने इस्लामाबाद मे देशव्यापी पोलियो उन्मूलन अभियान के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए परिजन से आगे आकर अपने बच्चो को पोलिया का टीका लगवाने की अपील की। उन्होने कहा कि यह शर्म की बात है कि पाकिस्तान दुनिया के उन दो देशो मे एक है जहां पोलियो अब भी मौजूद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार केवल पाकिस्तान, अफ्गानिस्तान और नाइजर ही ऐसे देश है, जो अब तक पोलियो पर काबू नही पा सके है।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद एक महत्वपूर्ण उप-समिति के बने अध्यक्ष

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद एमी बेरा को अमेरिकी संसद (कांग्रेस) की एशिया, प्रशांत एवं परमाणु अप्रसार उप-समिति का अध्यक्ष चुना गया है। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट पार्टी के चार बार के सांसद बेरा अब ब्रैड शर्मन की जगह लेंगे। बेरा ने कहा, मै एशिया, प्रशांत एवं परमाणु अप्रसार उप-समिति का अध्यक्ष बन कर गौरवान्वित हूं। एशिया अहम क्षेत्रो मे से है और अमेरिका के महाद्वीप मे मजबूत और स्थाई संबंध है। उन्होने कहा कि प्रमुख के तौर पर वह यह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका अपने सभी राजनीतिक, सैन्य, सांस्कृतिक और आर्थिक उपकरणो का उपयोग अमेरिकी हितो को पूरा करने और एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र मे अमेरिकी प्रतिबद्धताओ को बनाए रखने एवं बढ़ाने के लिए करे।

उत्तर कोरिया ने सोहे उपग्रह प्रक्षेपण स्थल से एक अन्य महत्वपूर्ण परीक्षण किया

सियोल। उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता पर गतिरोध कायम रहने के बीच प्योगयांग ने अपने सोहे उपग्रह प्रक्षेपण स्थल से एक अन्य महत्वपूर्ण परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह मिसाइल परीक्षण ऐसे समय मे किया गया है जब अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच परमाणु निरस्त्रीकरण की बातचीत रूकी पड़ी है। केसीएनए संवाद समिति ने उत्तर कोरिया की राष्ट्रीय रक्षा विज्ञान अकादमी के प्रवक्ता के हवाले से कहा, 13 दिसंबर को रात 10 बजकर 41 मिनट से 22 बजकर 48 मिनट तक सोहे उपग्रह प्रक्षेपण स्थल से एक और सफल परीक्षण किया गया।

बेवर्ली हिल्टन में शुक्रवार को 2019 के स्ट्रीमिंग अवार्ड्स में पहुंची लॉस एंजेलिस स्थित यूट्यूब वीडियो उत्पादक टीम ब्यूटेड साइड डाउन

चिली ने विमान हादसा पीड़ितों की पहचान की शुरू

पुंटा एरीनास (चिली)। चिली सैन्य विमान हादसे में मारे गए 38 लोगों के अवशेषों को पहचान के लिए एक सैन्य अड्डे लाया गया है। अवशेष एक हरकुलस सी-130 विमान से लाए गए और उन्हें स्थानीय जांच अधिकारी को सौंप दिया गया।मृतकों के कुल 39 संबंधियों ने डीएनए नमूने देने के लिए शुक्रवार को सैंटियागो से पुंटा एरीनास के लिए उड़ान भरी थी। उल्लेखनीय है कि एक अन्य सी-130 हरक्यूलिस विमान ने सोमवार को पुंटा एरीनास शहर से शाम चार बजकर 55 मिनट पर प्रेसिडेंट एडुआर्डो फ्रेई अंटार्कटिका बेस के लिए उड़ान भरी थी। विमान में 38 लोग सवार थे। सेना का कहना है कि कि विमान में कई घंटे तक उड़ान के लिए पर्याप्त ईंधन था। विमान से अचानक संपर्क टूटने के सात घंटे बाद विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घोषणा की गई थी।

वकीलों की हड़ताल की वजह से हाफिज सईद के खिलाफ सुनवाई 16 दिसंबर तक स्थगित

भाषा। लाहौर

मुंबई हमले के मुख्य षड्यंत्रकर्ता हाफिज सईद पर आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में अभियोग तय करने के बाद अदालत ने शनिवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई वकीलों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की वजह से टाल दी।

आतंकवाद का वित्तपोषण करने के मामले में आरोपी सईद और उसके तीन करीबियों को वकीलों की हड़ताल की वजह से आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी)के समक्ष पेश नहीं किया जा सका है। वकील लाहौर के अस्पताल में उपद्रव करने के आरोप में गिरफ्तार अपने साथियों को रिहा करने की मांग को लेकर पिछले तीन दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बाद लाहौर की एटीसी अदालत ने सईद और अन्य के खिलाफ मामले की सुनवाई 16 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अभियोजन पक्ष भी सईद और अन्य के खिलाफ गवाहों को अदालत ला नहीं सका। उल्लेखनीय है कि एटीसी अदालत ने बुधवार को जमात-उद-दावा (जेयूडी) प्रमुख हाफिज सईद और उसके करीबी सहयोगी हाफिज अब्दुल सलाम बिन मुहम्मद, मुहम्मद अशरफ और ज़फर इकबाल के खिलाफ उनकी उपस्थिति में आतंकवाद का वित्तपोषण करने के आरोप तय किए और अभियोजन पक्ष को गवाह पेश करने का निर्देश दिया।

पंजाब के उप महाभियोजक अब्दुर राउफ ने अदालत को बताया कि आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा संस्थापक और अन्य आतंकवाद का वित्तपोषण करने में शामिल है एवं पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी)के पास इस संबंध में पुख्ता सबूत हैं। सीटीडी ने सईद और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकवाद का वित्त पोषण करने के आरोप में पंजाब के विभिन्न शहरों में 23 मुकदमे दर्ज किए हैं। सईद को 17 जुलाई को गिरफ्तार किया गया और अभी उसे लाहौर के कोट लखपत जेल में रखा गया है।

अमेरिकी मंत्रियों ने ईरान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

भाषा। वाशिंगटन

● बगदाद हवाईअड्डे के पास जिस परिसर को निशाना बनाया गया वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात है

इराक के बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास एक परिसर पर दो रॉकेट हमलों के बाद अमेरिका के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री ने शुक्रवार को ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाया तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास जिस परिसर को निशाना बनाया गया वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। सोमवार को हुई इस घटना में कई इराकी सैनिक घायल हुए थे। अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका ईरान के बुरे बर्ताव को बर्दाश्त नहीं करेगा।

एस्पर ने काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (सीएफआर) थिंक टैंक में कहा, हम ईरान की आक्रामकता के जवाब में अपने सहयोगियों और साझेदारों के बीच बढ़े हुए बोझ को बांटकर उन्हें प्रोत्साहित कर इसका अंतरराष्ट्रीयकरण करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान लगातार पश्चिम एशिया में अपना घातक प्रभाव और अस्थिरकारी गतिविधियां बढ़ा रहा है। उधर, खबर के अनुसार अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान ने इराक में अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाया तो अमेरिका उसके खिलाफ सख्त कार्वाई करेगा।

पोम्पिओ ने एक बयान में कहा, हम निश्चित रूप से... इस मौके का इस्तेमाल कर ईरान के नेताओं को याद दिलाना चाहेंगे कि अगर उन्होंने या उनसे संबंधित किसी ने भी हम पर (अमेरिकी सैनिकों पर), हमारे सहयोगियों या हमारे हितों पर हमला किया तो अमेरिका इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने कहा, ईरान को निश्चित रूप से अपने पड़ोसी देश की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए और इराक तथा समूचे क्षेत्र में तीसरे पक्ष को घातक सहायता और समर्थन देना बंद करना चाहिए।

मेरे खिलाफ महाभियोग चलाया जाना अनुचित हैः ट्रम्प

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है और उनके नेतृत्व में देश अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, इसलिए उनके खिलाफ महाभियोग चलाया जाना अनुचित है।

ट्रम्प ने शुक्रवार रात को ट्वीट किया, मैंने कुछ भी गलत नहीं किया, ऐसे में मेरे खिलाफ महाभियोग चलाया जाना अनुचित है। ट्रम्प पर आरोप हैं कि उन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में संभावित प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन समेत अपने प्रतिद्वंद्वियों की छवि खराब करने के लिए यूक्रेन से गैरकानूनी रूप से मदद मांगी।

उल्लेखनीय है कि डेमोक्रेट्स अमेरिकी सांसदों ने शुक्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ दो आरोपों को मंजूरी दे दी। इस तरह कथित कदाचार के लिए प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत है। प्रतिनिधि सभा में पारित होने के बाद महाभियोग की कार्यवाही 100 सदस्ईय अमेरिकी सीनेट में आगे बढ़ेगी जहां ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है।

ट्रम्प ने ट्वीट किया, ... डेमोक्रेट नफरत की पार्टी बन गए है। वे हमारे देश के लिए बहुत खराब हैं। इससे पहले उन्होंने महाभियोग को एक छल और राजनीति से प्रेरित बताया था।

डोनाल्ड ट्रंप के कर विवरणी मामले पर अगले साल सुनवाई करेगा अमेरिकी उच्चतम न्यायालय

वाशिंगटन(एएफपी)। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कर विवरणी और वित्तीय रिकॉर्ड जारी करने से संबंधित मामलों की अगले साल सुनवाई करेगा। इन मामलों में ट्रंप ने अपनी कर विवरणी और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड तक लोगों की पहुंच रोकने की मांग की है। निचली अदालतों ने अपने फैसले में कहा था कि ट्रंप को निश्चित रूप से रिकॉर्ड के बारे में बताना चाहिए लेकिन राष्ट्रपति के वकील ने देश की शीर्ष अदालत में दलील देते हुए अपील की कि बतौर राष्ट्रपति उन्हें इससे छूट मिली हुई है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह मार्च के सत्र के दौरान इन दलीलों पर सुनवाई करेगा और 30 जून को सत्र समाप्ति से पहले इसके लिए आदेश जारी करेगा। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय में रूढीवादी जजों की अधिकता है। ट्रंप न्यूयॉर्क के रियल इस्टेट कारोबारी हैं और रिचर्ड निक्सन के बाद वह पहले ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन्होंने अपनी कर विवरणी सार्वजनिक नहीं की है। उनका दावा है कि इंटर्नल रेवेन्यू सर्विस (आईआरएस) उनका लेखा परीक्षण कर रही है।

अमेरिका और भारत के साझे रणनीतिक हित हैंः एस्पर

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने आगामी समय में चीन और रूस को शीर्ष दो चुनौतियां बताते हुए कहा कि अमेरिका और भारत के साझे रणनीतिक हित हैं। एस्पर ने काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (सीएफआर) में अपने संबोधन के दौरान कहा, अमेरिका अगले हफ्ते वाशिंगटन डीसी में भारत के साथ दूसरी टू-प्लस-टू मंत्री स्तरीय वार्ता की मेजबानी करेगा, जहां हम मजबूत होती हमारी साझेदारी को और आगे बढ़ाएंगे क्योंकि दोनों देशों के साझे रणनीतिक हित हैं।

एस्पर 18 दिसंबर को पेंटागन में अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। उसके बाद, वह और सिंह विदेश विभाग के फोगी बॉटम मुख्यालय जाएंगे, जहां वे विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ के साथ भारत और अमेरिका की दूसरी 2 2 मंत्रीस्तरीय वार्ता में शामिल होंगे। एस्पर ने कहा, जैसा कि आप देख सकते हैं, भारत-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त बनाए रखने का हमारा संकल्प बहुत दृढ़ है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसे स्थापित करने के लिए अमेरिका और इसके सहयोगी देशों ने कड़ी मेहनत की है।

चीन के संदर्भ में उन्होंने कहा, हमने एक बड़ी शक्ति प्रतियोगिता के एक नए युग में प्रवेश कर लिया है। पेंटागन के शीर्ष नेता ने कहा, पहले चीन और फिर रूस से निपटना अब रक्षा विभाग की शीर्ष प्राथमिकताएं हैं। दोनों राष्ट्र अपने सशस्त्र बलों का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहे हैं और अंतरिक्ष एवं साइबर जगत में अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं।

पायनियर
रविवार, 15 दिसंबर, 2019

एजेण्डा

{ मेरे लिए वही व्यक्ति बने रहना एक बहुत बड़ा काम है क्योंकि मैं जानती हूं कि यह सब एक दिन खत्म होने वाला है और मैं बस खुद को पाने वाली हूं
– गीना केरानो }

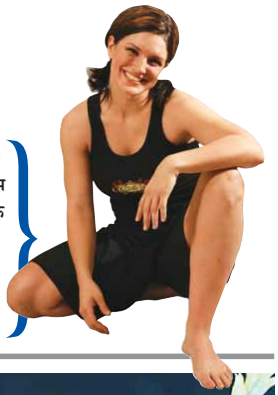

धरती के चैंपियन

भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर दुनिया छोड़कर जाने के लिए ये चैंपियन अच्छे काम कर रहे हैं। इनकी प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाने के लिए दिल्ली में हाल में आयोजित अर्थ हीरो अवार्ड कार्यक्रम में इन प्रकृति के रक्षकों से मुलाकात करती हैं शालिनी सक्सेना

जलालुद्दीन बाबा, जम्मू एवं कश्मीर, अवार्ड कैटेगरी : प्रेरणा

वह छठीं कक्षा में थे और जम्मू-कश्मीर में बांदीपुरा जिले में माता पिता को वुलर झील का दोहन करते देखा करते थे- यानी जो कुछ भी झील दे पाती थी- मछली और सिंघाड़े। उसी समय बाबा ने फैसला किया कि जब वह पर्याप्त बड़े हो जाएंगे तो वह हर वो काम करेंगे जो झील को प्रतिदान स्वरूप वापस लौटाने के रूप में संभव होगा यानि उसके एवज में जो उनके माता पिता ने झील से ग्रहण किया था जोकि उस क्षेत्र में लोग क जीवन की जीवनरेखा है।

बाबा, जिन्हें पर्यावरण, जल, पर्यावरण परिवर्तन, आजीविका, वन एवं ग्लेशियर्स आदि विषयों पर फिल्म निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण आरबीएस अर्थ हीरोज अवार्ड द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया है, बताते हैं कि वह बांदीपुरा गांव के रहने वाले हैं जो वुलर झील के किनारों पर स्थित है। वुलर झील 272 वर्ग किमी क्षेत्र में ऐशिया में सबसे बड़ी ताजा पानी की झील है।

बाबा समझाते हैं, ''मैं सिंघाड़ों, नद्रू, मछली और कभी कभी तो मिट्टी के सत की तरह इस झील की नेमतों के तटों पर जन्मा था। वुलर का पानी मेरे खून में दौड़ता है। यह हमेशा मेरे मन में था कि मैं प्रकृति मां को वो चीज लौटाऊं जिसने मुझे पोषित किया था। इसने मुझे प्रकृति की ओर खींचा। मैं छोटा होने लगा। मैं अपने स्तर पर छोटा होने लगा। मैं अपने स्तर पर कचरा बीनने जाता जो तटों पर एकत्रित हो जाता। कभी कभी मैं अपने दोस्तों की भी इस काम में खींच लेता। मेरी सक्रियता उस चीज की प्रतिक्रिया थी जो मैंने अपने माता पिता को झील में करते देखा था। ''

वह बताते हैं कि झील आठ लाख लोगों

वुलर झील हजारों आप्रवासी पंछियों को आकर्षित करती है। यह क्षेत्र एक इको-पर्यटक स्थल बन सकता है जो कि पहले से बना हुआ है। यह स्थानीय लोगों को कमाई के वैकल्पिक साधन प्रदान कर सकता है। लेकिन सालों का उसके दोहन ने इसकी जैवविविधता पर विध्वंसकारी प्रभाव डाला है। इसमें से कुछ अभी बचा हुआ है। अभी भी समय है।

का पेट पालती है। बाबा, जो मीडिया विभागों, स्कूलों, कालेजों व देश भर के विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षक एवं अतिथि फैकल्टी भी हैं, कहते हैं कि फिर भी, वे स्वच्छ ताजा पानी पाने का क्या अर्थ होता है, इसकी महत्ता को नहीं समझते हैं।

वह साइंस व हरियाली पर फिल्म निर्माण कार्यशालाएं, व्याख्यानों, प्रत्यक्ष प्रशिक्षणों व प्रदर्शन आयोजित करते हैं। उन्होंने औपचारिक पहचानों, नामांकनों एवं देश भर में सम्मनों के अलावा भारत, चीन, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्पेन और बांग्लादेश से 19 से अधिक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। कथा सुनाने की उनकी दक्षता ने उन्हें साइंस संप्रेषक तथा विज्ञान प्रसार, विज्ञान एवं तकनीक विभाग के रिसोर्स पर्सन के रूप में पंजीकृत किया है।

बाबा याद करते हैं, ''शुरुआत में, मैं कहानियां सुनाता था, मछुआरों से कहता था कि झील को लोगों के दायरे में लाना क्यों अनिवार्य है। मैं आलेख लिखा करता और बहसों में भाग लेता कि किस प्रकार हम नदियों को विषैला कर रहे हैं। मैं लोगों से कहता था कि क्या करें और क्या न करें। इस झील के आसपास 42 अन्य नदियां हैं जो स्थानीय लोगों की प्यास बुझाती हैं। मैं लोगों से कहता कि झील में कचरा व दूषित पदार्थ न फेंकें क्योंकि यह पानी पुनर्चक्रित, स्वच्छ होता है और नल के रास्ते हमारे लिए पीने के काम आता है। फिर इसमें मछली, नद्रू और यहां तक कि सिंघाड़ा हैं। जो हम नदी में फेंकते हैं उसे मछली खाती हैं और फिर हम उस मछली को खाते हैं । हम नद्रू और सिंघाड़े भी खाते हैं।

>> पेज 3

एस सतीश, तमिलनाडु अवार्ड कैटेगरी: दुर्लभ प्रजातियों को बचाओ

एस सतीश गल्फ आफ मन्नार मेरीन नेशनल पार्क, तमिलनाडु में फारेस्ट रेंज आफिसर हैं। यह दक्षिण-पूर्व एशिया में पहला मेरीन नेशनल पार्क है। फोरेस्ट्री और उसके बाद पर्यावरण विज्ञान में अपनी बीएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद, सतीश अब मेरीन बायलोजी में अपनी डाक्टरी की पढ़ाई कर रहे हैं। प्रकृति व प्रजातियों के संरक्षण में उनकी रुचि ने तब अपनी जड़ें जमायीं, जब उन्होंने हैदराबाद, तेलगांना में अपना डेढ़ साल का प्रशिक्षण पूरा किया। वह बताते हैं कि गल्फ आफ मन्नार में उनकी पोस्टिंग काफी हद तक एक सज़ा जैसी थी।

हमारे पास समुद्र के भीतर जो है वह इको सिस्टम के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। समुद्री गाय या डुगोंग तथा समुद्री कछुए यहां खतरे में हैं। डुगोंग का उसके मीट के लिए शिकार किया जाता है।

सतीश कहते हैं, ''अधिकांश फारेस्ट रेंज यहां पोस्टिंग को सजा के रूप में समझते हैं क्योंकि मेरिन नेशनल पार्क में कार्यशैली किसी टाईगर रिजर्व में काम करने की शैली से बिलकुल भिन्न होती है। कोई भी समुद्री परिवेश में काम करना नहीं चाहता है। जो लोग इस नौकरी में आते हैं, उनका नौकरी में अपेक्षित नजरिए से भिन्न नजरिया होता है। समुद्री जानवरों के साथ काम करना भिन्न होता है क्योंकि यहां काम करने की प्रकृति व शैली भिन्न है। यहां इंसान को इलाके में पड़ने वाले काम से प्यार करने के लिए समुद्र से प्यार करना पड़ता है। जैसे ही आपको समुद्री जीवन से प्रेम हो जाता है, फिर आप इससे अलग नहीं हो पाते हैं।''

समुद्री जीवन से निपटने के मामले में जागरुकता की कमी है जो युवा फारेस्ट रेंजरों को इस क्षेत्र में काम करने से डराती है। सतीश बताते हैं, ''समुद्री जानवरों के बारे हमारे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। मैंने बीएससी में चार साल फोरेस्ट्री की, दो साल पर्यावरण विज्ञान की पढ़ाई की है तथा डेढ़ साल का प्रशिक्षण प्राप्त किया है और फिर भी गल्फ आफ मन्नार के नेशनल पार्क का हिस्सा बनने से पहले मुझे भी ज्यादा जानकारी नहीं थी। यह क्षेत्र एक प्रकार का दु:स्वप्न है चूंकि यह हर व्यक्ति के लिए नया है। फिर यह भी तथ्य है कि पार्क श्रीलंका की सीमारेखा है। यहां काम करना मेरे लिए आंख खोलने वाला था।''

हालांकि राष्ट्रीय पार्क में समृद्ध वन्यजीवन है, लेकिन जो एक अबूझी दुनिया है, वो है समुद्री जीवन और यहां बहुत कुछ है जो समुद्र से प्राप्त होना है। सतीश कहते हैं, '' यहां समुद्र खीरे, व्हेलें, शार्क, समुद्री घोड़े व सुंदर मूंगे हैं। चूंकि पार्क सीमा पर है, समुद्र खीर व समुद्री घोड़े व्यापारिक सामग्रियां हैं। लोग इन्हें खाते हैं लेकिन सौभाग्य से भारत में नहीं। इन समुद्री जानवरों के व्यापार को रोकना चुनौती था। सौ से अधिक लोगों को पकड़ा गया था। मैंने तो मुख्य लोगों तक पर निशाना लगाया।''

ऐसे लोगों के पीछे पड़ने का अर्थ था कि सतीश और उनकी पत्नी का जीवन हमेशा खतरे में रहता है। वह बताते हैं कि जब से उन्हें वहां नियुक्त किया गया है, एक दिन भी ऐसा नहीं हुआ जब वे दोनों निश्चिंत होकर घूमने गए हों। उनकी पत्नी उन्हें अकेले कहीं नहीं जाने देती हैं। हालिया दुर्घटना को याद करते हुए, वह बताते हैं कि किस तरह उनके ड्राइवर को बुरी तरह पीटा गया सिर्फ इसलिए कि वह सतीश के इर्दगिर्द घूमता रहता है। वे चाहते थे कि सतीश अपने काम ढिलाई लाएं। उनके खिलाफ लगातार मानवाधिकार उल्लंघन के फर्जी मामले दर्ज कराए गए। लेकिन इससे उनके काम की तेजी में कमी नहीं आई।

जब सतीश ने नियुक्ति पाई तो उनकी प्राथमिकता, उन कामों के बारे में सोचना था जो प्राथमिकता आधार पर किए जा सकते थे। सतीश कहते हैं, ''हमारे पास समुद्र के भीतर जो है वह इको सिस्टम के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। समुद्री गाय या डुगोंग तथा समुद्री कछुए यहां खतरे में हैं।

>> पेज 3

गोलू अबरार खान, भरतपुर, अवार्ड कैटेगरी: हरित रक्षक

वह बारह साल के थे जब वह भरतपुर के केवलादेव घाना नेशनल पार्क में पंछियों के पीछा करते अपने दिन बिताया करते थे। उनके पिता वहां के एक रिजार्ट के रसोइया थे जहां पक्षी विज्ञानी और पंछी पर्यटक समय समय पर घूमने व देखने के लिए आया करते थे। एक ऐसा व्यक्ति जिसने भोला की रुचि जगाई, वो थे डा सलीम अली जो अक्सर पंछियों के कलरव का आंनद लेने पार्क आया करते थे। भोलू इस व्यक्ति को अपनी पंछियों की जानकारी व उनके प्रति प्रेम का काफी श्रेय देते हैं।

पार्क में फारेस्ट रेंजर के पद से रिटायर हुए 65 वर्षीय बुजुर्ग याद करते हुए बताते हैं, ''डा अली अक्सर पार्क आया करते थे। जब मैं उनसे मिला, तो उन्होंने मुझसे कहा कि क्या उनकी सहायता करने में मेरी दिलचस्पी है। मैं 12 साल का था, मेरे पास अपार ऊर्जा व खाली समय था क्योंकि मैं स्कूल नहीं जा रहा था। मैं पंछियों को देखने और उनका पीछा करने में घंटों बिताया करता था। वही व्यक्ति थे जिन्होंने मुझे उनके नाम और उनकी पहचान के बारे में सिखाया। जिन पंछियों को मैं पहचान नहीं पाता था, मैं उन्हें बहुत सावधानी से देखा करता और वापस लौटता व विस्तार से पंछी का वर्णन करता। डा अली फिर मुझे उनके नाम बताया करते। मैं बच्चे के रूप में स्टाफ के साथ गश्त पर जाया करता । मैं उनके घोंसलों की गिनती करता और पंछियों को घेरने में सहायता करता। ''

हालांकि, डा अली का एक सख्त नियम था। एकमात्र तरीका, जिसमें भोलू सहायता कर सकते थे, यह था कि उन्हें अनिवार्यतया स्कूल जाना पड़ता था। बालक भोलू के पास , सिवाय उसका पालन करने के, कोई विकल्प नहीं थे। दुर्भाग्यवश, वह अपने स्नातक की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए। 1976 में, परिवार ने उन पर विवाह करने के लिए मजबूर कर दिया। भोलू , जिन्होंने फारेस्टर के रूप में पार्क में नौकरी पाई थी, याद करते हैं, ''उन दिनों ईसान परिवार के आदेश का सीधा पालन करता था। मैं दूसरे वर्ष में था और परीक्षा में बैठ रहा था जब मुझे पढ़ाई छोड़नी पड़ी। बारात घर के दरवाजे पर थी। मुझे विवाहित जीवन में फंस गया और मुझे अपनी अधूरी पढ़ाई पूरी करने के लिए वापस जाने का कभी कोई अवसर नहीं मिला।''

लेकिन इससे उन्हें पंछियों के साथ काम करने में दिक्कत पेश नहीं आई। उन्हें पार्क में नौकरी मिल गयी, उन्होंने सीखा कि पंछी गणना शिविर कैसे लगाएं जाएं और पंछी की सुरक्षा का काम कैसे किया जाए। वह रोज पार्क की निगरानी करते थे और अतिक्रमण, शिकार, जानवरों की बिमारियों तथा गैरअनुशासित पर्यटकों से संबंधित समस्याओं की जानकारी

भेजते जो पंछियों को परेशान किया करते थे। उनकी गहन जानकारी ऐसी थी कि गाइड उनके पास आया करते और सीखते कि कैसे किसी खास पंछी की पहचान करें- कि वह आप्रवासी पंछी है या स्थानीय पंछी या स्थानीय आप्रवासी है। उन्होंने एमएससी छात्रों को पढ़ाया है जो पंछियों के बारे में सीखने आते थे। उन्होंने युवा वन अधिकारियों को पढ़ाया है जो पार्क में पोस्ट होकर आया करते थे। उन्होंने स्कूली छात्रों को पढ़ाया है जो उन्हें प्रस्तुति दिखाने के लिए पार्क में आया करते थे, चिड़िया की विशिष्टताएं तथा वन में उन्हें कैसे पहचानें।

वह कहानियों से आपको खुश कर देते हैं। वह बताते हैं कि वह कैसे ऐसे व्यक्ति हैं जिसने फुफकारती बिल्ली को देखा था। कुछ ऐसा जो पार्क में नहीं सुना गया था। भोलू बताते हैं, ''जब, बच्चे के रूप में मैंने बिल्ली को देखा था। लेकिन मैंने उसके देखने के तरीके का अध्ययन किया। मैं पलट कर भागा और कार्यालय को सूचित किया। जब उन्होंने जानवर को देखा तो फुफकारती बिल्ली को देखकर चकित थे। कोई नहीं जानता था कि यह पार्क में थी। ''

वह बताते हैं कि कैसे विगत अस्सी और नब्बे के दशक में लोग साइबेरियाई क्रेन को देखने पार्क आया करते थे। दुर्भाग्यवश, नब्बे दशक में अफगानिस्तान में लड़ाई इस अद्भुत पंछी के लिए जानलेवा साबित हुई जो अफगानिस्तान में पड़ाव करता था। वह बताते हैं कि किस प्रकार इस अद्भुत पंदी की जबरदस्त हत्या का अर्थ यह हुआ कि केवलादेव ने अपने इस अनमोल दौलत को खो दिया। लेकिन वह बताते हैं कि विगत 1985 में, रूसियों ने एक बाल साइबेरियाई चिड़िया को पकड़ा था। यह चिड़िया 1986 में अपने माता पिता के साथ 8000 किमी की उड़ान के बाद पार्क में दिखी थी।

>> पेज 3

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

जो खुद अपनी मदद करते, ईश्वर उनका मददगार

''मैं ईश्वर प्रेमी हूं। मैं रोज सुबह काम पर जाने से पहले पूजा करता हूं, और शाम को वापस लौटकर पुन: पूजा करता हूं। फिर भी, मेरा जीवन हर पह अनचाहे मोड़ों व घुमावों से होकर गुजरा है। मेरी प्रार्थनाएं क्यों अभी तक अनसुनी रह गयी हैं? मैं कहां गलती कर रहा हूं? मुझे बताएं, मुझे कौन से सुधार करने की आवश्यकता है? मेरा जीवन कब स्थिर होगा?'' इन तमाम प्रश्नों को मन में लिए हुए, हाल में किसी ने मेरा मार्गदर्शन मांगा।

वैसे, ईश्वर या ईश्वर नहीं, यह कैसे महत्व रखता है? अगर ईश्वर कहीं हैं, तो वह स्वैच्छिक ढंग से अपना चक्कर लगा रहा होगा। उसे हमारी तलाश या साकार भूमिका निभाने में किसी प्रोत्साहन की आवश्यकता नहीं है। वह, अपनी खुद की गरिमा में सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध होगा। इसीलिए, यह स्वीकार करना कठिन हो जाता है कि वह चुनिंदा ढंग से आपकी प्रार्थनाएं सुनेगा और आपकी मनचाही इच्छा पूरी करेगा।

अगर ईश्वर नहीं भी है, तो यह कैसे महत्व रखता है। क्योंकि जीवन अभी भी निरंतर आगे बढ़ता रहेगा। इसलिए ईश्वर की सहायता की ओर देखने के बजाय, कहीं दूर से, इच्छाओं की पूर्ति के लिए, बेहतर खुद पहल करें, और सचेत ढंग से सशक्त होने का प्रयास करें। इसके बावजूद, मैं यह स्पष्ट कर देता हूं कि ईश्वर की अवधारणा की प्रासंगिकता अभी भी अच्छा काम करती है। अगर वह आपकी इच्छाएं पूरी नहीं भी करता है, तो विश्वास बरकरार रखना निश्चित तौर पर अपनी खुद की आस्था पर टिके रहने में सहायता करता है। जो पूरी क्षमता के साथ मौजूदा कार्यभार को अपनाने में सहायता करता है। साथ ही, यह आपको एकाग्र बनाए रखता है।

लेकिन सब कहने और करने के बावजूद, अंततोगत्वा, आपको अपनी जिम्मेदारी लेने व सचेत ढंग से अपेक्षित गंतव्य की दिशा में काम करने की आवश्यकता है। स्पष्ट अर्थों में यह जान लें कि जीवन अपने आपमें आसान नहीं होता है। एक ऐसी दुनिया में, जहां हर कोई अनोखा जन्मा है, हर किसी की अपनी खूबियां-खामियां व इच्छा प्रवृत्तियां हैं, जो अवधारणाओं व हितों के टकराव को स्वाभाविक खुराक देने वाली जमीन बन जाती हैं। प्रामाणिक तौर पर, इसीलिए आप प्रतिस्पर्धी हितों व विपरीत शक्तियों के साथ जूझने के लिए बाध्य हैं। समझदारी के साथ सभी ऐसी भावी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए, आपको सफलता प्राप्ति के लिए पुरजोर गुणात्मक प्रयास करने की आवश्यकता है। हालांकि जो तब तक सामने नहीं आएंगे जब तक कि आप सचेत ढंग से अपनी अनुवांशिक कमजोरियों को पहचानने व स्वीकारने तथा उन्हें दूर नहीं करते, और साथ ही अपनी क्षमता को सामने नहीं लाते। लेकिन उसके लिए, आप अपना सर्वोत्तम कदम

आगे बढ़ाने में विफल होंगे। साथ ही, आपको राह में आने वाली सभी कठिनाइयों से पार पाने के लिए, उभरते परिस्थितिगत हालातों पर नजर रखने की आवश्यकता है।

जो आपके लिए लाजिमी बना देता है कि आप सचेत जीवन जीएं। आपने अभी तक जीवन को सहज प्रवाह के साथ जीया है, इस उम्मीद के साथ कि भक्त होने के कारण, इस सबसे पार होने में ईश्वर आपकी सहायता करेगा। इसलिए, आप सफलता और विफलता की अंतरालिक लहरों से गुजरते आए हैं। अब यह समय है कि आपको आपकी क्षमता व कमजोरियों से परिचित कराया जाए।

बृहस्पति को लग्न में दृढ़तापूर्वक स्थापित होना आपको अर्थपूर्ण व रचनाशील व्यक्ति बनाता है। तीसरे घर में मौजूद लग्न स्वामी मंगल उपलब्ध कार्यभार पूर्ण करने हेतु आपको अपरिहार्य हिम्मत प्रदान करता है। चन्द्रमा, का यूरेनस के बेहतर समन्वय में होना आपके नवोन्मेषी, प्रयोगधर्मी, व दूरदर्शी व्यक्ति होने का संकेत करता है, जो लीक से हटकर स्वतंत्र विचारों के साथ सामने आता है। चन्द्रमा का पुन:, बुध के अनुकूल स्थित होना आपको उत्कृष्ट संप्रेषण योग्यताओं से लैस करता है।

आपकी आदर्श व दृष्टिकोण, हालांकि, अक्सर आपकी क्षमता को दरकिनार करने की विध्वसंक भूमिका निभाते हैं। आपकी लग्न राशि मेष आपको आक्रामक, अड़ियल, अधीर, असहिष्णु, व दबंग बनाते हैं, जो किसी को अपने समकक्ष खड़ा देखना पसंद नहीं करता है। आप में बगैर उचित सोच विचार किए किसी भी काम में कूद पड़ने व उसका खामियाजा भुगतने की प्रवृत्ति है। यह तभी होता है जब आप जब समस्या में बुरी तरह घिर जाते हैं तभी आप अपने दिमाग का उपयोग करने के लिए बाध्य होते हैं, जब आप सर्वोत्तम संकट मोचक के रूप में उभर भी सकते हैं।

चन्द्रमा का धनु राशि पर काबिज होना आपको अव्यवहारिक व सरल बनाता है। मंगल का यूरेनस के समन्वय में होना आपको जिद्दी व अति विश्वासी बनाता है, लेकिन चन्द्रमा के विपरीत इसकी स्थिति, तथा सूर्य के प्रति पतनशील मुद्रा, आपको गुस्सैल, क्रोधी, व चिड़चिड़ा व्यक्ति बनाता है।

आप मामूली उकसावे पर भड़क सकते हैं, जब आप तात्कालिक रूप में अपनी समूची तार्किकता व दिशा संबंधी समझ खो सकते हैं। सूर्य का शनि के विपरीत होना भय व असुरक्षा की भावना लाता है, जिसके कारण, आपमें निष्क्रीयता की भावना जगती है। ऐसे में, अक्सर आपकी पहलकदमियों व हालात पर आपकी प्रतिक्रियाओं में देरी होती है और उसके दुष्परिणाम सामने आते हैं। इतना ही काफी नहीं है, सूर्य का बृहस्पति के विपरीत होना आपमें भयंकर अहंकार भावना जगाता है, जो आपको स्व परिभाषित मान्यताओं व अवधारओं में कैद करता है, आपको किसी भी रूप में वास्तविकता से पर देखने का अवसर नहीं देता। आपके लिए चीजों को स्वीकार करना कठिन हो जाता है, यदि कभी चीजें आपकी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरती हैं, जब आप अपना आप खो बैठते हैं। आज इसी का परिणाम सामने है।

मैं हूं, अपने कारण से

अपूर्वा पुरोहित का कहना है कि व्यक्तिगत जवाबदेही नेतृत्व की अकेली सर्वाधिक महत्वपूर्ण चालक शक्ति है। यही है जो महान नेताओं को प्रतिभाशाली मैनेजरों से अलग खड़ा करती है

यह कहें कि युद्धक्षेत्र की दृष्टि से, जब हम नेतृत्व की कला को समझने की अपनी यात्रा शुरू करते हैं, तो हमने देखा कि हम उस भूमिका से कितना ज्यादा ग्रहण कर पाए जिसमें कि हममें से अनेक आज पहले से निभाते आए हैं। माता पिता के रूप में, हम अपने बच्चों को बेहतर इंसान बनाने में सहायता करने के लिए समान रूप में अनुशासन व प्यार देते हैं और ऐसा करते हुए हम उन्हें हिम्मत व दृढ़ता के साथ बड़ी, बुरी दुनिया से निपटना भी सिखाते हैं। टीमों को संभालने में भी ये मूल्यवान नेतृत्व शिक्षाएं हैं। हमने उस सत्ता के बारे में जाना जो हमारे इर्दगिर्द सुनने वालों के साथ आती है, और क्रियान्वयन किस प्रकार सरल बनाया तथा लक्ष्य सचमुच स्पष्ट मन द्वारा हासिल किया जा सकता है बनाया जा सकता है जिसने उचित ढंग से अपनी प्राथमिकताएं तय की हैं। हमने जिज्ञासु होने तथा सवाल पूछने, कठिन फैसले लेने और आजमाइश के दौर में,जिसका कि हम सभी ने अपने जीवन में किसी न किसी रूप में सामना किया है, उनके संरक्षण की महत्ता पर विचार किया है। हमने कुछ सामान्य पूर्वाग्रहों पर ध्यान दिया कि नेता सकारात्मक पूर्वाग्रह रखते हैं व क्रियान्वयन के बरक्स नकारात्मक रुख रखते हैं और वस्तुगत मापन मेट्रिक्स के खतरों का शिकार होते हैं। अंतत:, हमने स्पष्ट परिभाषित करने वाले व एवं टिकाऊ रहने वाले मूल्यों की बात की, टीमों के बीच सहज विश्वास को प्रोत्साहित किया, वायदों को अटलता के साथ निभाया और इन सबका समर्थकारी व भागीदारीपूर्ण संस्कृतियां रचने हेतु ब्लाक्स निर्मित करने के रूप में उपयोग किया।

लेकिन मेरी राय में नेतृत्व का एकमात्र सबसे महत्वपूर्ण चालक है व्यक्तिगत जवाबदेही, और मैं यह खुलकर कहती हूं क्योंकि मैंने अनेक प्रतिभाशाली प्रबंधकों को देखा है जो महान नेता बनकर नहीं उभर पाते हैं, केवल इस कारण कि यह विशेष चारित्रिक विशेषता उनके स्वभाव से गायब थी।

जब एक बच्ची बहुत छोटा होती है, और खेलने के दौरान अपनी बाल खो देती है, वह अपनी मां के पास आती है और खुश होकर कहती हैं, मम्मी, बाल खो गयी। शब्दों पर ध्यान दीजिए। बच्ची मानती है कि बॉल अपने आप खो गयी है। और नतीजतन उसे खुद

पर गुस्सा नहीं आता है। वह मानती है कि उसकी मां स्थिति का खयाल रखेगी और सचमुच लाड़ प्यार करने वाले माता पिता खेल वाली जगह की और दौड़कर जाते हैं, खोई बाल को आसपास ढूंढ़ते हैं।

हालांकि जब यही बच्ची थोड़ी बड़ी हो जाती है और वही बाल खोती है, तो इस बार वह रोते हुए लौटती है, मम्मी, मैंने बाल खो दी। यह दोनों विन्यास व संबंधित भावना का पूर्ण उलट है। इस बार, बच्चा ने केवल बाल खोने को लेकर परेशान होता है, बल्कि अपने जीवन में पहली बार स्वीकार भी करती है कि यह उसकी गलती है कि बॉल खो गयी। विकासकारी मनोविज्ञान पर हुए विभिन्न अध्ययन इशारा करते हैं कि यह बच्चे की प्रगति (साधारणतया लगभग छह साल की उम्र) में दिखता बिन्दु है जब परिपक्वता का संक्रमण सचमुच आरंभ होता है। क्योंकि यही वो आचरण है जो बालिगों से प्रदर्शित करने की अपेक्षा की जाती है, अपने कार्यों व उसके प्रतिफलों की जिम्मेदारी लेने की, व्यक्तिगत जवाबदेही के लिए। मैंने बॉल खो दी। बॉल अपनी खुद की गलती से नहीं खोई थी। न ही कि बुरी दिव्य शक्ति इसे गायब कर दिया। यह मैं थी और केवल मैं।

जवाबदेही की इस समस्या को इतनी शिद्दत के साथ मैं इसलिए रेखांकित कर रही हूं, क्योंकि अधिकांश लोग जिम्मेदारी स्वीकारने में जूझते हैं, खासतौर पर नकारात्मक स्थितियों में। बड़े होने के बावजूद, वे उस शिशु की ओर लौटने की कोशिश करते हैं जो खुश होकर कहता है कि बॉल बिना उसकी किसी गलती के गायब हो गयी। यह बुनियादी आरोपण संबंधी गलती हमें स्वयं की पीठ थपथपाने की संभावना का शिकार बनाती हैं जब चीजें ठीक चलती हैं, लेकिन जैसे ही चीजें गलत होती हैं वह आसानी से इसके लिए हमारे आसपास की बाहरी स्थितियों पर दोष मढ़ देती है। विवाह असफल हो रहे हैं? यह इसलिए था कि हमारी कुंडलियां मेल नहीं खाईं। बच्चा बिगड़ैल बनकर उभर रहा है? निश्चित तौर पर यह उस संगत के कारण है जिनके साथ वह स्कूल में रहता आया है। और इससे पहले कि हम इसे जानते हैं, हम अपनी कमजोरियों व दुखों को छोड़कर जिनसे हमारा जीवन अपरिहार्य ढंग से जुड़ा हुआ है, हर चीज को दोष देने लगते हैं। क्योंकि यह चुनने के लिए अधिक आसान रास्ता है, और निश्चित तौरपर कहीं अधिक पसंदीदा बजाय इसके कि अपनी खुद की गलतियों पर नजर डालने के। मैं हर समय यह होता देखती हूं। लाजिमी तौर पर लोग अपने साथ होती किसी भी घटना की जिम्मेदारी लेने से इंकार करते हुए अपने जीवन को हालात पर या अपने इर्दगिर्द मौजूद अन्य लोगों पर छोड़ देते हैं। मूलत: स्वीकारते हुए कि वे नहीं, बल्कि कोई और उनकी सफलताओं व विफलताओं के लिए जिम्मेदार है।

- अपूर्वा पुरोहित आथर आफ लेडी, यू आर द बॉस की लेखक हैं।

एक आत्मा को क्या करना चाहिए?

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि आत्माएं हालांकि वे बहुत छोटी हैं मगर उनके अंदर अपार क्षमता होती है। यही सृष्टि विधान की सुंदरता है

गीता में भगवान कृष्ण हम, जीवों, को आत्मा अंश बताते हैं। (15.7) और हम हमेशा ऐसे ही रहते है, यानी, अपरिवर्तित नन्हें जीव। हमारे धर्मग्रंथों में कहीं कोई उल्लेख नहीं है कि हम, जीवात्माएं, कभी भिन्न या ज्यादा बड़ी होती हैं। हम आंतरिक रूप से अपरिवर्तित रहती हैं। (2.23-24) आत्मा का नन्हापन इसकी बेहद सीमित शक्तियों का संकेतक है। आत्मा यही कर सकती है कि इच्छा करे, फैसला करे व दुष्परिणाम के रूप में सुख ले या दुख झेले। जो कुछ भी भौतिक प्रकृति द्वारा किया जाता है(3.27), हमारे शरीर भी भौतिक प्रकृति का हिस्सा हैं। यदि ऐसा नहीं होता तो कोई भी कभी बीमार नहीं पड़ता या उस संदर्भ में नहीं मरता, हम अपने शरीर को हमारे आदेश का पालन करने के लिए कहेंगे। हम अपने शरीर को फिट रखने का प्रयास कर सकते हैं लेकिन अपने शरीर पर नियंत्रण करना हमारे बस में नहीं है। असलियत में हम बहुत असहाय हैं, न केवल अपने शरीर के मामले में बल्कि अनेक अन्य मामलों में भी। क्या हम अपने अतीत के कर्मों के परिणामों से बंधे नहीं हैं जो समय समय पर सौभाग्य या दुर्भाग्य के रूप में प्रकट होते हैं? हमारा छोटा होना सृष्टि विधान का हिस्सा है। कल्पना करें, कुछ आत्माएं किसी रूप में शक्तिशाली हो जाती हैं। वह स्त्री या पुरुष किसी अराजकता का कारण बन सकता है, वह ईश्वर तक को चुनौती दे सकता या सकती है। इसीलिए, यह संभावना अस्तित्व नहीं रखती है।

हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं होता कि हम, आत्माएं, निर्णायक अर्थ में असहाय हैं, क्योंकि वो सृष्टि विधान को विकृत बनाएगी। ईश्वर ने अनेक रूपों में हमें सशक्त होने के लिए तैयार किया है। आत्माओं में अपार क्षमता होती है भले ही वे अपने आपमें नन्हीं हैं। यही सृष्टि विधान की सुंदरता है। ईश्वर ने दयापूर्वक मुझे आध्यात्मिक लेख लिखने में सशक्त बनाया है, वह मुझे आवश्यक जानकारी प्रदान करता है। (15.15) इसीलिए, एक बुद्धिमान आत्मा तार्किक काम करती है, वो है ईश्वर की शरण लेना, जो ऐसे समर्पण से संतुष्ट है। बल्कि, वह हमें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। (18.62)फिर छोटा होने की हमारी कमी दूर हो जाती है। छोटी आत्माएं अविश्वसनीय कार्य करने में सक्षम हैं। तुलसीदास द्वारा रामचरित मानस जैसा विराट आध्यात्मिक ग्रंथ लिखने की कल्पना करें। हम ईश्वर के प्रति इस सर्वप्रमुख समर्पण पर कैसे शुरुआत कर सकते हैं? इसमें भी ईश्वर सहायता करता है, वह अपने आदेश भेजता है। जैसे ही आत्मा भौतिक काया ग्रहण करती है, वह अपने आप भौतिक प्रकृति की तीन अवस्थाओं से घिर जाती है, जो है अच्छाई, धैर्य व अंधकार। इसे तीन भिन्न प्रकार की सामग्रियों से बने कपड़े से ढंक व्यक्ति के उदाहरण से समझा जा सकता है। अच्छाई का प्रतिनिधित्व करती सामग्री है प्रकाश व अधिकांशतया पारदर्शिता, धैर्य का प्रतिनिधित्व करती सामग्री थोड़ी ज्यादा मोटी व धुंधली है, और अंधकार पूरी तरह अंधेरा है। ईश्वर को यह आवरण भेदने में कोई समस्या नहीं है। वह शुरुआत करने के लिए हर कहीं हैं। समस्या निहित है आत्मा की अपने मस्तिष्क को संप्रेषित करने की योग्यता में। यह आवरण आड़े आता है। इस समस्या से पार पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? हमारे इर्दगिर्द कवर का ढांचा अपार अच्छाई के साथ, कम धैर्य व बहुत कम अंधेरे के साथ अधिक पारदर्शी ढंग से बनाया जाना चाहिए। गीता के चौदहवें अध्याय में यह कैसे समेटा जा सकता है। एक और तरीका है, जो ईश्वर उन गंभीर आत्माओं के लिए इस्तेमाल करता है जो ईश्वर की सुनवाई को लेकर बहुत उत्सुक हैं, वह माध्यम के रूप में अनेक तरीके पाता है या हमें सही जानकारी वाला सपना प्रदान करता है। इसी तरह, समझदार आत्माएं आध्यात्मिक गतिविधियां करती हैं, हालांकि वे तीन अवस्थाओं के सापेक्ष अनुपातों को बदल रही है। यह हमें ईश्वर का प्रिय बनाता है, जो फिर संप्रेषण का सीधा रास्ता अपनाता है। वैसे, ईश्वर को हमारे संदेश लेने में कोई कठिनाई नहीं होती है, उसकी राह में कुछ भी बाधक नहीं हो सकता। इसलिए, अगर आपने नहीं किया है, तो आइए सर्वशक्तिमा, सर्वज्ञानी व सर्वव्यापी ईश्वर से इस सुविधा का पूर्ण लाभ लेने की तैयारी किया जाए। मैं ईश्वर का मार्गदर्शन, सहायता विभिन्न शक्तियों, सुरक्षा, आशीर्वाद, कृपा, शांति, सहयोग व क्षमाशीलता प्राप्त करने में सफलता पाई है। हम सभी ऐसा कर सकते हैं और करेंगे, तभी, हम अपने अनुवांशिक छोटेपन से अपंग नहीं हो सकते।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए आपको अपने तनाव पर काबू पाने की जरूरत है। समस्याओं से बचने की बजाय उनका सामना करें। प्रलोभनों या नशों से बचें, वर्ना स्वास्थ्य समस्याएं झेलनी पड़ सकती हैं। आपको मनचाही नौकरी मिलने वाली है। आपकी उपलब्धियों से आपके सहकर्मियों को ईर्ष्या होगी। जो मुख्यत: उनकी समस्या है, लेकिन उसकी चिंता मत करें। रिश्तों में निराशा महसूस कर सकते हैं।

शुभ अंक: 9 शुभ रंग: काला शुभ दिन: बुधवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

मेडिकल जांच संबंधी विभ्रम की आशंका है। अन्य से भी सलाह लें। प्रत्येक स्वास्थ्य बदलाव धीरे धीरे होने की संभावनाएं हैं। यह सर्वोत्तम हो सकता है भले ही आप कितनी तेजी से चीजों को आगे बढ़ाना चाहिए। एक समय में एक ही काम करें और मामूली बदलावों पर ध्यान दें। पेशेवर रूप में, आप अपनी कुशलता व समझदारी से हर स्थिति में जीत हासिल कर सकते हैं। साक्षात्कार में भाग लेने का यह उचित समय है।

शुभ अंक: 33 शुभ रंग: सफेद शुभ दिन: बुधवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अगले स्तर पर जाएगा और आपकी परिपक्वता व समझदारी भी बढ़ेगी। आप स्वास्थ्य पर पैसा खर्च करने के प्रति सशंकित नहीं रहेंगे। स्वास्थ्य संबंधी आपको सोच पार्थिव व व्यवहारिक है और आपको भारी लाभ मिलेगा। करियर मोर्चे पर, स्पष्टवादिता आपके कार्य जीवन में बदलाव लेकर आएगी। नौकरी के मामले में विदेश यात्रा पर जाने के आसार हैं। वित्तीय स्थिति बेहतर होगी।

शुभ अंक: 9 शुभ रंग: पीला शुभ दिन: गुरुवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

स्वास्थ्य मोर्चे पर आपको कड़ी मेहनत व धैर्य को प्रतिफल मिलेगा। आपका आत्मविश्वास लोगों को चुंबक सा आपकी ओर खींचेगा। स्वास्थ्य के प्रति चिंतित लोगों को आराम की जरूरत है। चीजें उतनी बुरी नहीं हैं जितना कि आप डरते हैं। एक अंतर्निहित, आध्यात्मिक शक्ति है जो आपको स्वस्थ बनाए रखेगी। करियर संबंधी अच्छे समाचार मिलने वाले हैं। परियोजना में सफलता के आसार हैं। अपनी आकांक्षाओं के प्रति स्पष्ट हों।

शुभ अंक: 10 शुभ रंग: नीला शुभ दिन: मंगलवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

आप अपने स्वास्थ्य में पूर्ण बदलाव देखेंगे। गंभीर रोगग्रस्त लोग अपने जांच परिणामों में सुधार के रूप में अप्रत्याशित बदलावों से चकित होंगे। अनुशासित व संयमित जीवनशैली का हमेशा स्वागत है। मीठे व तले भोजन की अपनी चाह पर काबू पाएं। करियर मोर्चे पर, अपनी आमदनी के स्रोत के प्रति सजग रहें। त्वरित सफलता पाने की अनुचित सौदेबाजी से आप कानूनी कार्रवाई का शिकार हो सकते हैं।

शुभ अंक: 18 शुभ रंग: भूरा शुभ दिन: शुक्रवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

अपनी कमजोरियों का सामना करें। अपने भयों, सीमाओं व हानिकारक जुड़ावों को जानने का यह अच्छा समय है। अपनी चिंताओं से दूर भागने के लिए नशों व भौतिक सुखों में लिप्त होने के आसार हैं। सावधान हों व किसी भी भौतिक जाल में फंसने से बचें। करियर स्तर पर, परियोजना की शुरुआत के संकेतक हैं जिसमें भारी रचनात्मक ऊर्जा लगेगी। यह समय है जब आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए भावनात्मक सहयोग की जरूरत है।

शुभ अंक: 12 शुभ रंग सरसों शुभ दिन: शनिवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

जो लोग किसी रोग से जूझ रहे हैं, उन्हें उपचार के लिए अपने फैमिली डाक्टर से परे देखने की जरूरत है। आपको चाहिए अवकाश या वातावरण में बदलाव। अपने सपनों पर ध्यान दें। आपको आध्यात्मिक उत्तर मिलने की संभावना है जो आपकी अपार सहायता करेंगे। करियर मोर्चे पर, नए अवसर आपको ललचाएंगे। नयी परियोजनाएं, सौदे या कार्यदिशों पर इस सप्ताह हो सकते हैं। बड़ा सौदा मिलने की संभावनाएं हैं।

शुभ अंक: 23 शुभ रंग : हरा शुभ दिन: रविवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। इस सप्ताह ऐसे उत्सव होंगे जब परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ होंगी। युवाओं को पैतृक संपत्ति के रूप में उपहार मिल सकते हैं, यह पैसा या अमूल्य सलाह हो सकते हैं। करियर मोर्चे पर, आपकी समझ और मानसिक स्पष्टता अच्छे परिणाम देगी। यह अपना लक्ष्य पाने व उसके लिए काम करने का अच्छा समय है। सजग रहें, नए अवसर द्वार पर दस्तक देंगे। पदोन्नति मिल सकती है।

शुभ अंक: 5 शुभ रंग: भूरा शुभ दिन: शनिवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

इस सप्ताह स्वास्थ्य चिंता का कारण बन सकता है। जांच परिणामों के प्रतीक्षारतों को शांत रहने की जरूरत है क्योंकि आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। घबराएं नहीं, चीजें उतनी बुरी नहीं, जितना कि आप डरते हैं। आप आध्यात्मिक क्षमता अनुभव करेंगे जो अच्छा स्वास्थ्य पाने में आपकी सहायता करेगी। गहन आनंद से जुड़ें और जीवन से प्रेम करें। आपको प्राणायाम करने व ध्यानासन करने की सलाह है।

शुभ अंक: 22 शुभ रंग: लाल शुभ दिन: शुक्रवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह अपनी सेहत के साथ न्याय करने के लिए यथार्थवादी रहें। यह जरूरी है कि आप आराम करें व शांत रहें। मसालेदार व जंकफूड से बचें। शांत रहें व गुस्से या आक्रामकता से बचें। अपनी निराशा को भीतर दबाए रखने के बजाय उसे व्यक्त करें। पेशेवर तौर पर, आप लंबे समय बाद स्थिरता पाएंगे। जो लोग नौकरी में बदलाव चाहते हैं उन्हें वर्तमान कंपनी के साथ खुद को अलग करने की जरूरत है।

शुभ अंक : 15 शुभ रंग: बैंगनी शुभ दिन: बुधवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

यह सप्ताह आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा होगा। आप सही जगह पर हैं, सही कार्य कर रहे हैं। आपको वह मिलने वाला है जो आपने चाहा है। सप्ताह नयी शुरुआतें समेटे हुए हैं। अपनी क्षमताओं को संतुलित करने के लिए, गरिष्ठ भोजन व अतिनिद्रा से बचें। कार्यजीवन शायद बहुत संतोषजनक नहीं है। अपने कार्यस्थल पर आप असहज महसूस कर सकते हैं। आपके अधिकारियों को लग सकता है कि आप सी फोसदी योगदान नहीं कर रहे।

शुभ अंक: 11 शुभ रंग: सुनहरा शुभ दिन: मंगलवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

बदलाव अनिवार्य है। आप ऐसे आध्यात्मिक उत्तर प्राप्त करेंगे जिन्होंने कुछ समय से आपको परेशान किया है। इस सप्ताह आप आत्मविश्वास व अति ऊर्जा अनुभव करेंगे। कुछ पहाड़ पर छुट्टियां बिताने की योजना बना सकते हैं। कुछ नया व रोमांचकारी आपकी दिशा में आगे बढ़ेगा। करियर स्तर पर आप नौकरी बदलने के लिए खुद को अग्रसर रखेंगे। कला क्षेत्र में योगदान करने वाले पहली करियर को बढ़ाने वाली परियोजना में काम कर सकते हैं।

शुभ अंक: 13 शुभ रंग: बैंगनी शुभ दिन: सोमवार

जीवन का अर्थ
सिर्फ या कर्म या
सिर्फ भक्ति या मेरा
ज्ञान नहीं होता है
- विनोबा भावे

कर्म का व्यापार

हिंगोरी लिखते हैं कि कर्म के व्यापार को विभिन्न लोगों द्वारा विभिन्न प्रकार से देखा गया है, जो नजरिए में बदलाव को दिखाता है जब आप आप अहसास के प्रत्येक उत्तरवर्ती द्वार से होकर गुजरते हैं

संपदा का एक प्रारूप ऐसा है जिसके बारे में हम अक्सर बात नहीं करते हैं, वो प्रारूप जो प्रकाश यानी कर्म के दूसरे पक्ष से आपका पीछा करता है।

आप जानते हैं आप कर्म की अवधारणा में लयबद्ध हैं जब आपको यह अहसास होता है कि आपके ऊपर प्रत्येक जीवन रूप का कर्ज है जिसने किसी भी रूप में आपकी सेवा की है: पौधे, पशु, आपके माता पिता, आपके शिक्षक, हर कोई। हमारा कार्मिक ब्योरा एक बैलेंस शीट का प्रतीक है, जहां प्रत्येक सदकर्म जमा के रूप में दर्ज होता है और हम जो भी बुरा कर्म करते हैं वो घाटे के रूप में दर्ज होता है। यह घाटे और जमाखाते हमारे वर्तमान या भावी जीवन में फलित होते हैं जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करते हैं, हमें कर्ज चुकाने तथा जमाखातों को बचाने का अवसर देते हैं।

जब आप इस अवधारणा में और गहरे उतरते हैं, सचमुच अच्छे कर्म करना शुरू कर देते हैं, आप इसे लेकर अच्छा महसूस करते हैं। आंतरिक भावना को शारीरिक आत्म से जुड़ना आसान महसूस होता है क्योंकि यह अंततः स्वयं को लाभान्वित होते देखती है क्योंकि सभी संग्रहित सदकर्म बुराई को ढंक लेते हैं। इस जीवन तथा भावी जीवनों में किए गए कर्म की फलितार्थ में कठिन दौर के मुकाबले अच्छा दौर, जो अनेक अन्य रूपों में शारीरिक आत्मानुभव में नजर आएगा।

इस अवधारणा में और गहरे उतरने पर, आप अपने स्तर पर या अपने लिए लाभकारी सौद के रूप में, इसे उदारता के रूप में देखना बंद कर देते हैं। आप इसे, स्वयं के लिए प्राप्त, एक और अवसर के रूप में देखते हैं, कुछ ऐसा जिसके लिए कृतज्ञ हुआ जाए। जीहां, उदार व दयालु होने के अवसर के लिए कृतज्ञता दिखाएं।

अंततः, जब आपने इस व्यापार को पूरी तरह समझ लिया तो आप कर्म को वस्तुगत ढंग से देखने लगते हैं। उदाहरणार्थ कहें तो, आप एक दिन सैंकड़ों बेघरों को खिलाते हैं, आप महसूस करेंगे कि किसी न किसी रूप में उस भोजन को खाना उसके भाग्य में लिखा था, जो उन्हें खाने को दिया गया था। यदि आप नहीं होते, तो कोई और उन्हें खिलाता, जो आपको सिर्फ एक निमित्त बनाता है जिसके जरिए उनका भाग्य लिखा गया था, बस और कुछ नहीं। इस बिन्दू पर आपको महसूस होता है कि इस कर्म का लाभ आपका नहीं है। यह बुरे कर्म के लिए इसी रूप में काम करता है, यानि, अपराधबोध भी आपके कंधों पर नहीं है, नियति ने ऐसा रच रखा है, और उसमें, आप केवल जरिया हैं।

फिर प्रश्न उठता है, क्या अच्छे कर्म सचमुच स्वार्थपरक कार्य होते हैं। खैर उत्तर है हां। आपका हर अच्छा कर्म दूसरे को लाभ देता है लेकिन आपकी अपनी आत्मा को भी लाभान्वित करता है। और फिर भी, यह ऐसा स्वार्थपरक कार्य है जिसे आपको प्रोत्साहित व प्रचारित करना चाहिए। क्योंकि इस स्वार्थता में निस्वार्थता है और निस्वार्थता स्वार्थता है।

> आपका हर अच्छा कर्म दूसरे को लाभ देता है लेकिन आपकी अपनी आत्मा को भी लाभान्वित करता है। और फिर भी, यह ऐसा स्वार्थपरक कार्य है जिसे आपको प्रोत्साहित व प्रचारित करना चाहिए। क्योंकि इस स्वार्थता में निस्वार्थता है और निस्वार्थता स्वार्थता है।

और जैसे ही आप महसूस करते हैं कि आप इस अवधारणा के मूल तक पहुंच गए हैं और व्यापार को समझ गए हैं आप महसूस करते हैं कि यह सब, मौजूदा दुनिया पूरी तरह माया का जाल था। जब आप इस आवरण को हटाते हैं और कर्म को देखते हैं, तो अब आप इसे उदारता के कार्य के रूप में नहीं, बल्कि एक आवश्यक कार्य के रूप में देखते हैं। यह स्वार्थता का कार्य बनना बंद हो जाता है और एक सहज आदत बन जाता है। और वो स्वाभाविक कर्म हालांकि अपने प्रारूप में दूसरों की सहायता करता है, मगर आत्मा को प्रभावित करना बंद कर देता है, यह कहें कि, यह एक निस्वार्थ कार्य बन जाता है, और हिन्दी में ऐसे कार्य को निस्वार्थ सेवा कहा जाता है। अब आप कर्ता नहीं रह जाते हैं, आप कर्म से ऊपर उठ चुके होते हैं।

यहां फिर एक सहज सवाल उठता है- क्या कर्ताशक्ति को हल्का करने का कोई आसान सूत्र है?

अपने किसी भी कर्म का दावेदारी मत करें। चूंकि वे नियति (यद्यपि कि वे हमारे पूर्व कर्मों के प्रतिफल थे) के कर्म थे, आपको उस कार्य के लिए स्वयं को जिम्मेदार ठहराने की आवश्यकता नहीं है जो पहले से होना सुनिश्चित किया गया है। यह फल है, मूल नहीं। आपको कर्मों से मैं को दूर हटाने की जरूरत है। उससे अनासक्त हों मानो यह आपकी पहल न हो। आप केवल कर्म के साक्षी हैं, इसलिए इसके मालिक क्यों बनते हैं? सर्वाधिक ज्ञानी जनों ने कहा है कि जो वे करते हैं, वे ईश्वर के नाम पर करते हैं। कुछ ने इसे पिता कहा होगा, तो दूसरों ने इसे ईश्वर का नाम दिया होगा, लेकिन उनमें से किसी ने दावा नहीं किया कि वे खुद कर्ता के रूप में थे। एक उन्नत चिंतन प्रक्रिया में, वे ईश्वर से परिभाषित होते हैं और उनका मैं समग्र के साथ एकात्मता का मैं बन गया। ''पिता के नाम पर ....'' कृष्ण ने मैं का अहं ब्रहमास्मि या मैं वो हूं के संदर्भ में उपयोग किया। परम सत्य यह है कि हर रूप में एक ही ईश्वर का अंश होता है और आपमें से हर कोई परम (ईश्वर जानता है कि क्यों परम) ईश्वर है। स्वयं में दिव्यता का अहसास करना उद्बोधन है। या कम से कम आगे को बढ़ता एक विशाल कदम है। लेकिन सबसे कठिन कार्य है स्वयं अपने तन,अपनी पहचान, व्यक्तित्व औ जीवात्मा के प्रति अनासक्त होना। यह अपनी इच्छाओं, सुखों, परिवार व व्यवसायिक जुड़ावों से अनासक्त होने के बाद का दूसरा चरण है।

उपरोक्त प्राप्ति के लिए बुद्ध व उनके स्तर के अन्य संतों द्वारा प्रदर्शित धैर्य व उद्देश्य की आवश्यकता होती है। इसे विभिन्न जन्मों के पड़ाव के बाद, अंशों में प्राप्त किया जा सकता है। प्रयास स्थायी होना चाहिए। यह एक आम विचार है कि कुछ भी असंभव हासिल करने की कोशिश करना बेकार है। लेकिन महान लोगों का जीवन व उनके अनुभव इसे व्यर्थ साबित करते हैं। हमें पैगम्बरों व सतों से प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत नहीं है, लेकिन फिर भी वे चरणों में उभरे थे और माया के चक्र से बाहर निकलने के लिए उन्होंने कई जन्म लिए थे।

अधिकांश धार्मिक उपदेश सुनने में, और कुछ हद तक समझने में आसान हैं, लेकिन उनकी थाह पाना कठिन है। इसलिए, यदि आप अपने सभी कर्मों, अपने सद्कर्मों समेत, की दावेदारी करना छोड़ सकते हैं, तो आपके पास आध्यात्मिक ऊंचाइयां पाने का अवसर है। अंत में, यदि आप कर्म की दावेदारी त्याग सकते हैं, तो यह करें। यदि नहीं कर सकते, तो ज्यादा आसान रास्ता लें और सिर्फ अच्छे कर्मों के भार से अपने बुरे कर्मों को ढंकें, ताकि सापेक्ष तुलना में वे बहुत कम हों और भविष्य में आपके पास बेहतर जीवन या जिंदगियां जी सकें। यह इसीलिए कि हमारा भाग्य हमारे पूर्व संग्रहित कर्मों द्वारा रचा गया है। संग्रहण के रूप को संस्कार कहा जाता है। यदि आप इनमें से किन्हीं तरीकों की परवाह नहीं करते हैं, आप चलते रह सकते हैं और यथासंभव यथासंभव आशानुरूप बेहतर व्यक्ति के रूप में रह सकते हैं। मैं भी आशा करता हूं कि इस आलेख के अंत में, आप पाएंगे कि इसका एक हिस्सा प्रतिध्वनित होता है। यदि ऐसा है, तो लक्ष्य प्राप्त हो गया है।

यदि आप कारण देखते हैं कि अच्छा कर्म आपके धन, समय व जुड़ाव के निवेश के लिए अर्थपूर्ण है तो कई जीवन रूप लाभान्वित होंगे।

- लेखक धार्मिक पुस्तक श्रंखला- हिंगोरी सूत्र के लेखक हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

चरित्र की ताकत

एक पुरानी कहावत है: जब धन खोया तो कुछ नहीं खोया, जब स्वास्थ्य खोया तो कुछ खोया, जब चरित्र खोया तो सबकुछ खोया। यह कहावत थोड़ी व्याख्या मांगती है क्योंकि संदर्भ बदल गया है। ऐसा कहा गया कि जब संपत्ति सबकुछ नहीं होती थी और इससे हर चीज का अंत नहीं था। लेकिन हम वाणिज्य युग में हैं, जहां संपत्ति सबकुछ है, हरसंभव माध्यमों से हासिल की जाती है। कहावत की प्रासंगिकता को आधुनिक समय के साथ कैसे जोड़ें जो अनेक लोगों को चक्कर में डालती हो या अधिकांश को डाल सकती हो। लेकिन प्रासंगिकता है, केवल व्यक्ति को थोड़ा गहराई में जांचने की जरूरत है। इसलिए, जैसा कि कहावत कहती है जब संपत्ति गयी तो कुछ नहीं गया क्योंकि इसे स्वास्थ्य व चरित्र हासिल करके पुन: हासिल किया जा सकता है। लेकिन जब स्वास्थ्य गया तो कुछ खो गया क्योंकि स्वास्थ्य कमजोर होने से लोगों के लिए स्वास्थ्य से उबरना कठिन कार्य बन जाएगा। फिर भी, चूंकि चरित्र है तो गंभीर प्रयास उस समय भी उसकी वापसी कराने में सहायता कर सकते हैं जो कुछ हद तक खो गया हैं। लेकिन जब चरित्र खो गया तो कुछ भी वापस नहीं आएगा क्योंकि वह चरित्र है जो गति प्रदान करता है। आइए अब मौजूदा राजनीति परिदृश्य पर नजर डालते हैं। जो हो रहा है, वो देश के भविष्य के संदर्भ में सर्वाधिक आशावादियों तक को गंभीर संशयों में डाल सकता है। राजनीतिक परिदृश्य ने काफी कुछ अपेक्षित त्याग दिया है। यह सिर्फ हाल में कुछ राज्य विधानसभाओं में हुए चुनाव में घटी कुछ घटनाओं के बारे में नहीं है। हमें बहुत पीछे जाने की जरूरत नहीं है। बस याद रखें कि कुछ समय पहले कर्नाटक में क्या हुआ था? आप तय करें, लेकिन यदि एक शब्द, जो समूची कहानी को स्पष्ट रूप से व्याख्यायित कर सकता है- तो वह है चरित्र। यह स्पष्ट रूप में अनुपस्थित है। अभी हाल में महाराष्ट्र या हरियाणा में भी। और झारखंड में जो हो रहा है। यहां की घटनाएं सर्वाधिक बेशर्म को भी शर्मिंदा कर देंगी। जी हां शर्मिंदा, राजनीति में चापलूस लोगों ने शर्म के मूल विचार को हवा में उड़ा दिया है। एक पार्टी में राजनेता को आज वहां समर्थन नहीं मिलता है तो दूसरी पार्टी में चला जाता है, यहां तक कि वहां से भी वो, सत्ता में पद पाने या किसी भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष लाभ के लालच में किसी और पार्टी में जा सकता है। भारतीय राजनीति कहां जा रही है? विध्वंस? अराजकता की ओर? जो भी हो, लेकिन दुष्परिणाम भयानक हैं। जो हो रहा है उसे कैसे समझाएं? तर्क व्याख्या नहीं कर सकता। राजनीति में विलुप्त होती नैतिकता व मूल्य का तर्क के पास कोई उत्तर नहीं है, इस परिदृश्य को अराजकता के प्राक्कथन के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है। रामचरित मानस के उत्तर रामायण खंड में इस दौर की कहीं अधिक स्पष्ट व्याख्या है। आपको बस कागभुशुंडि और गरुड के बीच के संवाद को पढ़ने की जरूरत है कि कलयुग में चीजें कैसे घटेंगी। यह इतने विविधतापूर्ण ढंग से वर्णित है अल्विन टाफ्लर जैसे भविष्यवादियों को भी ईर्ष्या महसूस हो सकती है। संवाद को अत्यंत स्पष्टता के साथ सत्तर दशक की शुरुआत के बालीवुड के एक अत्यंत लोकप्रिय गीत के जरिए सारसंकलित भी किया गया है जिसमें दिलीप कुमार ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। गीत का प्रासंगिक हिस्से को यहां उद्धरित किया जा रहा है। गीत कहता है कि कलयुग नामक ऐसा युग आएगा जिसमें सभी अप्रत्याशित चीजें घटित होंगी। काला धन व काले दिल के लोग होंगे। चोर और पाकेटमार धनी व सम्मानित होंगे जबकि अच्छे लोग दयनीय हालत में होंगे। जो लोग लालची व बुरे होंगे, वे संत कहलाएंगे। और वास्तविक पटाक्षेप यह है कि हर कहीं सत्य और धर्म की मुनादी की जाएगी लेकिन कोई शर्मिंदगी नहीं होगी। कितना सजीव व सटीक वर्णन है। इस दौर की इससे बेहतर व्याख्या नहीं की जा सकती।

पेज एक का शेष

पेज एक का शेष

जलालुद्दीन बाबा, जम्मू एवं कश्मीर, अवार्ड केटेगरी : प्रेरणा

हम न केवल पर्यावरण को हानि पहुंचा रहे हैं, बल्कि जो हम खा रहे हैं उससे हमारी सेहत को भी नुकसान हो रहा है। लेकिन मैंने पाया कि जिस असर की मैं आशा कर रहा था वो कभी नहीं सामने आया। तभी मैंने डिजीटल माध्यम की ओर मुड़ने व अपनी कहानी सुनाने के लिए खुद को कैमरे से लैस करने का फैसला किया।''

47 वर्षीय बाबा बताते हैं, ''वुलर नदी का स्थानिकों के लिए क्या अर्थ है, इस पर आधारित उनकी फिल्म हर संभव तरीके से अदभुत है। इसे एक 13 साल के कूड़ा बीनने वाले लड़के, बिलाल अहमद डार की आंखों से बताया गया है जो इसके किनारों पर रहता है और उसके लिए झील बहुत महत्व रखती है। कारण कि उसे अपना पेट पालना पड़ता है क्योंकि जब वह छह साल का था तो कैंसर के कारण उसके पिता की मौत हो गयी थी। और कैंसर होने का कारण क्या था? जहलीली वुलर झील। मैंने इस लड़के को नायक बनाया। मैंने स्कूल के बच्चों को फिल्म दिखाने का फैसला किया। मैं पाता हूं कि वे विचारों से सर्वाधिक खुले होते हैं, फिर भी हमारा पर्यावरण आज बदतर हालत में है। इसका अर्थ है कि हम अपनी शिक्षा प्रणाली में कुछ गलत कर रहे हैं।''

बाबा को बतौर व्यक्ति या संस्थान (पत्रकार, फिल्मनिर्माता या कलाकार) के रूप में उनके काम पर इंस्पायर अवार्ड देने की घोषणा की गयी है जिसने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के जरिए वन्यजीवन संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, तथा पर्यावरण सुरक्षा पर सोच को प्रभावित किया या लोगों को कार्य करने की प्रेरणा दी।

बाबा कहते हैं, '' पारिस्थितिकी व पर्यावरण हमारे लिए क्या महत्व रखते हैं हम उस महत्ता के बारे में नहीं पढ़ा रहे हैं। मैं अपनी फिल्में दिखाता हूं। मैं कभी कभी उन्हें डार की कहानी सुनाकर डराता हूं। वे आज वुलर की महत्ता को समझते हैं।''

बाबा कहते हैं, '' वुलर के मरने का क्या कारण है? झील आम तौर पर उत्तर घाटी का हिस्सा है। यहां तक कि दक्षिण कश्मीर की समृद्धि तक से झील वंचित है। झील शहनाग से आरंभ होती है और लिदर तक की यात्रा करती है जो फिर झेलम नदी से मिलती है। यह पानी गाद भी लेकर जाता है। झेलम के जरिए, समृद्धि और गाद वुलर झील में गिरते हैं जो एक नदी और एक झील की तरह है। झील एक भंडारण बन जाती है। ये सारे कारण है कि क्यों इसे बचाने और इसमें कचरा न फेंकने की आवश्यकता है। झील हजारों आप्रवासी पंछियों को आकर्षित करती है। यह क्षेत्र एक इको-पर्यटक स्थल बन सकता है जो कि पहले से बना हुआ है। यह स्थानीय लोगों को कमाई के वैकल्पिक साधन प्रदान कर सकता है। लेकिन सालों का उसके दोहन ने इसकी जैवविविधता पर विध्वंसकारी प्रभाव डाला है। इसमें से कुछ अभी बचा हुआ है। अभी भी समय है। कश्मीर प्रकृति पर निर्भर है। हमारे पास उद्योग नहीं हैं, हमारे पास रेलवे नहीं है। हमारे पास केवल नदियां व झीलें हैं। अगर हम वुलर को खो देंगे तो श्रीनगर में डल झील समेत सबकुछ हम खो देंगे।''

एस सतीश, तमिलनाडु अवार्ड कैटेगरी: दुर्लभ प्रजातियों को बचाओ

डुगोंग का उसके मीट के लिए शिकार किया जाता है। उसका मीट एक विलासिता है और जो 1000 रूपए प्रति किलो बिकता है। जब मैंने कार्यभार

संभाला था, उस समय गल्फ आफ मन्नार में इनकी संख्या केवल 150 रह गयी थी।''

वह बताते हैं कि खाड़ी में 56 समुद्री जानवर हैं। उनका प्रमुख काम समुद्र खीरों के साथ है। इसके लिए, वन विभाग ने गोताखोरी उपकरण खरीदे जब उन्होंने व उनकी टीम ने सीख लिया कि कैसे गोताखोरी की जाती है। असलियत में, वह और उनकी आठ टीमें विभाग में एकमात्र ऐसी टीमें हैं जो जानती है कि कैसे स्कूब डाइव की जाती है।

सतीश स्पष्ट करते हैं, ''गोताखोरी कैसे करें, इसे हमने क्यों सीखा, इसका कारण था। यहां 10000 नावें हैं जो इस क्षेत्र में सक्रिय रहती हैं। समुद्र में बहुत अधिक प्लास्टिक फेंका जाता है। यह सतह पर बैठ जाता है और प्रवाल भित्तियों को ढंक लेता है और वे दम घुटने से मर जाती हैं। सप्ताह में एक बार हम गोता लगाते हैं और सतह पर बैठा सारा प्लास्टिक एकत्रित करते हैं।''

यही एकमात्र काम नहीं है जिसके लिए सतीश ने क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की, जब उन्होंने 2016 में नेशनल पार्क का कामकाज संभाला था। वह नियमित रूप से स्कूली बच्चों को व्याख्यान देते हैं जिसमें वह उन्हें आम तौर पर समुद्री जीवन और विशेष रूप से समुद्री कछुओं, डुगोंग और समुद्र खीर के महत्व के बारे में बताते हैं। और यह मंडपम और रामनाड वन्यजीवन रेंज के तटीय क्षेत्र में समुद्रखीर के संरक्षण के प्रति उनका समर्पण था कि सतीश को प्रजातियों की रक्षा करने के लिए आरबीएस अर्थ हीरोज अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सतीश कहते हैं, ''मैं मछुआरों से कहता हूं कि उनकी आजीविका उससे चलती है जो समुद्र उन्हें प्रदान करता है। यदि वे समुद्र का शोषण करते हैं तो जल्द वहां उनके लिए बेचने व खाने हेतु कुछ भी नहीं बचेगा। मैं उनसे कहता हूं कि ये लुप्तप्राय प्रजातियां दूसरी मछली के जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। अगर समुद्र खीर समाप्त हो गए तो उनकी आमदनी भी समाप्त हो जाएगी। समुद्र खीर समुद्री तह को साफ करते हैं। यह ऐसी बात है जिसे मछुआरे समझते हैं क्योंकि इस क्षेत्र में मछली की संख्या में होती गिरावट को देखा है। आज इसका असर यह है कि अगर कोई डुगोंग जाल में फंस जाता है तो इसे छोड़ दिया जाता है। इससे इनकी संख्या में वृद्धि हुई है। समुद्री कछुओं के बारे में, पहले अगर कोई जाल में फंस जाता, उसके फ्लेपर्स काट लिए जाते और उसे वापस समुद्र में फेंक दिया जाता था। लेकिन आज, लोग उनकी रक्षा करते हैं जब उन्होंने प्रत्येक समुद्री जानवर की भूमिका को समझ लिया है।''

डुगोंग से संबंधित उनका काम बिलकुल नया है। सेव द डुगोंग नामक एक एप्प बनाया गया है। सतीश कहते हैं, ''इस एप की सहायता से मछुआरे को तस्वीर लेनी पड़ती है, यह हमें जीपीएस साइटिंग प्रदान करती है और गतिविधि का पता लगाने में सहायता मिलती है। प्रतिउत्तर में हम उन्हें 10000 देते हैं। हालांकि यह धन उस धन के मुकाबले नगण्य है जो वे जानवर को मारकर कमाया करते थे, मगर डुगोंग को देखने का विचार ने रुचि जगाई है और प्रजातियों की संख्या बढ़ रही है। हम अब कोशिश कर रहे हैं कि इस क्षेत्र को डुगों संरक्षित क्षेत्र के रूप में ले आया जाए। ''

भोलू अबरार खान, भरतपुर, अवार्ड कैटेगरी: हरित रक्षक

''फिर पार्क निर्देशक ने उस व्यक्ति को बुलाया जिसने चिड़िया को पहचाना था। यह तब की बात थी कि आज तीन किस्म की पंछी आबादी है और प्रत्येक का अपना खास गंतव्य है। चिड़ियों की मुख्य आबादी, जो भरतपुर आती है, पश्चिमी आबादी है जो ईरान जाती है, और पूर्वी आबादी जो चीन जाती है, जहां इनकी संख्या विशाल है।''

यहां अन्य चुनौतियां भी थीं। पानी एक बड़ी समस्या है। गंभीर नदी जो भरतपुर की दलदलीभूमि को पोषित किया करती है, अब बांध बनने के कारण विकल्प नहीं रह गयी है। भोलू बताते हैं, ''एक समय था जब हजारों चिड़ियां पार्क में आया करती थीं। उस समय काफी भोजन होता था। लेकिन बांध बन जाने के बाद, इस हिस्से ने अपनी जलापूर्ति खो दी। विकल्प था चंबल नदी से पार्क को प्यास बुझाना। इस नदी का पानी जो शहर की प्यास बुझाता है 17 किमी दूर एक बाढ़ नियंत्रण जलाशय में एकत्रित होता है। लेकिन यह पानी में प्राकृतिक खाद्य की कमी है। ऐसे में पंछी आबादी में गिरावट होना लाजिमी है। लेकिन अच्छे मानसून के दौरान, अपार भोजन उपलब्ध होता है और पंछी-आबादी इस ओर आती है।''

भोलू मानते हैं कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि भरतपुर चिड़ियों को आकर्षित करने के लिए दलदली क्षेत्र बना रहे। ''इस नगर में कोई दूसरा उद्योग नहीं है। समूची आबादी यहां पर आने वाले पर्यटकों पर निर्भर है। अगर पानी समाप्त होता है, तो चिड़ियां गायब हो जाती हैं, तो पर्यटक भी नहीं आएंगे। वर्तमान में, पार्क में विश्व धरोहर स्थल है। लेकिन पार्क अपनी दर्जा खो सकता है। फिर हम क्या करेंगे? सरकार अपना भरसक प्रयास कर रही है और पार्क अधिकारी स्थिति से निपटने का यथासंभव प्रयास कर रहे हैं इससे आज वन्यजीवन के बारे में बहुत ज्यादा जागरुकता आई है।''

वह बताते हैं कि उनका जीवन चिड़ियों के साथ शुरू हुआ और यह चिड़ियों के बीच समाप्त होगा। उनके बच्चे भी वन्यजीवन फोटोग्राफर हैं। भोलू बताते हैं, ''मैं भी एक फोटोग्राफर हूं । मेरे आधिकांश चित्रों ने अनेक पत्रिकाओं में जगह हासिल की है।''

अलग तरह की कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे राजकुमार राव

मेल सरोगेसी पर होगी आधारित!

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव एक के बाद एक कई हिट फिल्में दे चुके हैं। आखिरी बार वे %मेड इन चाइना में नजर आए थे। ये फिल्म कुछ खास कमाल तो नहीं दिखा पाई, लेकिन राजकुमार की एक्टिंग को काफी सराहा गया।

अब खबर आ रही है कि राजकुमार एक बिल्कुल अलग फिल्म में काम करने वाले हैं, जिसमें मेल सरोगेसी को दिखाया जाएगा। खबरों के अनुसार आयुष्मान खुराना की सुपरहिट फिल्म %ड्रीम गर्ल% से डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू करने वाले राज शांडिल्य एक और कॉमेडी फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला प्रोड्यूस करेंगे और इसमें लीड रोल के लिए राजकुमार राव से संपर्क किया गया है। बताया जा रहा है कि राजकुमार को फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद भी आई है।

बताया जा रहा है कि अभी इस फिल्म का टाइटल फाइनल नहीं किया गया है लेकिन इसे इशरत आर खान डायरेक्ट करेंगे। वे दीवानगी, नो एंट्री, वेलकम जैसी फिल्मों में अनीस बज्मी को एसिस्ट कर चुके हैं।

खबरों के अनुसार फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि

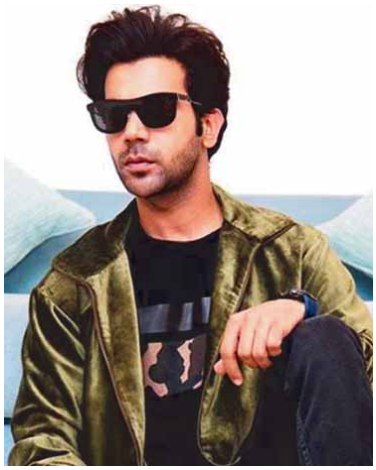

जब रॉनी, राज और इशरत ने फिल्म की स्क्रिप्ट राजकुमार को सुनाई तो उन्हें यह कॉमेडी फिल्म काफी पसंद आई और उन्होंने इसमें काम करने के लिए अपनी रजामंदी दे दी है। जनवरी तक इस फिल्म से जुड़ी सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी।

रेड कलर की शॉर्ट ड्रेस में जाह्नवी कपूर का ग्लैमरस अंदाज

फिल्म धड़क से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर जल्द ही द कारगिल गर्ल में नजर आने वाली हैं। जाह्नवी कपूर इन दिनों अपने डैशिंग लुक और हॉट अंदाज को लेकर छाई हुई हैं।

जाह्नवी कपूर की रेड कलर की ड्रेस में तस्वीरें वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में जाह्नवी हॉट अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं।

जाह्नवी कपूर के जिम से लेकर रेड कारपेट तक हर लुक सोशल मीडिया पर वायरल रहे हैं। जाह्नवी अपनी हर लुक से फैंस को इंप्रेस करती आई हैं।

जाह्नवी कपूर अपने ग्लैमरस अंदाज के कारण स्टार बनने से पहले से ही काफी फेमस रही हैं। इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं जो उनकी तस्वीरों को जमकर लाइक करते हैं।

जाह्नवी जल्द ही गुंजन सक्सेना की बायोपिक फिल्म द करगिल गर्ल और रूही आफ्जा में नजर आने वाली हैं। दोनों फिल्मों में जाह्नवी के किरदार और उनके लुक के पोस्टर्स पहले ही रिलीज हो चुके हैं।

'पिन्नी' की कहानी सीधे मेरे दिल से निकली है

'मैं ने नीना (गुप्ता) जी के साथ एक लघु फिल्म बनाई है जिसका निर्माण गुनीत मोंगा ने किया है। ये एक रोचक फिल्म है और इसकी कहानी सीधे मेरे दिल से निकली है। इसमें कुछ भी जटिल नहीं है। ये एक स्त्री की आवाज है और मैं जल्दी ही इसे रिलीज़ करने की तैयारी कर रही हूं,' ताहिरा

लेखिका और फिल्म निर्माता ताहिरा कश्यप अपनी आने वाली फिल्म 'पिन्नी' को एक मनमोहक कहानी बता रही हैं। उनके अनुसार इसे बनाने में उन्होंने अपने दिल की ही अधिक सुनी

ने ऑडिबल सुनो ऐप के लॉन्च के अवसर पर बताया। उन्होंने इससे पहले भी एक लघु फिल्म 'टॉफी' तथा कुड़िये नी, नाम से एक म्यूज़िक वीडियो भी बनाया है जिसमें उन्होंने अपने जेठ अपारशक्ति खुराना को प्रस्तुत किया है। वर्ष 2019 उनके पति अभिनेता आयुष्मान खुराना के लिए विशेष साबित हुआ है, जिन्होंने आर्टिकल 15, ड्रीमगर्ल तथा बाला जैसी लगातार सफल फिल्में की हैं। अपने पति की अभिनेता के रूप में सफलता पर उन्होंने कहा, 'मुझे प्रसन्नता है कि वो अच्छा काम कर रहे हैं। उन्हें अच्छी स्क्रिप्ट्स मिल रही हैं और अभिनेता के रूप में वो पहले से अधिक परिपक्व हुए हैं।'

'ऑडिबल सुनो' ऐप के बारे में उनका कहना है कि वो इसमें वो एक्सब्रेस्ट प्रस्तुत करेंगी जो सात एपिसोड वाली एक ऑडियो सीरीज़ है और जिसे ताहिरा और गुनीत ने बनाया है। इसमें वो स्तन कैंसर से जूझने की अपनी मार्मिक कहानी प्रस्तुत करेंगी।

सीरीज़ के बारे में उन्होंने बताया, 'ये पहली बार होगा कि मैं किसी ऑडियो शो में काम करूंगी और मैं अत्यंत उत्साहित हूं। ये विषय मेरे हृदय के निकट है और मैं इसे करके प्रसन्न हूं। वैसे ये एक मजेदार और हास्यपूर्ण शो है लेकिन इसका आधार विषय अत्यंत गंभीर है। मैंने इसे अपनी आवाज़ दी है और ये वास्तव में मेरी ही कहानी है।'

अमेज़न के स्वामित्व वाला ऑडियो प्लेटफॉर्म ऑडिबल सुनो 60 से अधिक हिंदी और अंग्रेजी की ऑरिजिनल सीरीज़ उपलब्ध कराता है जिसमें अजय देवगन, कैटरीना कैफ अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, गुरू रंधावा, अनिल कपूर, दिलजीत दोसांझ, रणवीर कपूर, तब्बू, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, तापसी पन्नू, मौनी रॉय, करण जौहर, फरहान अख्तर, अनुराग कश्यप, वीर दास तथा विकी कौशल आदि ने ध्वनि अभिनय किया है।

इस पर दिखाई जाने वाली कहानियों की कटेंट में हॉरर, सस्पेंस और रोमांस के साथ ही साक्षात्कार, पॉडकास्ट तथा बातचीत के अलावा गैर कहानी श्रेणी में मेंटल हेल्थ, एलजीबीटीक्यू प्लस के अधिकार आदि शामिल हैं।

'कला भले ही लोकप्रिय, मुख्यधारा संस्कृति की न हो, वो फिर भी बहुमूल्य'

फिल्म निर्देशक रोशन अब्बास ने पायनियर संवाददाता साक्षी शर्मा के साथ एक बातचीत में बताया कि उन्होंने बोलते महोत्सव के माध्यम से अपनी कला में और अधिक विश्वास करना सिखाकर वो दरअसल और भी श्रेष्ठ कलाकार बनाना चाहते हैं।

हमारी स्मृतियां धुंधली नहीं होती, उनमें हमारे अतीत में रची-बसी वस्तुओं का बसेरा होता है। फिर चाहे पार्ले जी बिस्किट का सोंधापन हो, नान खटाई बिस्किट या फिर हवा में घुली किसी चूरन की महक, चाहे बात कुरकुरे पकौड़ों की हो या फिर किसी और ऐसी ही यादगार वस्तु की हमें अपनी मां के बनाए खाने वर्षों बाद भी याद रहते हैं। किसी व्यक्ति विशेष द्वारा लगाई गई सुगंध या फिर रम की महक। इन बातों से हमें अपने हॉस्टल के दिनों की बेफिक्री का स्मरण हो आता है। ऐसे ही उदाहरण देकर हम अपने जीवन की यात्रा के बारे में बात करते हैं। ऐसी वस्तुओं में कोई पुरानी पुस्तक भी हो सकती है जिसमें बसी महक किसी पुराने पल की याद दिला देती है। ऐसे देखें तो हर सुगंध के साथ एक कोई न कोई पुरानी स्मृति जुड़ी होती है। निर्देशक रोशन अब्बास ने स्पोकेन फेस्टिवल में अपनी यात्रा का वर्णन करते हुए कुछ ऐसे ही उद्गार व्यक्त किये।

उन्होंने अपनी कहानी अमीरी-द साबुन से प्रारंभ की, ये उनके लखनऊ में बिताए गए बचपन के दिनों की कहानी है जो दिल्ली में जाकर समाप्त होती है। इसकी परिकल्पना के बारे में उन्होंने कहा, 'एक बार मैंने लोगों से उनकी प्रिय सुगंध और उससे जुड़ी स्मृतियों के बारे में बताने को कहा। लोगों ने मिट्टी से लेकर उनकी प्रिय परफ्यूम तक के बारे में बताया। यही बात मेरी कहानी का आधार बनी।'

उन्होंने कई क्षेत्रों में काम किया है। निर्देशक से लेकर आरजे, और टीवी एंकर और इवेंट मैनेजर से लेकर लेखक तक सभी क्षेत्रों का उन्हें अनुभव है। लेकिन वो अब मौखिक शब्दों की एक परंपरा को सृजित करने के लिए काम कर रहे हैं। वो बताते हैं, 'मेरा कॉरियर ग्राफ आपको बताएगा कि मेरी पृष्ठभूमि प्रदर्शन कला की रही है। मैं अच्छा एंकर और निर्देशक था क्योंकि मैं थियेटर में भी काम कर चुका हूं और अपने कॉलेज के दिनों में लिखा और गाया करता था। लेकिन शब्दों के बिना प्रदर्शन कैसा? यही कारण था कि मैंने एक महोत्सव का आयोजन किया। जब मैंने माइक पर बोलने और काव्य सत्रों का आयोजन किया तो पता लगा कि लोगों को काव्य, कहानी सुनना और संगीत ही लोगों को अधिक पसंद होते हैं। अत: मैं ऐसा स्थान निर्मित करना चाहता था जहां सर्वाधिक महत्व शब्दों का ही हो।'

एक कलाकार होने के नाते अब्बास को पता है कि कलाकारों का उत्थान कैसे किया जा सकता है उनके अनुसार ये महोत्सव उन्हें अपनी कला में विश्वास करने का कारण उपलब्ध कराता है, 'स्पोकेन फेस्ट एक ऐसा तरीका है जिसके माध्यम से लोगों को विश्वास दिलाया जा सकता है कि भले ही आपकी कला लोकप्रिय न हो और वो मुख्यधारा संस्कृति से भी मेल न भी खाती हो, लेकिन उसे भी मूल्यवान समझना होगा।'

इस महोत्सव के पहले दो संस्करण मुंबई और दिल्ली में आयोजित हुए हैं। तो फिर यहां के दर्शकों के लिए क्या कुछ नया है? के सवाल पर उनका कहना था, 'चूंकि आजकल हिप-हॉप जॉनर अधिक पसंद किया जा रहा है, हमारे पास कई हिप-हॉप कलाकार थे जिन्होंने इसका प्रदर्शन किया। देखिये मैं तो हिप-हॉप के दृष्टिकोण से अधिक आयु का हूं लेकिन दर्शकों को ये समझ में आता है। हमारे पास चार अलग अलग रैपर थे जिन्होंने इसे किया। दूसरी नई चीज थी अलग अलग विषयों पर परिचर्चा। जिसमें प्रिया मलिक ने प्रदूषण पर एक कार्यक्रम किया। इसी प्रकार पहचान और संस्कृति पर भी अलग पोस बनाए गए थे। इसके अलावा हमने समकालीन कार्यक्रम भी किये जिनमें वर्तमान समस्याओं पर फोकस किया गया था। पहले हम उनपर अधिक फोकस नहीं करते थे लेकिन इस बार हमने ये किया।'

इस महोत्सव में कवि, कहानीवाचक, थेस्पियन, गीतकार, कॉमेडियन तथा संगीतकार आदि ने सहभागिता की। इसमें इंटरऐक्टिव सत्र के अलावा मास्टर क्लासेज़ का भी आयोजन किया गया था। महोत्सव के दो दिनों के दौरान देशभर से आए कलाकारों ने उर्दू, हिंदी तथा अंग्रेजी एवं कन्नड़ आदि भाषाओं में परफॉर्म किया।

निर्देशक अंकुर तिवारी ने स्वानंद किरकिरे और कौसर मुनीर के साथ एक बातचीत प्रस्तुत की जिसमें अंकुर ने बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने पुरस्कार विजेता गाने लिखे थे और मुनीर ने दर्शकों को अपने लेखन संबंधी प्रयोगों के बारे में बताया।

अब्बास ने बताया, 'मुझे यश्मा अरोड़ा नामक बालिका की प्रस्तुति अच्छी लगी जो हमारे द्वारा आयोजित दिल्ली कॉलेज स्लैम की विजेता थी। मैं अलिफ के बैंड का भी प्रशंसक हूं जिसने प्रस्तुति दी थी और इसके साथ ही रैपर अहमद तथा प्रदीप ने भी अच्छा प्रदर्शन किया जिनका दर्शक वर्ग अलग होता है। इसके अलावा भी मुझे कुछ अन्य प्रस्तुतियां भी अच्छी लगीं।'

हम इससे पहले भी जश्न ए रेख्ता, दिल्ली लिटफेस्ट, टाइम्स लिटफेस्ट जैसे कई अन्य साहित्यिक तथा काव्य महोत्सव देख चुके थे जिनमें काव्य, साहित्य और लेखन को शामिल किया जाता है। तो फिर स्पोकेन महोत्सव में अलग क्या है? प्रश्न पर उन्होंने बताया, 'ये सभी महोत्सव एक ही चीज पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। जैसे जश्न ए रेख्ता का आधार उर्दू है और वे हर चीज को उस भाषा तक सीमित रखते हैं। दूसरों में हिंदी और अंग्रेजी पर फोकस किया जाता है। जबकि हम हर तरह के दर्शकों का ध्यान रखते हैं। हमारे सत्र भी बहुभाषी होते हैं। क्योंकि हम हर भाषा में दर्शकों तक अपनी बात पहुचांना चाहते हैं।'

जहां एक ओर अन्य महोत्सव निशुल्क होते हैं लेकिन अब्बास का कहना है कि यदि कलाकार परफॉर्म कर रहे हैं तो हमें कोई माध्यम निकालना होगा जिसके द्वारा दर्शक उन्हें कुछ भुगतान कर सकें।